जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

चूरू, गुरुवार 25 नवम्बर, 2021

मुख्यमंत्री

श्री अशोक गहलोत जी

गौड़ सनाढ्य फाउंडेशन

(3 करोड़ गौड़ सनाढ्य ब्राहाणों का वैश्विक संगठन)

गौड़ सनाढ्य फाउंडेशन के राष्ट्रीय संरक्षक

डॉ. महेश जोशी जी

को

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं भूजल केबिनेट मंत्री, राजस्थान सरकार

बनाए जाने पर राजस्थान के

यशस्वी जन नायक मुख्यमंत्री आदरणीय

श्री अशोक गहलोत जी

का आभार एवं संपूर्ण

भारतवर्ष के 3 करोड़ से अधिक

गौड़ सनाढ्य ब्राह्मण बंधुओं की ओर से

हार्दिक अभिनंदन

श्री अनुराग शर्मा

राष्ट्रीय संयोजक

श्री महेश जोशी (मुंबई)

राष्ट्रीय अध्यक्ष

श्री विजय बसावतिया (मुंबई)

वरिष्ठ उपाध्यक्ष

श्री देवी शंकर शर्मा (जयपुर)

प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान

श्री हरि शर्मा (जयपुर)

राष्ट्रीय महामंत्री

श्री विनोद शर्मा (जयपुर)

प्रदेश महामंत्री राजस्थान

■ संरक्षक: श्री रामविलास जी शर्मा (हरियाणा), श्री रतन शर्मा (गुवाहाटी), श्री केदार शर्मा (राजस्थान), श्री डी.डी. शर्मा (मुंबई), श्री सुभाष शर्मा (कोलकाता), श्री नंदकिशोर मिश्रा (कोलकाता), श्री परमेश्वर दयाल शर्मा (हैदराबाद), एडवोकेट श्री श्रीकिशन शर्मा (हैदराबाद) ■ राष्ट्रीय पदाधिकारी (जयपुर, राजस्थान) : श्री अरविन्द मिश्र, श्रीमती प्रिया गौड, एडवोकेट राजेश महर्षि, श्री मोहन लाल सुरोलिया, एडवोकेट कमलेश शर्मा, श्री अविनाश जोशी, एडवाकेट सुशील शर्मा, श्री दिनेश शर्मा, श्री सचिन शर्मा, श्री आर के वशिष्ठ, श्री विजय शंकर तिवाड़ी, श्री संदीप शर्मा, श्रीमती सुनीता भारद्वाज, श्रीमती ममता शर्मा, श्रीमती मालती सुरोलिया, श्रीमती कोशल्या गौड़, श्री पंकज शर्मा, श्री पवन गौड़, श्री राकेश चौमाल ■ राष्ट्रीय पदाधिकारी (मुंबई, महाराष्ट्र) : श्री मदन लाल शर्मा, श्री मुरारी लाल तिवाड़ी, श्री अमित शर्मा, श्रीमती कुसुम शर्मा, श्री ओमप्रकाश कावड़िया, श्री अशोक रावत, श्री पवन दंड, श्री पवन कुमार शर्मा, श्री दिनेश शर्मा ■ श्री महेन्द्र शर्मा (सूरत, गुजरात), श्री प्रीतम शर्मा (सूरत, गुजरात), श्री हरीश शर्मा (बडौदा, गुजरात), श्री नरेश शर्मा (अहमदाबाद, गुजरात), श्री भंवर लाल गौड़ (बडोदा, गुजरात) ■ राष्ट्रीय पदाधिकारी (कोलकाता, बंगाल): श्री अनिल मिश्र, श्री अशोक सहल, श्री पी डी लाटा, श्री प्रवीन शर्मा, श्री योगेश व्यास ■ राष्ट्रीय पदाधिकारी (हरियाणा) : श्री अशोक बुचौली, श्री सुनील मुदगल, श्री नरेश शर्मा ■ श्री सुरेश लाटा (हैदराबाद, तेलंगाना), रामबाबू कौशिक (हैदराबाद, तेलगाना) ■ राष्ट्रीय पदाधिकारी (दिल्ली) श्री एम पी शर्मा, श्री बालकिशन मुदगल, श्री गिरीश व्यास ■ राष्ट्रीय पदाधिकारी (बंगलोर) : श्री राधेश्याम शर्मा, श्री नंदकिशोर शर्मा, श्री मुकेश शर्मा ■ श्री रितेश शर्मा (धनबाद, झारखंड), अमित शर्मा (रांची, झारखंड) ■ श्री अजय व्यास (लुधियाना, पंजाब), श्री रिंकू शर्मा (चंडीगढ़, पंजाब) ■ श्री संजय शर्मा (छत्तीसगढ़) ■ श्री डी आर शर्मा (इंदौर, एम.पी.) ■ श्री मनीष मोरोलिया (बनारस, यू.पी.), श्री शशिकांत वशिष्ठ (लखनउ, यू.पी.) ■ श्री कुलदीप कौशिक (हरिद्वार, उत्तराखंड) ■ श्री विमल शर्मा (दुबई), श्री सुभाष कौशिक (सिंगापुर)

गौड़ सनाढ्य फाउंडेशन से जुड़ने के लिए मिस्ड कॉल करें 7877775510

विचार बिन्दु

संसार के विरुद्ध खड़े रहने के लिए शक्ति प्राप्त करने की जरूरत नहीं है। ईसा दुनिया के खिलाफ खड़े रहे, बुद्ध भी अपने जमाने के खिलाफ गए, प्रहलाद ने भी वैसा ही किया। ये सब नम्रता के धनि थे। अकेले खड़े रहने की शक्ति नम्रता के बिना असंभव है। –महात्मा गाँधी

बाल अपराधों की बढ़ती संख्या खतरे का संकेत

बाल-अपराधों की बढती संख्या देश के भविष्य के लिए खतरे का संकेत है। जब किसी व्यक्ति द्वारा मान्य नियमों का पालन नहीं किया जाता तब अपराध की समस्या पैदा होती है, फिर चाहे वह अपराध हो या बाल-अपराध। बाल अपराधी का तात्पर्य उस बच्चे से है जो आदत के रूप में अपनी निराशाओं को समाज विरोधी कार्यों अथवा हिंसा के रूप में प्रदर्शित करता है। पिछले कुछ वर्षों में टीन एजर्स में अपराधिक प्रवृति में आश्चर्यजनक रूप से वृद्धि हुई है जो चिंता का विषय है। नेशनल ज्यूडिशियल डाटाग्रिड और नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार एक साल में नाबालिगों द्वारा अंजाम दी गई आपराधिक घटनाओं में 842 हत्या, 981 हत्या का प्रयास, 725 अपहरण शामिल है। इसी भांति चोरी की 6081, लूट की 955 और डकैती की 112 घटनाएं शामिल हैं।

हाल के वर्षों में आपराधिक वारदातों में टीन एजर्स के लिप्त होने का ट्रेंड बढ़ रहा है। देश के कानून में नाबालिगों के लिए थोड़ी नरमी बरती गई है। बच्चों और नाबालिगों के लिए जुवेनाइल जस्टिस एक्ट के तहत मामूली या कम सजाएं होती हैं। इसका फायदा उठाकर अपराधी भी बड़ी संख्या में बच्चों का इस्तेमाल कर रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार देश के 7 राज्यों में ऐसे अपराधों की संख्या बढ़ी है। नेशनल ज्यूडिशियल डाटाग्रिड और नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2020 में हत्या, अपहरण, लूट, डकैती, चोरी जैसी 29,768 आपराधिक वारदातें ऐसी थीं, जिनमें 74,124 नाबालिगों की संलिप्तता पाई गई। टीन एजर्स द्वारा आपराधिक वारदातों की बात करें तो इसमें टॉप पर मध्य प्रदेश है, जहां 4819 घटनाओं में बच्चों की संलिप्तता थी। 4079 ऐसी वारदातों के साथ महाराष्ट्र दूसरे नंबर पर, 3394 वारदातों के साथ तमिलनाडु, तीसरे नंबर पर, 2455 वारदातों के साथ दिल्ली, चौथे नंबर पर है। वहीं 5वें नंबर पर राजस्थान (2386), छठे नंबर पर छत्तीसगढ़ (2090) और सातवें नंबर पर गुजरात (1812) है। खासतौर पर 16 साल से कम उम्र के बच्चों द्वारा जघन्य अपराध करने की घटनाएं बढ़ी हैं। आरोपियों में ज्यादातर 16 साल से कम उम्र के थे। 2019 में अपराधों की संख्या 29,022 थी।

देश के कुछ राज्यों में अपराधियों द्वारा उगाही, हत्या, अपहरण व अन्य अपराधों के लिए बच्चों का इस्तेमाल हो रहा है। पिछले साल 700 से अधिक अपहरण की वारदात के पीछे नाबालिग अपराधी थे। जबकि 6 हजार से अधिक चोरी की वारदात में बच्चे आरोपी थे। आंकड़े बताते हैं कि आपराधिक वारदात में लिप्त ज्यादातर नाबालिग प्राइमरी तक ही पढ़े होते हैं। दुनियाभर में बाल अपराधों की बढ़ती संख्या से लोग चिंतित हैं।

बाल अपराधियों की संख्या गांवों की अपेक्षा शहरों में अधिक है। जहाँ तक इनके दण्ड की बात है तो कोर्ट यह मानता है कि इस उम्र के बच्चे अगर जल्दी बिगड़ते हैं और उन्हें अगर सुधारने का प्रयत्न किया जाए तो वह सुधर भी जल्दी जाते हैं, इसीलिए उन्हें किशोर न्याय सुरक्षा और देखभाल अधिनियम 2000 के तहत सजा दी जाती है।

मारपीट और अपमान बहुधा बालक को अपराध की राह पर ले जाता है। घर में वातावरण प्रेमपूर्ण होना चाहिए दूसरे बालक की जिज्ञासाओं के समाधान में बड़ी सावधानी की आवश्यकता है कोई बात पूछने पर बालक को झिझक दिया जाए या उससे झूठ बोल देने पर प्रभाव बडा बुरा पडता है। बहुधा बालकों से यौन जिज्ञासाओं के विषय में झूठ बोल दिया जाता है। बालक जब अपने साथियों या घर के नौकरों से सही बात कर पाता है तब उन पर माता-पिता का झूठ खुल जाता है। बच्चों के प्रति बढ़ते अपराधों की सबसे मुख्य वजह मौजूदा दौर में एकल परिवार है। माता-पिता बच्चों का ध्यान पूरी तरह से नहीं रख पाते, ऐसे में मासूम अपराध का शिकार हो जाते हैं। साथ ही कम उम्र होने के चलते बच्चे अपने साथ होने वाले अपराधों को बता नहीं पाते, जिसका समाज में घूम रहे अपराधी किस्म के लोग फायदा उठाते हैं।

बाल अपराध रोकने में सबसे अहम रोल पुलिस का होता है, लेकिन सूबे के थानों में किशोर सेल तो बना है, पर इस सेल को देखने और सुनने वाला कोई पुलिस अधिकारी तैनात नहीं है। देश में बाल अपराध रोकने के लिए जे जे एक्ट सहित पास्को एक्ट तक है, लेकिन इस धाराओं को लागू करा पाने में अक्सर पुलिस नाकाम नजर आती है।

कई शोध रिपोर्टों के मुताबिक बहुत से मामले ऐसे भी हैं जहाँ बच्चे घरेलू तनाव के कारण अपराध कर देते हैं। इनमें एक कारण गरीबी और अशिक्षा भी है। भारत के राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के मुताबिक पिछले बीस सालों के अपराध के आंकड़े बताते हैं कि भारत के कुल रिकॉर्डिड अपराधों में से लगभग एक प्रतिशत नाबालिग अभियुक्त हैं। बाल अपराधियों की संख्या गावों की अपेक्षा शहरों में अधिक है। जहाँ तक इनके दण्ड की बात है तो कोर्ट यह मानता है कि इस उम्र के बच्चे अगर जल्दी बिगड़ते हैं और उन्हें अगर सुधारने का प्रयत्न किया जाए तो वह सुधर भी जल्दी जाते हैं, इसीलिए उन्हें किशोर न्याय सुरक्षा और देखभाल अधिनियम 2000 के तहत सजा दी जाती है। भारत में बाल न्याय अधिनियम 1986 (संशोधित 2000) के अनुसर 16 वर्ष तक की आयु के लड़कों एवं 18 वर्ष तक की आयु की लड़कियों के अपराध करने पर बाल अपराधी की श्रेणी में सम्मिलित किया गया है।

हमारे देश में बाल अपराधियों की संख्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है। बाल अपराधों की बढती संख्या भविष्य के लिए खतरे का संकेत हैं। बच्चे भविष्य की धरोहर है, लेकिन सामाजिक कमजोरियों और सरकार के ढुलमुल रवैये के चलते हमारी यह धरोहर लगातार पतन के रास्ते आगे बढ़ती जा रही हैं। बाल अपराधों की बढ़ती संख्या हमारे समाज के माथे एक ऐसा कलंक है जिससे तत्काल निजात पाने की जरुरत है। जो बच्चे अपराधी बन गये उनमें सुधार कर उन्हें अच्छा नागरिक बनाया जाये, यह भी अत्यंत आवश्यक है।

–अतिथि संपादक,
बालमुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

प्रकाश जैसा सत्य और लखीमपुर से लाल किले तक बिखरी धुंध

- **आज़ाद भारत के सबसे बड़े आंदोलन में छह सौ से ज्यादा किसान शहीद हो गए**
- **यह आत्ममुग्ध होने का नहीं बल्कि महंगाई थामने और रोजगार बढ़ाने का समय है**

बकौल सरकार के वे किसान आन्दोलन में प्रकाश जैसा सत्य किसानों को नहीं समझा पाए और परिणाम स्वरूप उन्हें ये तीनों विवादास्पद तीन कृषि कानून वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। क्या सचमुच ये कृषि कानून इतने उजले चमकदार और क्रिस्टल क्लीयर थे? क्या यह उजाला इतना साफ था कि किसानों को इन कानूनों को न समझा पाने के लिए सरकार को माफी मांगने के लिए विवश होना पड़ा? अब सरकार किसानों से संवाद कर क्या नए मसौदों की रूपरेखा बनाएगी? क्या सरकार फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारण करने की संवैधानिक और बाध्यकारी कानून बनाएगी? क्या किसान आन्दोलनों के दौरान मारे गए किसानों को मुआवजा दिया जाएगा?

लाल किले से लखीमपुरखीरी तक बिखरे पड़े हैं अन्त हीन कंटीले, तीखे और चुभते हुए प्रश्न। एक वर्ष से लगातार सड़कों पर हर तरह के मौसम की मार झेल रहे किसानों को भले ही प्रधानमंत्री की तीन कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा से राहत मिली हो लेकिन चुनावी मौसम में सरकार के लिए अब भी रास्ता सुगम नहीं हुआ है। तीनों कृषि कानून वापस ले लिए गये हैं। यह नई बात नहीं है। अगर सरकार की बात करें तो उनके यह तीसरा अवसर है, जब विधेयक वापस लिये गये हैं। प्रधानमंत्री के स्तर पर इस तरह की माफी नई बात भी नहीं है। आपातकाल लगाने के लिए फैसले पर इंदिरा गांधी तो आम जन तक पहुंची और बाद में कांग्रेस ने माफी भी मांगी थी।

जब से कृषि कानून आये, तब से ही देश दो तरह के लोगों में विभक्त हो गया। पहले ऐसे लोग, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फैसलों के समर्थक थे दूसरे ऐसे लोग, जिन्हें हर हाल में भाजपा और नरेंद्र मोदी का विरोध करना है। इन दोनों ही तरह के अधिकांश लोगों में एक कॉमन बात यह थी कि इन लोगों को इन तीन कृषि कानूनों के सम्बंध में कोई गम्भीर और विशेष जानकारी नहीं थी। ये लोग कृषि बिल, किसानी और एमएसपी जैसे शब्दों के अर्थों को समझे बगैर ही 'मोदी है तो मुमकिन है' की टेर लगाए थे या मोदी है तो कुछ नहीं हो सकता लेकिन 19 नवम्बर को मोदी जी बिल वापसी की घोषणा ऐसे उनके ऐसे समर्थक लोगों के लिए निराशा-हताशा भरी रही। कुछ तो पक्के अवसाद में ही चले गए हैं, हम भारतीय लोग ऐसा करते भी हैं। यह संयोग ही है कि जिस दिन पीएम ने क्षमा मांगी, वह इंदिरा गांधी का जन्मदिन था।

इस पूरे घटनाक्रम से एक बात जो देश की जनता को समझ आ जानी चाहिये, वह यह है कि गलती की माफी होती है जो अच्छी बात है और यह उनका कार्य भी है लेकिन इस धारणा से बचें कि वे जो करेंगे, वो सही ही होगा। यह धारणा अव्वल तो लोकतंत्र के ही खिलाफ है। क्यों न हम जिसे वोट देते हैं, उसके हर फैसले में जवाबदेही की उम्मीद करें। किसी के प्रति श्रद्धा और समर्पण सवाल पूछने की ताकत छीन लेता है। हमें यह याद रखना चाहिये कि हमारे पास जो वोट देने का अधिकार है, वह बेमियादी नहीं है।

कल नरेंद्र मोदी के यू-टर्न के बाद भौंचक्का हुआ है भाजपा-परिवार। किसी विचार से जुड़ना गलत नहीं है, लेकिन अपना अस्तित्व दावं पर लगा देना ठीक नहीं कहा जा सकता। 19 नवम्बर को जो हश्र हुआ है, वह भारतीय मतदाता समाज के लिए एक नज़ीर है।

अब भी समय है अपने नेताओं के हर कदम, कर्म और कार्य को आंख बंद करके न तो स्वीकार करें और न अस्वीकार। सदा उसे कसौटी पर रखें। कम से कम बिना जाने-समझे हाँ में हाँ तो मिलाइये ही मत। आदत डालिये कि सवाल पूछने आएं।

मैं उस किसानों की कौम को नमन करना चाहता हूँ जो घर से ये कहकर निकली थी कि या तो कानून रद्द कराकर घर लौटेंगे या फिर मरकर। इस जज्बे से प्रेरित होकर ही हरियाणा के किसान और कुछ देर बाद पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसान साथ हो लिये। किसान आन्दोलन भारत के इतिहास में ही नहीं दुनिया के इतिहास में लिखा गया है जिसने फतह हासिल किये बिना मैदान नहीं छोड़ा। पूरी दुनिया के किसानों के लिये ये बहुत बड़ी खबर है और बहुत बड़ा असर भी। इस आन्दोलन से बलबीर सिंह राजोवाल जैसे प्रखर नेता निकले। इससे राकेश टिकैत जैसे राष्ट्रीय कद के नेता मिले जिसने मीडिया की हवा निकाल कर उनको उनकी औकात बता दी। इससे अन्य किसान नेता निकले। युद्धवीर सिंह, चढूनी साहब, पुष्पेन्द्र जी, दर्शन पाल, सुनीलम आदि।

मगर सिर्फ कृषी कानून रद्द होने से बात खत्म नहीं हो जाती। मसला कृषि उपज मूल्य के निर्धारण, उसको कानूनी सुरक्षा, बिजली बिल, पराली बिल, आने वाले सभी कृषि कानूनों में किसानों की सहमति आदि मुद्दे भी सैटल होने हैं। आन्दोलन में मृत किसानों को शहीद का दर्जा और उचित मुआवजा भी लेना होगा। आन्दोलन स्थल पर शहीद स्मारक भी बनना चाहिए। किसानों पर लगे मुकदमे वापस होने हैं। ये सब किसान संगठनों की मांगे हैं। टिकैत ने ऐलान कर दिया है आन्दोलन जारी रहेगा कानून रद्द होने तक इंतजार करते रहेंगे। वो कहते हैं इस मात से तिलमिलाये सत्ताधारी आगे कुछ भी कर सकते हैं। अन्नदाता को आतंकवादी, खालिस्तानी कहने वालों को कैसी माफ़ी?

असल में यह जितनी लोकतंत्र की जीत है उतनी ही हार के डर की जीत भी है। आगामी विधानसभा चुनावों में सत्तारूढ दल उत्तर प्रदेश हार कर अपने सिर से मोर मुकुट उतरते हुए नहीं देखना चाहता। इसीलिये जिसे वे आन्दोलनजीवी कह कर अपमानित करते थे उसे किसान के हल-बखर के सामने पर अपना मुकुट रख दिया है।

सत्ता और उसके वरद हस्त से फलते-फूलते मीडिया और अंध भक्तों की अक्षोहिणी सेना ने साल भर किसान आंदोलन को बदनाम करने में कोई कसर नहीं उठा रखी। फिर भी इक्का-दुक्का हिंसक घटनाओं के अलावा यह आंदोलन एक नज़ीर बन कर उभरा।

जिस अन्नदाता को आन्दोलनजीवी कह कर एक प्रकार से गाली दी गई, जिन मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद, विधायकों ने किसानों को आतंकवादी, खालिस्तानी, चीन, पाकिस्तान परस्त कहा, उनका हाल अब कैसे होगा? अपने ही देशवासी धरती पुत्रों, पुत्रियों को देशद्रोही कहने वालों का गुनाह क्या इसलिये माफ़ कर दिया जाएगा कि अब क़ानून वापस लेने का ऐलान हो गया है? आज़ाद भारत के सबसे बड़े आंदोलन में छह सौ से ज्यादा किसान शहीद हो गए। उनकी शहादत को क्या कोई सभ्य समाज और लोकतांत्रिक राष्ट्र राज्य इसलिये भूल जाए कि अब देश के सरकार ने माफी मांगने की घोषणा कर दी है? फ़िलहाल कृषि क़ानून वापस लेने के फ़ैसले का स्वागत करते हुए यह नहीं भूलना चाहिये कि वर्तमान सत्ता और सरकार की राह कठोर फैसलों पर बहुत आगे बढ़ चुकी है। ऐसे फैसलों पर जनता के मन में भारी संशय लगातार बना हुआ है। सत्ता और उसके समर्थक करारी मात से भीतर तक तिलमिलाए हुए हैं। यह आत्ममुग्ध का समय नहीं है बल्कि जनता की भावनाओं को पढने और गलतियों को सुधारने का समय है, मंहगाई थामने और रोजगार बढ़ाने का समय है। किसान अब किसी भ्रम में नहीं रहना चाहता उसे अपनी उपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य मिलना ही चाहिए।

–राजेन्द्र मोहन शर्मा
साहित्यिकार, शिक्षाविद और चिन्तक

डालमेशियन पेलिकन लालसोट के मोरेल बांध को कर रहा गुलजार

लालसोट, (निसं)। क्षेत्र में किसानों की लाइफ लाइन कहे जाने वाले ढूंढाड क्षेत्र के सबसे बड़े कच्चे मोरेल बांध को इस समय संकटापन्न श्रेणी का डालमेशियन पेलिकन गुलजार कर पर्यटक को एवं स्थानीय लोगों को खुद की ओर आकर्षित कर रहा है। सुबह के समय इस पेलिकन कि जल अठखेलियां अनायास ही लोगों को खुद की ओर आकर्षित कर रही हैं। संकटापन्न श्रेणी के डालमेशियन पेलिकन काऊ वैसे तो मोरेल बांध में पिछले साल से आगमन हुआ है लेकिन इस बार भारी संख्या में यह पक्षी मोरेल बांध में खुद की उपस्थिति दर्ज करा चुका है।

- **सौ से ज्यादा की संख्या में मौजूद है पेलिकन, पर्यटकों के लिए बने आकर्षण का केंद्र**
- **पक्षी करीब 3 हजार किलोमीटर की यात्रा कर भारत में प्रवास के सुरक्षित स्थानों पर आते हैं**

लालसोट के मोरेल बांध में दिखा संकटग्रस्त श्रेणी के डालमेशियन पेलिकन का झुंड।

बायोडायवर्सिटी रिसर्च एंड डेवलपमेंट सोसाइटी के स्टेट कोऑर्डिनेटर पक्षी विद एसोसिएट प्रोफेसर डॉ सुभाष पहाड़िया ने बताया कि डालमेशियन पेलिकन मोरेल बांध में करीब सौ से भी ज्यादा की संख्या में दो झुंड में देखा गया है। उन्होंने बताया कि बांध में अब तक दर्जनों प्रजातियों के हजारों पक्षियों ने मोरेल बांध में खुद की उपस्थिति दर्ज कराई है। डॉ पहाड़िया ने बताया कि इस बांध में स्वच्छ जल होने के कारण यहां पर विश्व के विभिन्न भागों से प्रवासी पक्षियों का आगमन हो चुका है। पक्षी विद डॉक्टर पहाड़िया ने बताया कि साइबेरिया यूरोप एवं मध्य एशिया के ठंडे प्रदेशों में जहां शीतकाल में बर्फबारी होने के कारण डालमेशियन पेलिकन भारत में अपेक्षाकृत गर्म प्रदेशों में प्रवास करता है। पहाड़िया ने बताया कि पेलिकन को सामान्य भाषा में हवासिल भी कहा जाता है। यह पक्षी करीब 3 हजार किलोमीटर की यात्रा कर भारत के प्रवास पर सुरक्षित स्थानों पर आते हैं। डॉक्टर पहाड़िया ने बताया कि डालमेशियन पेलिकन दक्षिणी पूर्वी राजस्थान के स्वच्छ जल स्रोतों नदी तालाब और बांधों में सर्दी के दिनों का प्रवासी पक्षी है। इस पेलिकन पक्षी का भार 9 से 15 किलो एवं मादा पक्षी का भार 5 किलो तक होता है एवं अपने शरीर में अत्यधिक भार होने पर भी यह पक्षी पेलिकन लगातार हजारों किलोमीटर हौसले की उडान भर लेते हैं।

तोलियासर में मृत्युभोज बंद करने का निर्णय लिया

तोलियासर स्कूल में सहयोग राशि का चेक सौंपते शेखावत परिवार के सदस्य।

सुजानगढ़, (निसं)। तोलियासर गांव में एक परिवार ने मृत्युभोज बंद करने का निर्णय लिया है। तोलियासर निवासी राजेन्द्र सिंह शेखावत व नरेंद्र सिंह शेखावत ने अपनी माता सोहन कंवर के निधन पर मृत्युभोज बन्द करने का साहसिक व सामाजिक निर्णय करते हुए अपनी माताजी की पुण्यस्मृति में इक्कीस हजार रुपये राउमावि तोलियासर के विकास के लिए दान किये वहीं गौशाला में भी गुप्तदान करने की घोषणा की।

उल्लेखनीय है कि उनकी माताजी के निधन पर स्टाफ सदस्यों के साथ शोक व्यक्त करने गए प्रधानाचार्य कमलेश तेतरवाल ने परिजनों को मृत्यु भोज बन्द करने व पुण्य स्मृति में विद्यालय,गौशाला व गरीब परिवार की कन्याओं की शादी में दान करने के लिए प्रेरित किया। इस सुझाव से प्रेरित होकर शेखवात बन्धुओं ने अपने पुत्र भँवरसिंह, भवानीसिंह व पौत्र सूर्यपाल सिंह हरिओमसिंह व विरेन्द्रसिंह राठौड बिठूडा को भेज कर प्रधानाचार्य कमलेश तेतरवाल को विद्यालय विकास के लिए इक्कीस हजार रुपये भेंट किये। इस अवसर पर बुधरमल रोलन, श्रीकृष्ण, रिछपाल सहारण, बाबूलाल, परमेश्वरलाल, भंवरलाल प्रजापत, धर्मपाल भेरी भी उपस्थित रहे।

- **21 हजार रुपये राउमावि तोलियासर के विकास के लिए दान किये**

राशिफल गुरूवार 25 नवम्बर, 2021

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2078, पुष्य नक्षत्र सायं 6:49 तक, शुक्ल योग प्रात: 7:57 तक, गर करण प्रात: 6:58 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-तुला, बुध-वृश्चिक, गुरू-कुम्भ, शुक्र-धनु, शनि-मकर, राहु-वृष, केतु-वृश्चिक राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि, अमृत सिद्धि और गुरू पुष्य योग सूर्योदय से सायं 6:49 तक है। रवियोग सायं 6:44 से आरम्भ होगा। भद्रा रात्रि 4:43 से शुक्रवार सायं 5:13 तक रहेगी। आज छींट छठ है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:17 तक, चर 10:55 से 12:14 तक, लाभ-अमृत 12:14 से 2:51 तक, शुभ 4:10 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:58, सूर्यास्त 5:29

मेष
परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना ठीक रहेगा।

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ने का भय है। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

वृष
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार में सुसंदेश प्राप्त होंगे।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक सुविधाओं पर धन खर्च हो सकता है। कारोबारी यात्रा सफल रहेगी।

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। नवीन कार्यों के लिए दिन शुभ है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। नवीन कार्यों के लिए अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कर्क
व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। मांगलिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

मीन
व्यावसायिक/व्यक्तिगत कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी।

प्रकृति की गोद में पशुपालकों को मिलेंगी शहरी क्षेत्र की सभी सुविधाएं

कोटा, (निसं)। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल की पहल पर प्रदेश ही नहीं देश की अनूठी योजना तैयार हो चुकी है जो पशुपालकों को प्राकृतिक माहौल के बीच शहरी क्षेत्र की सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाएगी।

नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल के निर्देशन में कोचिंग सिटी जल्द केटल फ्री शहर भी बनने जा रहा है। नगर विकास न्यास सचिव राजेश जोशी ने बताया कि पशुपालकों को एक ही जगह पर सभी सुविधाएं प्रदान किए जाने ओर कोटा शहर को पशुओं से मुक्त और पशुपालकों के जीवन स्तर में सुधार करने के उद्देश्य से बनाई गई देवनारायाण योजना का कार्य अब अतिम दौर में है। योजना के तहत 738 आवासों का मय बाड़े, चारा स्टोर की सुविधा के साथ निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इसके साथ ही देवनारायण योजना में पशुपालकों उनके परिवारों के लिए पानी, बिजली, सड़क, चिकित्सा, गोबर गैस संयंत्र पुलिस चौकी, प्रशासनिक भवन आदि की सुविधाएं भी उपलब्ध करवा रही है यही नहीं पशुपालकों के लिए सामुदायिक भवन, बच्चों के लिए स्कूल, चिकित्सालय, पशु चिकित्सालय जैसी सभी सुविधाएं भी दी जा रही है। पशुओं के लिए तालाब, खुला चारागाह, विचरण के लिए प्रतिकूल जगह भी उपलब्ध हैं।

नगर विकास न्यास के विशेष विशेषाधिकारी आरडी मीणा ने बताया कि देवनारायण नगर एकीकृत आवासीय योजना देश की अनूठी योजना हैं जो देश की अन्य पशुपालकों की योजनाओं का अध्ययन करने के बाद अन्य योजनाओं से बेहतर बनाया गया है। इन पशुपालकों द्वारा पशुओं का दूध दोहने के बाद विचरण करने हेतु सड़कों पर खुला छोड़ दिया जाता था। शहर की व्यस्त सड़कों पर पशुओं के विचरण से आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती है। यही नहीं सड़कों पर पशुओं के विचरण से यातायात में भी व्यवधान आता है। इस समस्या के निदान के लिए पहले कोटा में सर्वे किया गया योजना पशुपालको उनके परिवारों का शैक्षणिक, सामाजिक एवं आर्थिक विकास करेगी और दूसरे राज्यों के लिए उदाहरण बनने जा रही है।

योजना मुख्यमंत्री द्वारा बजट घोषणा की पालना में मुख्यमंत्री द्वारा 17 अगस्त 2020 को इस परियोजना की आधारशिला रखी गई थी। राजस्व ग्राम धर्मपुरा एवं बंधा की 105.09 हैक्टेयर भूमि पर बनी यह योजना घनी आबादी से दूर है । योजना के तहत पशुपालकों के लिए 738 आवासीय भूखण्डों (35 फीट गुणा 90 फीट के 380 आवास 35 फीट गुणा 70 फीट क का निर्माण किया गया है । पिछले भाग में लगभग 40 वर्गमीटर क्षेत्रफल में 2 कमरे, रसोईघर, शौचालय, स्नानघर बरामदा एवं चारास्टोर की सुविधा से युक्त आवास का निर्माण किया गया है पशुओं के लिए शेड का निर्माण किया गया है। जिसमें भूखण्ड के क्षेत्रफल के अनुसार 18 से 20 या 26 से 28 पशुओं के पालने की क्षमता होगी। योजना में आवासीय भूखण्डों के अतिरिका डेयरी उद्योग, भूसे गोदाम, खलचूरी गोदाम के साथ सामान्य व्यावसायिक क्षेत्र भी बनाये गए हैं।

योजना में विद्यालय भवन, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पशु चिकित्सालय, सामुदायिक भवन, सोसायटी कार्यालय, पुलिस चौकी जीएसएस, पानी की टंकियां, सीवर लाइन, पार्क, नाली, सड़कें, एसटीपी, पशुमेला मैदान, दुग्ध मण्डी एवं रंगमंच आदि का भी निर्माण किया किया गया है। यहाँ लगभग 15000 पशुओं से प्राप्त गोबर के निस्तारण हेतु न्यास द्वारा बायोगैस संयंत्र की स्थापना की जा रही है जिसका कार्य जल्द हो जाएगा। बायोगैस संयंत्र से गोबर की दुर्गंध से मुक्ति मिलेगी तथा पशुपालकों को बायोगैस संयंत्र को गोबर के विक्रय से अतिरिक्त आमदनी भी प्राप्त होगी। बायोगैस संयंत्र से गोबर के निस्तारण के साथ-साथ खाद एवं बायोगैस का भी उत्पादन भी होगा। पशुपालकों की आर्थिक स्थिति को दृष्टिगत रखते सामाजिक सरोकार निभाते हुए इस योजना को लाया गया है।

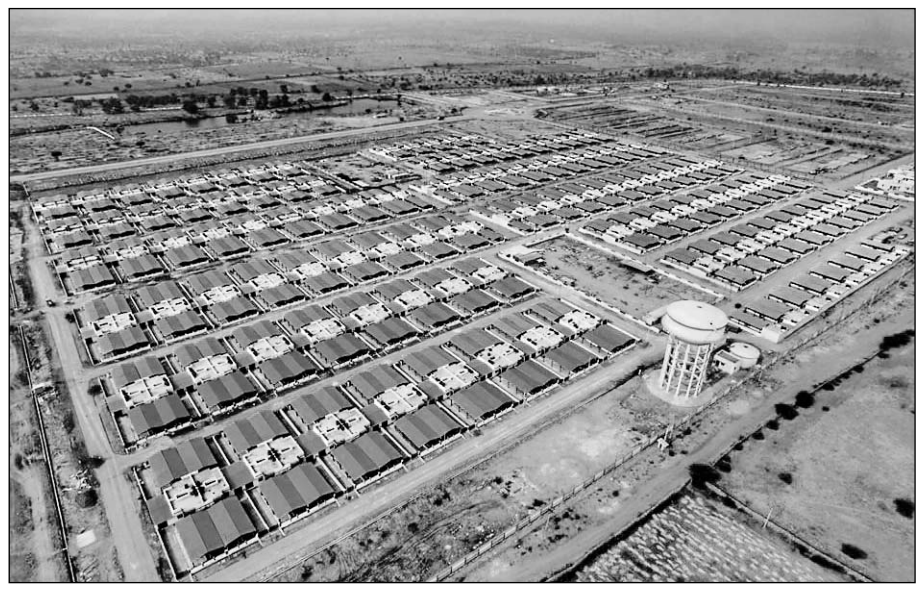

कोटा में पशुपालकों के लिए प्रदेश का पहला हाईटेक कस्बा तैयार हो रहा है।

- **जल्द मिलेने जा रही है देवनारायण आवासीय योजना की सौगात निर्माण कार्य अंतिम दौर में**

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 13 संख्याः 207 प्रभात चूरू, गुरुवार 25 नवम्बर, 2021 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

कर्लू पक्षी को विलुप्ति से बचाने का एक नया प्रयास शुरू हुआ है वेल्स में। इस जलपक्षी का वेल्स के लोकसाहित्य तथा संस्कृति में स्थान बहुत महत्वपूर्ण व दिल के करीब है। इस पक्षी की ''कॉल'' को बसंत के आगमन का सूचक माना जाता है। तथापि, इन वेडिंग बड्र्स की संख्या घटकर इतनी कम हो गई है कि, इनको विलुप्ति से बचाने के लिए एक बहुत बड़ी योजना बनाई गई है, जिसमें कई संरक्षण समूह, कृषि समुदाय तथा वैल्श सरकार शामिल है। देश में इस समय अनुमानतः 400 प्रजनन करने वाले जोड़े ही बचे हैं। इतना ही नहीं, माना जा रहा है कि यह संख्या भी छः प्रतिशत प्रति वर्ष की रफ्तार से घट रही है। इसका भी वही चिरपरिचित कारण है, आवास का विनाश। इसके अलावा लोमड़ी व कौओं द्वारा इनके चूजों का भक्षण भी एक बड़ा खतरा है। इनके संरक्षण के लिए बनाई गई दस वर्षीय योजना के तहत, उन स्थानों को चिन्हित किया जाएगा जहाँ कर्लू सरवाइव करते हैं तथा लक्ष्य बनाकर संरक्षण के तरीके शुरू किए जाएंगे, जैसे, घास व अजोत भूमि का अधिक प्रभावी प्रबंधन। नैशनल रिसोर्सेज़ वेल्स संगठन की चीफ एग्ज़िक्यूटिव, क्लैर पिलमैन ने कहा, ''जब मैं बच्ची थी तब हमारे परिवार के फार्म पर ये पक्षी नियमित रूप से आते थे। हमने इन पर कभी ज्यादा ध्यान नहीं दिया। परन्तु बसंत के अग्रदूत इन पक्षियों की संख्या में भारी गिरावट आई है। वेल्स की पक्षी संरक्षण प्राथमिकताओं में ये पक्षी सबसे ऊपर हैं।''

राजस्थान हाऊस में डोटासरा व पायलट की एक घंटे लम्बी मुलाकात हुई

मुलाकात में पी.सी.सी. में होने वाली तब्दीलियों व अन्य राजनीतिक नियुक्तियों पर चर्चा हुई

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 नवम्बर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा और सचिन पायलट ने प्रदेश कांग्रेस और अन्य लम्बित राजनीतिक नियुक्तियों में बदलावों पर विचार-विमर्श करने के लिए दिल्ली स्थित राजस्थान हाउस में करीब एक लम्बी मीटिंग की।

डोटासरा ने कल सोनिया गांधी और के.सी. वेणुगोपाल से भेंट की थी और आज सुबह उन्होंने राजस्थान के ए.आई.सी.सी. प्रभारी महासचिव अजय माकन से मुलाकात की।

शाम को सचिन पायलट से मुलाकात करने के बाद डोटासरा जयपुर के लिए रवाना हो गए।

मंत्रिमंडल फेरबदल के बाद राजनीतिक नियुक्तियों के अगले चरण के अगले दिन या शीघ्र ही शुरु होने की उम्मीद है।

- **राजनीतिक नियुक्तियों का अगला चरण अगले एक-दो दिन में शुरू हो जाएगा तथा 39 जिलाध्यक्षों की सूची में से 14-15 अध्यक्षों के नाम घोषित हो जायेंगे।**
- **इन नामों पर आम सहमति व रजामंदी हो गयी है। अतः बाकी जिला अध्यक्षों की सूची, और विचार विमर्श के बाद, सहमति बनने के बाद जारी की जायेगी।**
- **डोटासरा को यह जिम्मेवारी सौंपी गयी है कि, सरकार दिसम्बर में तीन साल पूरे करने जा रही है। अतः अब आराम से बैठकर संगठन में रिक्त स्थानों की पूर्ति को पैंडिंग नहीं छोड़ सकता। उदाहरण के लिये, तीन उपाध्यक्षों को कैबिनेट मंत्री बनाया जा चुका है, अतः रिक्त हुए स्थान शीघ्र ही भरे जाने चाहिये।**

सूत्र बताते है कि पायलट और डोटासरा ने शीघ्र ही शुरु किए जा रहे संगठनात्मक बदलावों, 39 जिला अध्यक्षों की नियुक्तियों और प्रदेश कांग्रेस में होने वाले बदलावों को लेकर विचार-विमर्श किया।

समझा जाता है कि करीब 14 से 15 जिला अध्यक्षों की लिस्ट अगले एक-दो दिन में जारी कर दी जाएगी। ये वे सीटें हैं जिन पर समझौता और सर्वानुमति है। शेष सीटों की घोषणा अगले विचार-विमर्श और नामों पर सर्वानुमति बनने के बाद की जाएगी।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तीन उपाध्यक्ष कैबिनेट मंत्री बन चुके हैं। उनके रिक्त पद भी भरे जाने हैं।

एक सीनियर नेता ने बताया कि डोटासरा का कहना है। सरकार दिसम्बर में अपने कार्यकाल के तीन साल पूर्ण कर रही है और अगले विधानसभा चुनाव की तैयारी के लिए सिर्फ दो ही वर्ष बचे हैं। अतः सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठकर रिक्त पदों को लम्बित नहीं रख सकती। उन्होंने कहा कि सभी रिक्त पदों और राजनीतिकि नियुक्तियों की घोषणा बिना किसी विलम्ब के शीघ्र ही की जाएगी। समाज के सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व देने के लिए एक संतुलन स्थापित किया जा रहा है, जो डोटासरा की शीर्ष प्राथमिकता होगी।

मुसलमानों को लुभाने के प्रयास में भाजपा ने एस.पी., बी.एस.पी. व कांग्रेस को पीछे छोड़ा

पसमन्दा मुसलमानों के लिये ''हुनर हाट'' आयोजित किये गये हैं, गोरखपुर, बनारस आदि शहरों में

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 नवम्बर। स्वीकृत राजनैतिक मान्यताओं के बीच एक दृढ़ विचार यह है कि भाजपा का मुस्लिम वोट बैंक से केवल इतना ही सरोकार है कि वह इनके जरिये बहुसंख्यक हिन्दुओं में पार्टी के पक्के जनाधार को एकजुट करती है।

चुनावाधीन उत्तर प्रदेश में घटित हो रही गतिविधियाँ इसका संकेत हैं। समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, कांग्रेस या ए.आई.एम.आई.एम. के नेताओं से उलट भाजपा के प्रचार-प्रबंधक पूरी शिद्दत एवं सोच के साथ ''पसमंदा मुस्लिमों तक पहुँचे हैं। विभिन्न स्थानों, जिनमें गोरखपुर तथा वाराणसी भी शामिल हैं, पर पसमंदा मुसलमानों के लिये ''हुनर हाट'' तथा दस्तकार-शिविर तथा ऐसे ही अन्य शिविर लगाये गये हैं, जहाँ शिल्पकारों तथा कारीगरों को 1500 रु. की

- **इन कारीगरों को पन्द्रह सौ रूपये की आर्थिक मदद प्रदान की गई है इन हाटों में।**
- **चार पसमन्दा मुसलमानों को राज्य के कुछ बोर्ड व कॉरपोरेशन में मनोनीत भी किया गया है।**
- **2005 में जद (यू) नेता अली अनवर अंसारी ने लालू की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल का साथ छोड़ कर नीतीश के जद (यू) को समर्थन दिया, जिससे लालू की पार्टी चुनाव हार गयी थी, क्योंकि उनके मुस्लिम-यादव कॉम्बिनेशन में भी दरारें आ गयी थीं, जो अभी तक पूरी तरह से भरी नहीं जा सकी हैं।**

वित्तीय सहायता दी जा रही है। भाजपा की योजना है कि इसी प्रकार के आयोजन राज्य के सभी जिलों में किये जायेंगे।

हाल ही के महीनों में कम से कम चार पसमंदा मुस्लिम इस दिशा में विचार-विमर्श करने की दृष्टि से मनोनीत किये गये हैं। ये हैं- डॉ. इफ्तिख़ार अहमद जावेद को मदरसा बोर्ड का चेयरमैन, अशरफ सैफी को राज्य अल्पसंख्यक आयोग का चेयरमैन, अतीफ राशिद को राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग का चेयरमैन बनाया गया है। पिछले कुछ सप्ताहों में, शाहनवाज़ हुसैन तथा देवेन्द्र प्रधान सहित तीन शीर्ष वरिष्ठ भाजपा नेता पार्टी के लिये उनका समर्थन माँगने के लिये पसमंदाओं के बीच पहुँच रहे हैं तथा इस वास्ते वे ग्रामीण उत्तर प्रदेश के गली-मौहल्लों, सड़कों और पगडंड़ियों की धूल फाँक रहे हैं।

1998, जब जनता दल (यूनाइटेड) के पूर्व नेता अली अनवर अंसारी ने ''ऑल इंडिया पसमंदा मुस्लिम मरकज़'' की लॉन्चिंग की थी, से पहले ''पसमंदा'' शब्द अस्तित्व में नहीं था।

2005 के बिहार विधानसभा चुनावों में जब पसमंदा मुसलमानों के कुछ वर्ग राष्ट्रीय जनता दल से अलग होकर नीतीश कुमार के जे.डी. (यू.) के समर्थन में आ गये थे, तो लालू प्रसाद न केवल चुनाव हार गये थे, बल्कि उनके जाने-माने मुस्लिम-यादव (एम.वाई.) जनाधार में ऐसी दरारें पड़ गई थीं, जो आज तक नहीं भर पाई हैं। भाजपा बिहार पसमांदा मॉडल को उत्तर प्रदेश में दोहराना चाहती है।

कृषि कानून फेल क्यों हुए?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 नवम्बर। तीन विवादास्पद कृषि कानूनों को रद्द किए

- **जाने-माने एक्टिविस्ट वरूण मित्रा के अनुसार, क्योंकि ''कृषि सुधार'' कार्यक्रम लागू करते समय संसदीय प्रणाली की पूरी अवहेलना की गयी, अतः दादागिरी का रास्ता अपनाने से पूरी नीति ही फेल हो गयी है, क्योंकि जितना महत्वपूर्ण सुधार कार्यक्रम है, उतना ही महत्व उसके क्रियान्वयन के लिये अपनायी गयी प्रणाली का भी है।**

जाने पर बरूण मित्रा कहते हैं कि अपेक्षित परिणाम के बजाए, अपनाए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी ममता बनर्जी से मिले, उनकी प्रशंसा के कसीदे गाये

सुब्रमण्यम स्वामी ने कहा, वे ममता बनर्जी को जे.पी., मोरारजी देसाई, राजीव गांधी, चन्द्रशेखर और पी.वी. नरसिम्हा राव की श्रेणी में आंकते हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 नवम्बर। कभी इस पार्टी में तो कभी उस पार्टी में जाने के लिए मशहूर भाजपा सांसद डॉ. सुब्रमन्यम स्वामी 82 वर्ष की उम्र में भी अपनी राजनैतिक हरकतों से बाज़ नहीं आ रहे हैं।

बुधवार को अपरान्ह 3.30 बजे, उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री तथा तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के साथ, उनके सांसद भतीजे अभिषेक बनर्जी के सरकारी निवास पर, मीटिंग करके भाजपा में सनसनी फैला दी।

कोई नहीं जानता है कि डॉ. स्वामी की ममता के साथ हुई मीटिंग तथा एक दिन पहले पश्चिम बंगाल के राज्यपाल धनकड़ के साथ हुई मीटिंग का परिणाम क्या होगा, लेकिन हर व्यक्ति को यह लगा जरुर रहा है कि वे प्रधानमंत्री मोदी के लिये संकट पैदा कर सकते हैं क्योंकि मोदी ने उनको दरकिनार कर रखा है तथा उन्हें भाजपा की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी तक से हटा दिया है।

उनकी आगे की संभावनाओं को लेकर अटकलें और अनुमान जरुर लगाये जा रहे हैं क्योंकि यही डॉ. स्वामी थे, जिन्होंने स्वर्गीय जयललिता की सोनिया गांधी के साथ मीटिंग कराके, वाजपेयी सरकार गिरा दी थी।

- **डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी का राज्यसभा में कार्यकाल 2022 में समाप्त हो रहा है तथा उनके ममता समर्थक के नये अवतार का कारण क्या एक बार और राज्यसभा का सदस्य बनने की इच्छा से प्रेरित है?**
- **पर, भाजपा फिर भी आशंकित है, उनके इस आचरण से, क्योंकि उन्होंने जयललिता व सोनिया गांधी की मुलाकात कराकर वाजपेयी सरकार को गिराने का इंतजाम करवाया था।**
- **यहां यह भी उल्लेखनीय है कि, ममता बनर्जी से मिलने से एक दिन पहले उन्होंने राज्यपाल धनखड़ से भी मुलाकात की थी।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चालीस लाख रूपए का हर्जाना

जयपुर, 24 नवंबर। राज्य उपभोक्ता आयोग ने इलाज में लापरवाही के कारण हुई एक महिला की मौत के मामले में अलवर के विजय हॉस्पिटल और डॉ. विजयपाल सिंह पर 40 लाख 42 हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। इसके साथ ही आयोग ने परिवाद व्यय के तौर पर 25 हजार रुपए अतिरिक्त अदा करने के आदेश देते हुए परिवाद दायर करने की तिथि से हर्जाना राशि पर नौ फीसदी ब्याज भी देने को कहा है। यह आदेश विक्रम सिंह व अन्य के परिवाद पर दिया गया।

परिवाद में विक्रम सिंह ने कहा कि उसकी पत्नी कुसुम

- **राज्य उपभोक्ता आयोग ने यह हर्जाना अलवर के विजय हॉस्पिटल व डॉ. विजयपाल सिंह पर ठोका, इलाज में लापरवाही बरतने के मसले पर।**

के पेट में दर्द होने पर 7 सितंबर 2015 को डॉ. विजयपाल को दिखाया था और चिकित्सक ने पेट में पथरी बताते हुए ऑपरेशन की बात कही थी।

सर्जन चिकित्सक ने मरीज को भूखे पेट स्वयं ही एनेस्थीसिया दे दिया, जबकि वह एनेस्थीसिया विशेषज्ञ नहीं था। वहीं भूखे पेट रहने के चलते मरीज की हालत बिगड़ गई। इसके अलावा अस्पताल में आईसीयू की सुविधा भी नहीं थी, जिसके चलते अंतिम क्षणों में मरीज को दूसरे अस्पताल भेजा गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। परिवाद में कहा गया कि चिकित्सक की लापरवाही के चलते मरीज की मौत हुई है।

क्या मंत्री का दर्जा दिए बिना भी मुख्यमंत्री के सलाहकारों का पद लाभ का माना जा सकता है?

क्या इसी कारण संसदीय सचिवों की नियुक्ति को अटका कर रखा गया है!

जयपुर, 24 नवम्बर (का.प्र.)। राजस्थान में मंत्रिमंडल में पुनर्गठन के बाद 6 विधायकों को सलाहकार नियुक्त करने का मामला भाजपा द्वारा राज्यपाल के समक्ष उठाए जाने और इस पर राज्यपाल की के सरकार से जवाब मांगने के बाद संसदीय सचिव के मनोनयन का मामला अटक सकता है। कारण यह है कि भाजपा ने इस मामले को पोस्ट ऑफ प्रॉफिट बताते हुए नियुक्तियों को असंवैधानिक बताया है और कहा है कि इसे कोर्ट में चुनौती दी जाएगी।

दरअसल राजस्थान से पहले पंजाब में भी कैप्टन अमरिंदर सिंह ने मुख्यमंत्री रहते हुए विधायकों को सलाहकार नियुक्त किया था। और साथ ही कैबिनेट मंत्री का दर्जा भी दिया था। इस कारण से इसे लाभ के पद मानते हुए विपक्षी दलों ने आपत्ति की थी कि ऐसा करने से संवैधानिक अधिकारों का हनन हुआ है, क्योंकि संसद में पारित कानून के अनुरूप 15 प्रतिशत विधायक ही मंत्री पद का दर्जा पा सकते हैं। हालांकि राजस्थान में अभी तक 6 सलाहकारों को कैबिनेट या राज्य मंत्री का दर्जा नहीं दिया गया है। इसलिए राज्य सरकार यह कहकर इस मामले से अलग हो सकती है कि सिर्फ सलाहकार नियुक्त किए गए

- **इसलिए ही अभी तक सलाहकारों को किसी तरह का दर्जा नहीं दिया गया है?**

हैं,इन्हें किसी तरह का दर्जा नहीं दिया है और इसलिए ऐसे में यह लाभ के पद नहीं माने जा सकते हैं।

भाजपा की ओर से सलाहकारों की नियुक्ति पर विरोध जताने के बाद में संसदीय सचिवों को लेकर देखना होगा कि कांग्रेस सरकार क्या रुख अपनाती है ,क्योंकि दिल्ली में केजरीवाल सरकार द्वारा अतिरिक्त संख्या में संसदीय सचिवों की नियुक्ति का मामला न्यायालय में गया था और सभी विधायकों की सदस्यता रद्द कर गई थी।

अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि आने वाले दिनों में सरकार मुख्यमंत्री के सलाहकार बनाए गए 6 विधायकों और संसदीय सचिवों को लेकर क्या रुख अपनाती है। वही इस विरोध के बीच सलाहकार विधायकों के साथ में मुख्यमंत्री गुरुवार को बैठक करने वाले हैं।

उल्लेखनीय है कि उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ के पत्र में संविधान के अनुच्छेद 164 (1), अनुच्छेद 191 (1) और अनुच्छेद 246 का उदाहरण देते हुए मुख्यमंत्री सलाहकार या संसदीय सचिवों की नियुक्ति को असंवैधानिक बताया गया था। साथ ही यह तक कहा था कि यदि जरूरत पड़ी तो भाजपा इस मामले में कोर्ट की शरण तक ले सकती है। फिलहाल, राठौड़ का पत्र राजभवन पहुंचने के बाद राजभवन के स्तर पर इस मामले में मुख्य सचिव से जानकारी मांगी गई है।

उल्लेखनीय है कि विधायक डॉ. जितेंद्र सिंह, बाबूलाल नागर, राजकुमार शर्मा, संयम लोढ़ा, रामकेश मीणा और दानिश अबरार को रविवार को मुख्यमंत्री के सलाहकार के रूप में नियुक्ति दी गई थी।

संसद के लिये रणनीति

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 नवम्बर। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अगले सप्ताह सोमवार से शुरु हो रहे संसद सत्र के लिए रणनीति बनाने को लेकर यहां गुरुवार को एक मीटिंग बुलाई है।

हाल ही अपनी विदेश यात्रा से लौटे पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, सदन में पार्टी के विपक्ष एवं पटल के नेता उन

- **सोनिया गांधी ने गुरूवार को राहुल गांधी, कांग्रेस की ओर से नियुक्त विपक्ष के नेताओं की बैठक आहूत की, कांग्रेस का रूख तय करने के लिये, विशेषकर प्र.मंत्री द्वारा एक राष्ट्रीय पैनल गठित करने के प्रस्ताव पर, जो कृषि नीति में सुधार लाने पर सुझाव देगा।**

मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे, जिन पर पार्टी को 23 दिसम्बर तक चलने वाले संसद सत्र के दौरान ध्यान केन्द्रित करना है।

पार्टी को यह निर्णय करना है कि प्रधानमंत्री द्वारा कृषि सुधारों पर गौर करने के लिए एक पैनल गठित करने का प्रस्ताव गत शुक्रवार को राष्ट्रीय प्रसारण में दिए जाने पर किस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बीए-बीएसटीसी विवाद: हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी, फैसला आज

करीब नौ लाख युवाओं से जुड़े इस महत्वपूर्ण मामले में सभी को फैसले का इंतजार है

जोधपुर, (कासं.)। राजस्थान हाईकोर्ट में शिक्षक भर्ती पात्रता परीक्षा रीट के लेवल-1 में बीएड-बीएसटीसी को लेकर उपजे विवाद से जुड़े मामले की अहम सुनवाई बुधवार को पूरी हो गई है। इस पर फैसला अब गुरुवार को आएगा। हाईकोर्ट में आज इस मामले को लेकर मुख्य न्यायाधीश अकील कुरैशी और न्यायाधीश सुदेश बंसल की खंडपीठ में सुनवाई हुई। पिछले दो दिनों से समय अभाव के कारण अधूरी रही सुनवाई को आज पूरा कर लिया गया।

करीब नौ लाख युवाओं से जुड़े इस महत्वपूर्ण मामले पर फैसले का अब सभी को इंतजार है। बता दें कि इस विवाद के चलते लेवल-1 का नतीजा अभी तक घोषित नहीं किया जा सका है। हाईकोर्ट ने 26 सितम्बर को आयोजित रीट परीक्षा से चंद दिन पूर्व लेवल-1 परीक्षा में बीएड डिग्रीधारकों को सशर्त परीक्षा में बैठने की अनुमति प्रदान की थी। साथ ही कहा था कि उनका रिजल्ट याचिका के निपटारे के अधीन रहेगा। यानी हाईकोर्ट के आदेश के बगैर ऐसे अभ्यर्थियों का रिजल्ट घोषित नहीं किया जा सकेगा।

लेवल-2 का रिजल्ट घोषित किया जा चुका है। बुधवार को लगातार तीसरे दिन इस मामले को लेकर मुख्य न्यायाधीश अकील कुरैशी और न्यायाधीश सुदेश बंसल की खंडपीठ में मामले की सुनवाई हुई। इसको लेकर दायर याचिकाओं में बीएसटीसी अभ्यर्थियों की तरफ से लेवल-1 से बीएड डिग्रीधारकों को बाहर रखने का आग्रह किया गया। साथ ही एनसीटीई को नोटिफिकेशन को भी चुनौती दी हुई है। यह नोटिफिकेशन ने बीएड धारकों को लेवल-1 में शामिल करने का प्रावधान करता है। वहीं बीएड डिग्रीधारकों की तरफ से कहा जा रहा है कि लेवल-1 शिक्षक भर्ती के वे भी समान पात्र है।

वर्ष 2018 में एनसीटीई ने अपने विशेष सर्कुलर के मार्फत बीएड उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को भी प्रारम्भिक शिक्षा में कक्षा एक से पांच तक बीएसटीसी पास अभ्यर्थियों के समान ही अध्यापक बनने के योग्य करार दिया है, लेकिन राजस्थान सरकार ने इस सर्कुलर के विपरीत केवल बीएसटीसी पास अभ्यर्थियों को ही रीट परीक्षा लेवल एक में बैठने की अनुमति दी थी। इसके खिलाफ मामला हाईकोर्ट में लंबित है।

उलटफेर की तैयारी, सरकारी स्कूल्स में स्टूडेंट्स की संख्या के आधार पर होंगे टीचर्स

प्राइमरी व अपर प्राइमरी स्कूल्स में जहां अधिक शिक्षक हैं उन्हें हटाया जाएगा

बीकानेर, (कासं)। शिक्षा विभाग में एक बार फिर बड़े फेरबदल की तैयारी हो रही है। राज्य के जिन प्राइमरी व अपर प्राइमरी स्कूल्स में बच्चों की संख्या कम है और टीचर्स जरूरत से अधिक हैं, उन्हें हटाया जाएगा। प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय ने स्टाफिंग पैटर्न और समानीकरण के लिए आज से प्रोसेस शुरू कर दिया है। पहले स्कूल्स के स्टूडेंट्स और टीचर्स की संख्या ली जा रही है। विभाग की साइट पर ये डाटा अपलोड करने होंगे कि स्कूल में कितने स्टूडेंट्स है और कितने टीचर्स हैं। इसके बाद आठ से ग्यारह दिसम्बर तक जरूरत से अधिक टीचर्स को अन्यत्र स्कूल में भेजा जाएगा।

स्कूल में स्टूडेंट्स एडमिशन का आंकड़ा विभाग की साइट शाला दर्पण पर ऑनलाइन अपडेट करना होगा। इसके बाद एनआईसी की ओर से स्टाफिंग पैटर्न को शाला दर्पण पोर्टल पर लाइव किया जाएगा। इसमें बताया जाएगा कि कितने स्टूडेंट्स पर कितने टीचर्स स्कूल में रहेंगे। जिले के मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एक दिसम्बर तक हर स्कूल का डाटा चैक करेंगे और बाद में इसे लॉक करेंगे।

विभाग उन टीचर्स की लिस्ट जारी करेगा, जो स्कूल में छात्र संख्या के मुकाबले ज्यादा हैं। ऐसे टीचर्स की बकायदा लिस्ट जारी होगी। इन टीचर्स को सीधे इधर-उधर भेजने के बजाय काउंसलिंग के माध्यम से अन्य स्कूलों में भेजा जाएगा। काउंसलिंग के लिए भी टीचर्स को इधर-उधर नहीं जाना बल्कि ऑनलाइन काउंसलिंग की जाएगी। शिक्षा विभाग ने बीकानेर के संयुक्त निदेशक की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन कर दिया है जो राज्यभर में हो रहे समानीकरण पर नजर रखेगी। इस कमेटी में शाला दर्पण प्रकोष्ठ के उप निदेशक, , बीकानेर के मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, निदेशालय के प्रारम्भिक शिक्षा के मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, शाला दर्पण के अनुभाग अधिकारी को शामिल किया गया है। इसके अलावा शैक्षिक अनुभाग, बजट अनुभाग और संस्थापन अनुभाग के अधिकारी को भी शामिल किया गया है। शिक्षा विभाग को इस बार शहरी स्कूल्स में पद बढ़ाने भी पड़ सकते हैं। दरअसल, कोरोना के कारण सरकारी स्कूल्स में बड़ी संख्या में बच्चों की संख्या बढ़ गई है। ऐसे में इन स्कूल्स में टीचर्स भी बढ़ाने पड़ सकते हैं। खासकर महात्मा गांधी स्कूल्स में बच्चों की संख्या में जबर्दस्त बढ़ोतरी हुई है। वहीं हिन्दी माध्यम के स्कूल में भी स्टूडेंटस बढ़ गए हैं।

- आठ से ग्यारह दिसम्बर तक टीचर्स को अन्यत्र स्कूल में भेजा जाएगा
- शिक्षा विभाग ने संयुक्त निदेशक की अध्यक्षता में की कमेटी गठित

रीट मामले में 1888 पेज की एसओजी ने चार्जशीट की पेश

रीट नकल प्रकरण की चार्ज शीट पर हस्ताक्षर करते कार्यवाहक थानाधिकारी शिवचरण शर्मा।

गंगापुर सिटी, (नि.स)। रीट नकल प्रकरण में गंगापुर सिटी कोतवाली थाने में दर्ज हुए प्रकरण में एसओजी ने 27 आरोपियों को गिरफ्तार कर 24 नबंबर को 26 आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया। जिसमें 1888 पेज की चार्जशीट थी जो जिले की अब तक की सबसे बडी चार्जशीट हैं। वहीं एक नाबालिग आरोपी को बाल न्यायालय में पेश किया। एसओजी के एएसपी सतबीर सिंह यह चार्जशीट लेकर गंगापुर सिटी कोतवाली पहुंचे और कोतवाली के कार्यवाहक थानाधिकारी शिवचरण शर्मा के साथ न्यायालय पहुंचकर यह चार्जशीट पेश की। शर्मा ने बताया की चार्जशीट के प्रत्येक पेज पर हस्ताक्षर करने में हीं दो पेन की स्याहीं खत्म हो गई। आरोपियों पर एसओजी की ओर से अनुसंधान जारी हैं। एसओजी के एएसपी सतबीर सिंह ने एसीजीएम कोर्ट में यह चार्जशीट पेश की थी। चार्जशीट को लेकर गंगापुर सिटी में दिनभर चर्चा रहीं।

सड़क दुर्घटना में तीन युवाओं की मौत

पिण्डवाड़ा, (निसं)। समीपवर्ती ग्राम नया सानवाड़ा के फोरलेन सड़क मार्ग पर अलसुबह निजि बस व पिकप की ओवरटेक की चक्कर में भीषण सड़क दुर्घटना घटित हो गई। जिसमें एक युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई, तो दो युवाओं की उपचार के दौरान मौत हो गई।

पुलिस थाना हैड कॉनिस्टेबल हरीदास वैश्णव के अनुसार सिरोही से पिण्डवाडा की तरफ बस व पिकप आ रहे थे कि नया सानवाडा फोरलेन सड़क पर ओवरटेक के चक्कर में पिकप पटल गई। जिसमें पिकअप में सवार जोराराम पुत्र हटाजी मेघवाल (25) निवासी सुराणा-जिला जालोर की मौके पर ही मौत हो गई। वही दिनेश कुमार पुत्र पद्मााराम मेघवाल (28) निवासी सुराणा व प्रवीण पुत्र चन्द्रपाल (20) दरियापुर प्रदेष हरियाणा गंभीर रूप से घायल हो गई। दोनों घायलों को एम्बलेंस के जरीये सिरोही रैफर किया गया। लेकिन दिनेश कुमार से सिरोही में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। वही प्रवीण ने जोधपुर में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। वही इससे पूर्व घटना घटित होने पर ग्रामीणों की भारी भीड जमा हो गई।

बारां एसीबी ने घूसखोर थानाधिकारी व कांस्टेबल को दबोचा

सात हजार की रिश्वत लेते महिला थाने का कांस्टेबल व थानाधिकारी गिरफ्तार

बूंदी, (निसं)। सवाई सिंह गोदारा उप महानिरीक्षक पुलिस प्रथम भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जयपुर व ठाकुर चन्द्र शील कुमार पुलिस अधीक्षक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो कोटा रेंज कोटा के निर्देशन में बारां एसीबी ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए बूंदी महिला थाने के कांस्टेबल सुरेश जाट व महिला थाना अधिकारी अंजना नोगिया को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो बारां गोपाल सिंह कानावत ने बताया कि परिवादी ने 18 नवम्बर को एसीबी चौकी बारां पर लिखित शिकायत पेश की थी कि परिवादी की पत्नी बून्दी में रहती है। परिवादी का उसकी की पत्नी से विवाद चल रहा है। परिवादी की पत्नी ने उसके के खिलाफ महिला थाना बून्दी में रिपोर्ट कर रखी है। महिला थाना बून्दी से परिवादी को थाने पर बुलाया गया जहां परिवादी से उसके खिलाफ रिपोर्ट में राजीनामा लिखवाने व मामले को रफा दफा करने के लिये थानाधिकारी महिला थाना बून्दी अन्जना नोगिया व

थानाधिकारी अंजना नोगिया।

एसीबी टीम की गिरफ्त में घूसखोर कांस्टेबल सुरेश जाट।

कांस्टेबल सुरेश जाट द्वारा 10 हजार रुपये रिश्वत की मांग की गई। जिस पर 19 नवम्बर को शिकायत का गोपनीय सत्यापन करवाया गया।

सत्यापन के दौरान महिला थाना बून्दी पर पदस्थापित कांस्टेबल सुरेश जाट द्वारा परिवादी से उसकी रिपार्ट पर राजीनामा करवाने के लिये थानाधिकारी महिला थाना के नाम से दस हजार रूपये रिश्वत की मांग की गई। बुधवार को ट्रेप कार्रवाई का आयोजन किया गया। ट्रेप कार्रवाई के दौरान आरोपी कांस्टेबल सुरेश जाट को कार्रवाईकी भनक लगने पर कांस्टेबल ने परिवादी से प्राप्त रिश्वत की राशि को एसीबी टीम को देखकर थाने की छत पर जाकर बिल्डिंग के पीछे फैंक दिया। रिश्वत राशि गवाहान की उपस्थित में महिला थाना बून्दी की बिल्डिंग के पीछे से बरामद की गई। महिला थानाधिकारी अंजना नोगिया को पूछताछ के लिये गिरफ्तार कर लिया। खबर लिखे जाने तक ट्रेप की कार्रवाई जारी थी।

हरियाणा में झुंझुनूं की 40 गाड़ियों को एक साथ पकड़ा

अवैध रूप से राजस्थान से हरियाणा वनों से हरी लकड़ी काटकर ले जा रहे थे

सूरजगढ़, (निसं)। प्रदेश का वन विभाग किस लापरवाही से काम कर रहा है। इसका उदाहरण भी बुधवार को ही सामने आ गया। जब हरियाणा में सीएम फ्लाइंग ने राजस्थान की करीब 40 गाड़ियों को अवैध हरी लकड़ियों के साथ जब्त कर लिया । इनमें पिकअप और ट्रेक्टर ट्रॉली शामिल है। जो अधिकतर राजस्थान के झुंझुनूं जिले की हैं। हरियाणा की सीएम फ्लाईंग टीम के इंसपेक्टर आजादसिंह ने बताया कि उनकी टीम ने अवैध रूप से राजस्थान से लाई जा रही लकड़ियों की गाड़ियों को करीब 40 पिकअप और कुछ ट्रैक्टर जब्त किए गए। मौके पर फॉरेस्ट विभाग के रेंज ऑफिसर को भी बुलाया गया और उन पर जुर्माना लगाने की कार्यवाही की जा रही है।

- अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई

हरियाणा में सीएम फ्लाईंग ने राजस्थान की करीब 40 गाड़ियों को जब्त किया।

उन्होंने बताया कि बार-बार शिकायतें मिली थी कि राजस्थान से हरे पेड़ों को काटकर सिंघानी गांव में लाकर बेचा जा रहा है। उस पर यह कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई में ड्यूटी मजिस्ट्रेट भी नियुक्त किया गया था। हम आपको बता दें कि सिंघानी गांव राजस्थान सीमा के नजदीक है और यहां पर काफी लंबे समय से हरी लकड़ियों का अवैध कारोबार होता है।

राजस्थान से पिकअप गाड़ियों में भरकर हरे पेड़ों को सिंघानी गांव में बेचा जा रहा है और यह पर्यावरण के लिए खतरा है। इसकी सूचना के आधार पर सीएम फ्लाइंग ने छापामारी की तो इसमें करीब 40 गाड़ियों को जब्त किया गया है। अब इन गाड़ियों को सीज कर पर्यावरण कोर्ट का चालान किया जाएगा और सख्ती बरती जाएगी।

सेना का हौसला बढ़ाने जैसलमेर आएंगे अमित शाह और राजनाथ सिंह

जैसलमेर, (नि.सं.)। भारत पाकिस्तान सीमा पर बसा जैसलमेर जिला सेना के दो बड़े आयोजनों का साक्षी बनेगा । सेना का मनोबल बढाने उन आयोजनों में गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शिरकत करेंगे । भारत के दोनों बड़े पदों पर आसीन व्यक्तियों के जैसलमेर यात्रा को लेकर आयोजन स्थलों पर तैयारियां तेज हो गई हैं । दरअसल सेना इन दिनों अरुणाचल प्रदेश से लेकर लद्दाख और कश्मीर से लेकर हिमाचल प्रदेश तक में जमकर सैन्य अभ्यास कर रही है । ये सेना का वार्षिक सैन्य अभ्यास है जिसे एक्सरसाइज विद ट्रूप्स कहा जाता है ।

सेना के इस सबसे बड़े अभियान का जैसलमेर में 26 नवंबर को समापन होगा । सेना के सबसे बड़े युद्धाभ्यास के समापन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जैसलमेर आएंगे तथा सेना का मनोबल बढ़ाएंगे। इस बार एक दिसंबर को बीएसएफ का स्थापना दिवस समारोह इंटरनेशनल बार्डर के जैसलमेर जिले में आयोजित होगा। जैसलमेर में इसके लिए शहर के बीचों बीच बने पूनम स्टेडियम का चयन किया गया है । इस कार्यक्रम में बीएसएफ़ का मनोबल बढ़ाने के लिए गृह मंत्री अमित शाह जैसलमेर आएंगे । गौरतलब है कि सीमा सुरक्षा बल की स्थापना के बाद पहली बार दिल्ली से बाहर जैसलमेर के शहीद पूनम सिंह स्टेडियम में करीब तीन घंटे का कार्यक्रम होगा। इसमें जवान अपने साहसिक कारनामे दिखाएंगे। इस दौरान डॉग शो और राइजिंग परेड होगी । बीएसएफ ने समारोह की तैयारियां प्रारंभ कर दी है । बताया जा रहा है कि इसका आयोजन 1 दिसम्बर को होगा।

चुनाव में तो अभी दो साल है, मैं तो लोगों का दु:ख-दर्द बाटने आई हूं : वसुन्धरा राजे

जयपुर/राजसमंद, (कासं.)। पूर्व सीएम वसुन्धरा राजे ने कहा कि उनका कार्यक्रम चुनाव का आगाज नहीं है।चुनाव में तो अभी दो साल है । मैं तो लोगों का दु:ख-दर्द बाटने आई हूँ। कोविड और बहू के गम्भीर बीमार होने के कारण वे अपनो से नहीं मिल पाई थी । जो लोग हमेशा के लिये जुदा हो गये थे,उन्हें श्रद्धाजलि नहीं दे पाई थी। इसलिए उन्होंने यह कार्यक्रम बनाया । इसको राजनीती से नहीं जोडना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो लोग इस कार्यक्रम को राजनीतिक रूप देना चाह रहे हैं उनको मैं यह बात ज़रूर कहना चाहूँगी कि आने वाला समय भाजपा का ही है। अब राजस्थान में भाजपा का ही परचम फहरेगा । उन्होंने कहा कि देश में फिर से मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनाने को देश की जनता आतुर है। राजे चारभुजा, द्वारकाधीश, एकलिंग जी और नाथद्वारा में बोल रही थी।

वसुंधरा राजे सिंधिया बुधवार को चारभुजानाथ के तथा द्वारीकाधीश के दर्शन कर क्षेत्र व प्रदेश के खुशहाली की कामना की। इससे पहले राजे का हेलिकॉप्टर मोराणा चौराहे के समीप बनाए गए अस्थाई हेलीपैड पर उतरा। जहां कोटा पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल, पूर्व मगरा विकास बॉर्ड अध्यक्ष व यात्रा प्रभारी हरिसिंह रावत, युथ सोशल केयर फाउडेशन संस्थान सचिव निरज राणावत, राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी, भाजपा युवानेता चन्द्रभानसिंह सोलंकी, सरदारगढ सरपंच प्रवीण मेवाडा, बाली विधायक पुष्पेंद्रसिंह राणावत, पूर्व मंत्री ओटाराम देवासी, मारवाड जंक्शन पूर्व विधायक केसाराम चौधरी, पिंडवाडा पूर्व विधायक सोमाराम, पूर्व जिला प्रमुख प्रवेशकुमार सालवी, भाजपा नेता राजेन्द्र मेवाडा, अनोपसिंह, भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष भंवरलाल, जिपस नरेन्द्र बागडी, चारभुजा पूर्व सरपंच नाथूलाल विकास, महिला मोर्चा पाली अध्यक्ष अनुसूया चारण, युवा सोशल केयर फाउंडेशन संस्थान कोषाध्यक्ष राकेश, विजयसिंह, कमल, युवा मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री महेंद्रसिंह शेखावत सहित पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया।

दोनों डोज लगाने के बाद भी खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव

जोधपुर, (कासं) । शहर के मंडोर इलाके में रहने वाला एक खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव मिला है। सबसे बडी बात है कि इस खिलाड़ी को कोविड की दोनों खुराक दी जा चुकी हैं । शहर में इस तरह का यह पहला केस बताया जाता है। खिलाड़ी जोधपुर से बाहर भी जाने वाला था। इससे अब जिला प्रशासन सकते में है। फिलहाल खिलाड़ी युवक बीएसफ अस्पताल में आइसोलेटेड है। जोधपुर में पिछले पन्द्रह दिनों में कोविड का यह चौथा केस है। इससे पहले जैसलमेर से आए दम्पति और रिटायर डॉक्टर पॉजिटिव आए थे । बताया जा रहा है कि महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती दंपती को छुट्टी शीघ्र दी जाएगी।

जानकारी के अनुसार बीएसफ मंडोर रोड निवासी 27 वर्षीय एक खिलाड़ी युवक को दोनों वैक्सीन लग चुकी है। दो दिन पहले पॉजिटिव आए रिटायर डॉक्टर को भी दोनों वैक्सीन लगी थी। इसके चलते कोरोना के गंभीर लक्षण नहीं दिखे। इधर जैसलमेर से आए दम्पती में महिला को वैक्सीन नहीं लगी होने के कारण उसे ऑक्सीजन पर रखा गया था लेकिन अब हालात में सुधार है। एमजीएच अधीक्षक राजश्री बेहरा ने बताया कि वर्तमान में अस्पताल में दो मरीज ही भर्ती हैं।

घोड़े हीरा की देखभाल पर हर माह खर्च हो रहे डेढ़ लाख रुपये

श्रीगंगानगर, (निसं)। ढाई करोड़ के घोड़े हीरा की डाइट पर हर महीने डेढ लाख रू का खर्च आता है । यह घोड़ा एक बार में 50 लीटर दूध पी जाता है। श्रीगंगानगर में इन दिनों चल रहे घोड़े के मेले में सबसे ज्यादा चर्चा हीरा की है। ये घोड़ा पदमपुर के इकबाल सिंह का है। इकबाल सिंह पिछले 9 साल से इसकी देखरेख कर रहे हैं। इकबाल सिंह का दावा है कि मेले में आए सभी घोड़ों में हीरा की ऊंचाई सबसे ज्यादा है। आमतौर पर घोड़े की ऊंचाई 160 सेंटीमीटर होती है, जबकि इसकी ऊंचाई 170 सेमी के करीब है। हर महीने हीरा के खान-पान और देखभाल पर डेढ़ लाख रुपए का खर्च आता है। उसे घी पिलाया जाता है और हफ्ते में दो बार दूध पिलाया जाता है।

इकबाल सिंह बताते हैं कि हीरा मारवाड़ी नस्ल का है। इसके पैर मजबूत हैं। डाइट में इसे चना, जौ, दूध, मूंगफली का नीरा दिया जाता है। गर्मी में सरसों और सर्दी में तिल का तेल देते हैं। इससे इसका डाइजेशन अच्छा रहता है। आंतें चिकनी रहती है और घोड़े की स्किन पर चमक आती है। इकबाल घोड़े के शौकीन हैं। वे कॉटन फैक्ट्री के मालिक हैं और खेती भी करते हैं। नौ साल पहले उन्होंने हीरा को पाला था। साढ़े तीन साल की उम्र से उसकी डाइट का ध्यान रखा जा रहा है। इसकी कद-काठी देखकर राजस्थान और यूपी के घोड़ों के शौकीन ढाई करोड़ रुपए ऑफर कर चुके हैं। इस घोड़े के अब तक 200 से ज्यादा बच्चे हो चुके हैं। इस ब्रीड की डिमांड खूब है। इसके बच्चे भी ज्यादा हाइट वाले हैं।

इसी मेले में सवा करोड़ रुपए का घोड़ा राज दिलावर भी आया है। इसके मालिक लालराज सिंह बताते हैं कि उनका घोड़ा रत्नाकर ब्लर लाइन ब्रीड का है। उन्होंने इसकी कीमत सवा करोड़ रुपए तय की है। 70 लाख रुपए का ऑफर तो मिल गया है। सवा करोड़ मिलेंगे, तो बेच भी देंगे। श्रीगंगानगर के गांव श्रीनगर के रहने वाले लालराज सिंह बताते हैं कि इस घोड़े के 30-35 बच्चे हो चुके हैं। ये सभी 7 से 8 लाख रुपए तक की कीमत में बिके हैं। उन्होंने बताया कि घोड़े को चना, जौ और घी देते हैं। घोड़े के कान जुड़े हों, गर्दन लंबी और ताकतवर बॉडी हो तो उसकी डिमांड रहती है।

- एक बार में 50 लीटर दूध पिलाया जाता है घोड़े को

कोरोना के तीन नए पॉजिटिव केस मिले

बीकानेर, (कासं)। जिले में कोरोना की रि एंट्री खतरनाक तरीके से हो रही है। बुधवार सुबह की रिपोर्ट में तीन नए पॉजिटिव केस मिले हैं । जिनमें दो मुरलीधर व्यास कॉलोनी से है जबकि एक आर्मी एरिया से हैं। इसी के साथ जिले में एक्टिव केस की संख्या बढ़ कर पांच तक पहुंच गई है। इससे पहले लगातार एक सप्ताह तक एक्टिव केस शून्य थे। हेल्थ डिपार्टमेंट की रिपोर्ट में कोरोना के तीन पॉजिटिव बताए गए हैं लेकिन एरिया के नाम नहीं दिए गए।

मुरलीधर कॉलोनी में पॉजिटिव आए दोनों ही रोगी एक ही परिवार से हैं। नए पॉजिटिव में कोई भी बच्चा नहीं है। वहीं जयपुर से बीकानेर आए जिस स्टूडेंट की रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी, उसके संपर्क में आए परिजनों की रिपोर्ट अब तक नेगेटिव है। स्टूडेंट को क्वारेंटाइन किया गया है। बीकानेर के बड़े औद्योगिक परिवार का यह बच्चा जयपुर के जयश्री पेड़ीवाल स्कूल में डे बॉर्डिंग में पढ़ रहा था, जहां एक दर्जन से ज्यादा स्टूडेंट्स पॉजिटिव आ चुके हैं। बीकानेर में कोरोना की रि एंट्री के बाद भी कोरोना गाइड लाइन की पालना नहीं हो रही। खासकर बाजार में नब्बे फीसदी लोग बिना मास्क के ही नजर आ रहे हैं। विवाह आयोजनों में भी बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो रहे हैं।

किन्नर आशा कुंवर ने धूमधाम से कराया कोमल का विवाह

हिजड़ों की हवेली की गादीपति किन्नर आशा पहले 20 बेटियों की शादी करा चुकी है

पाली, (नि.सं.)। पाली के सुराणा धर्मशाला में पाली की कोमल नोखा मंडी के पवन के साथ शुभ मुहूर्त में विवाह बंधन में बंध गई । पाली में मजदूर की बेटी कोमल ने सैकड़ों लोगों की मौजूदगी में फेरे लिए। इस दौरान लोगों ने फूलों की वर्षा कर तथा नोट बरसा कर दूल्हा-दुल्हन को शादी की शुभकामना दी। उसके बाद दोपहर में नम आंखों से कोमल को विदाई दी गई।

पाली के हिंजड़ों की हवेली की गादीपति आशा कंवर ने कोमल की शादी करवाई। उन्होंने अपनी बेटी मान कोमल को शादी में उपहार के रूप में सोने के 6 तोला आभूषण दिए। इसके साथ ही एलईडी, फ्रीज, वॉशिंग मशीन, पलंग, बर्तन आदि घरेलू आइटम उपहार के रूप में कोमल को दिए। कोमल की शादी के दौरान व्यवस्थाओं में पूरे मोहल्ले के लोग, दुकानदार जुटे नजर आए। जैसे उनकी बेटी की शादी हो। हर कोई व्यवस्था देखते नजर आया। जिससे की कोमल की शादी में किसी तरह की कमी नहीं रहे। 12:00 बजे के बाद जमकर नाचे किन्नर वहां परिजन उसके बाद सब को खाना खिलाया गया उसके बाद दोपहर 3:00 बजे विदाई दी गई। हिजड़ों की हवेली की गादीपति आशा कंवर ने बताया कि इससे पहले उनकी ओर से आर्थिक रूप से कमजोर 20 परिवारों की बेटियों को अपनी बेटी मान शादी करवा चुके हैं। अब 21वीं शादी कोमल की करवा रहे हैं। शादी के बाद भी इनको अपनी देखभाल हमारी जिम्मेदारी मानते हैं।

सुराणा धर्मशाला में शादी की रस्म कराती गादीपति किन्नर आशा।

पीएम ने तो नाचने वाली कंगना रानौत जैसी को सलाहकार बना रखा है : डॉ. राजकुमार शर्मा

मीडिया से रूबरू होते नवलगढ़ विधायक डॉ. राजकुमार शर्मा।

झुंझुनूं/नवलगनढ़, (निसं)। सीएम गहलोत ने छह विधायकों को हाल ही में अपना सलाहकार नियुक्त किया है। झुंझुनूं के नवलगढ़ विधायक डॉ. राजकुमार शर्मा भी इनमें से एक है। मुख्यमंत्री के सलाहाकर नियुक्त होने के बाद क्षेत्र के दौरे पर आए डॉ. राजकुमार शर्मा का जयपुर से लेकर नवलगढ़ तक ना केवल स्वागत हुआ। बल्कि दो दिनों तक उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा रहा।

इसी दरम्यान खास बातचीत करते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उतना जीवन जनसेवा में लगा दिया जितनी हमारी उम्र है। लेकिन हमें जिम्मेदारी दी है। तो हम धरातल पर योजनाओं का फीडबैक और लोगों की जरूरतों को मुख्यमंत्री तक पहुंचाएंगे। इस मौके पर उन्होंने उप नेता राजेंद्र राठौड़ के आरोपों का भी करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा उप चुनावों की हार से बौखला गई है। भाजपा यह मान चुकी है कि 2023 में फिर से कांग्रेस ही सत्ता में आएगी। इस कारण उप नेता प्रतिपक्ष बिना सोचे-समझे आरोप लगा रहे है। उन्हें सीएम के सलाहकारों से पीड़ा है तो वे यह भी बताएं कि पीएम मोदी ने कितने सलाहकार रखें है। उन्होंने आरोप लगाया कि कंगना रानौत जैसी नाचने वाली समेत प्रधानमंत्री ने 15 से ज्यादा सलाहकार रख रखे है। इसलिए वो भी गलत ही या फिर प्रधानमंत्री इतने कमजोर है कि उन्हें सलाहकारों की जरूरत है। इस बात का जवाब राठौड़ को देना चाहिए। साथ ही राठौड़ को अपनी जानकारियां भी अपडेट रखनी चाहिए कि पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने भी दो-दो सलाहकार रखे थे।

एक साथ छह सगी बहनें बैठी मंडप में, लिए फेरे, बिंदौरी भी निकाली

खेतड़ी, (निसं)। आपने अब तक एक साथ दो, तीन बहनों की शादियां देखी और सुनी होगी। लेकिन अब हम आपको दिखाने जा रहे है एक साथ छह सगी बहनों की शादी। जी, हां झुंझुनूं के खेतड़ी के पास चिरानी गांव में एक साथ छह बहनों की शादी चर्चा का विषय बनी हुई है। स्कूल बस चलाने वाले रोहिताश्व के कुल सात बेटियां और एक बेटा है। रोहिताश्व ने अपनी सात में से छह बेटियों की एक साथ शादी की। इन छहों बेटियों ने एक साथ ही फेरे लिए तो उनकी एक साथ ही घोड़ी पर बैठाकर बिंदौरी निकाली। जिसमें ना केवल ये बेटियां, बल्कि उनकी बहन कृपा और भाई विकास गुर्जर ने भी जमकर डांस किया। इन बेटियों को ब्याहने के लिए तीन गांवों से बारात भी आई। जिनकी आवभगत में ना केवल यह परिवार, बल्कि पूरा गांव ही लग गया। छह सगी बहनों की शादी एक साथ देखकर सभी को अचंभा भी हुआ तो लोग खुश भी हुए। वहीं जब विदाई हुई तो परिवार के लोग भावुक भी हो गए। क्योंकि पिता का आंगन छह बेटियों की ससुराल विदाई के बाद एक साथ ही सूना सूना हो गया।

पढ़ी-लिखी इन बेटियों ने एक रंग की ड्रेस और लड़कों की तरह सतरंगी साफे बांधकर डीजे पर परिवार के साथ जमकर ठुमके लगाए।

शादी के बाद बहनें अब बनीं देवरानी-जेठानी:- विकास गुर्जर ने बताया कि उनकी बहनें तीन परिवारों में ब्याही गई है। दो-दो बहनें एक परिवार में ब्याही है। जहां दूल्हे भी सगे भाई है। सबसे बड़ी बहन मीना दुखेरा हरियाणा के नरेश के साथ ब्याही है। वहीं नरेश के भाई भैरूसिंह के साथ विकास की तीसरे नंबर की बहन सीमा का ब्याह हुआ है। इसी तरह दो नंबर की बहन अंजू की शादी चुहाखा की ढाणी जिलो पाटन नीमकाथाना के रहने वाले धर्मवीर के साथ हुई। धर्मवीर के भाई विजेंद्र के साथ विकास की चार नंबर की बहन निक्की की शादी हुई है। इसी तरह सबसे छोटी दो बहनों योगिता और संगीता की शादी क्रमशः कुठानिया निवासी सगे भाई प्रदीप तथा मोहित के साथ हुई है।

स्कूल ड्राइवर ने पढाया बेटियों को:-विकास गुर्जर ने बताया कि उनके पिता रोहिताश्व स्कूल बस चलाते है। लेकिन उन्होंने बेटियों को पढाने में कभी कोई कमी नहीं छोड़ी। उसकी बहन मीना और सीमा ने एमए बीएड कर रखा है। तो वहीं अंजू और निक्की एमएम पास है। वहीं योगिता और संगीता ने भी बीएससी कर रखा है। सबसे छोटी बहन कृपा है। जिसकी अभी शादी नहीं हुई है। वह भी बीएससी कर चुकी है।

■ चिरानी गांव में एक साथ छह बहनों की शादी चर्चा का विषय बनी हुई है

भाई है राष्ट्रपति अवॉर्ड से सम्मानित:- इन छह बहनों का भाई भी स्काउट्स में राष्ट्रपति अवार्ड प्राप्त कर चुका है। इसके अलावा समय-समय ना केवल सामाजिक कार्यों में भागीदार रहता है। बल्कि कई गानों के एलबम में भी काम कर चुका है। कोरोना के वक्त भी अपने भाई विकास गुर्जर के नेतृत्व में इनकी बहनों और परिवार ने घर पर मास्क बनाकर लॉक डाउन के समय खूब वितरित किए थे।

पीले ड्रेस, सतरंगी साफे में सजी दुल्हनों भी लगाए ठुमके:- पढी लिखी इन बेटियों की शादी के फेरों से पहले जब बिंदौरी निकाली गई। तो भी इन्होंने एक रंग की ड्रेस और लड़कों की तरह साफे सतरंगी साफे बांधे। पहले तो पूरे गांव में बिंदौरी निकाली गई। इसके बाद इन्होंने डीजे पर परिवार के साथ जमकर ठुमके लगाए। बहनों ने काले चश्मे में गांव की गलियों में भी मॉर्डन स्टाइल में डांस किया और अपनी शादी को जमकर एंजॉय किया।

केंद्रीय केबिनेट का फैसला स्वागत योग्य कदम : इंजी. ढूकिया

झुंझुनूं/मंडावा, (निसं)। भाजपा जिला उपाध्यक्ष इंजी. प्यारेलाल ढूकिया ने बुधवार को जारी वक्तव्य में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट की बैठक में बड़ा फैसला लिया है। यह स्वागत योग्य कदम है। दरअसल कैबिनेट में गरीब कल्याण अन्न योजना को आगे बढ़ाने पर मुहर लगी है। इसके तहत अब मार्च 2022 तक लाभार्थियों को मुफ्त राशन मिलता रहेगा। इसके साथ ही उन्होंने कैबिनेट मीटिंग में लिए गए दूसरे अहम फैसले को बारे में भी बताया जिसके तहत तीन कृषि कानूनों की वापसी के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई।

उन्होंने कहा कि केबिनेट मीटिंग में गरीब कल्याण योजना को आगे बढ़ाने पर सहमति बनी है। अब इस योजना का लाभ लोगों को मिलता रहेगा। 80 करोड़ लोगों को 5 किलो अन्न फ्री देने की योजना को दिसम्बर 21 से मार्च 22 तक बढ़ाया गया है। फ्री अन्न योजना आगे भी जारी रखने पर गोखरी सरपंच ललिता खीचड़, पार्षद सपना शर्मा, पूर्व प्रधान गिरधारीलाल खीचड़, भाजपा नेता संदीप शर्मा, नेता प्रतिपक्ष मोहम्मद इब्राहिम, मंडल अध्यक्ष मोहनलाल-बिजेंद्र सैनी, युवा नेता सुनील सैनी, पार्षद संदीप शर्मा आदि ने भी गरीब कल्याण अन्न योजना आगामी मार्च तक जारी रखने तथा दूसरे अहम फैलला तीन कृषि कानूनों की वापसी के प्रस्ताव को मंजूरी देने के फैसले का स्वागत करते हुए पीएम मोदी के प्रति आभार जताया।

संशोधित सूचना

कार्यालय ग्राम पंचायत ढंढाल लेखू पंचायत समिति, राजगढ़ (चूरू) क्रमांकः-ग्राप/ढंढाल लेखू/नरेगा व आरडी/ई.निविदा/2021-22/स्पे. 18-19 दिनांकः-15.11.2021 ई-निविदा सूचना 01/21-22 में वर्ष 2021-22 के लिए महानरेगा एवं ग्रामीण विकास की विभिन्न योजना अन्तर्गत निर्माण सामग्री क्रय हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई.प्रोरक्यूरमेंट प्रक्रिया में निविदा आमंत्रण की दिनांक 16.11.2021 की जगह पर 23.11.2021 सांय 5 पी.एम. से पढा जावें।

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, राजगढ़ (चूरू)

E-Mail Address -eonp.sdlp@yahoo.in Phone :- 01559 - 222039

क्रमांकः-न.पा.रा/ 2021.22/3597 दिनांकः-24.11.2021

आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदन पत्रों के द्वारा पट्टा नामान्तरण/तामिर स्वीकृति/कृषि भूमि नियमन/खांचा भूमि नियमन/स्टेट ग्रान्ट एक्ट/69ए हेतु आवेदन किया गया है। जिस किसी व्यक्ति को इस सम्बंध में आपति हो वह विज्ञप्ति प्रकाशन के सात दिवस में नगरपालिका कार्यालय में लिखित में पेश कर देवे। समयावधि निकलने के पश्चात आपति विचारनीय नहीं होगी। विवरण निम्ननुसार है।

क्र. सं.	पत्रावली	नाम आवेदक कृषि भूमि नियमन की आपत्ति सूचना	खसरा नं.	क्षेत्रफल	किस्म
01	3377/08.11.2021	श्रीमती राजेश देवी पत्नी श्री धर्मवीर जाट निवासी वार्ड नं. 16 राजगढ़ (चूरू)	923	204.74 वर्ग मीटर	आवासीय
02	3378/08.11.2021	श्री विनोद कुमार पुत्र श्री लेखाकार कुम्हार निवासी वार्ड नं. 36 राजगढ़ (चूरू)	67	185.79 वर्ग मीटर	आवासीय
03	3379/08.11.2021	आजाद कौर पत्नी श्री महावीर जाति जाट निवासी वार्ड नं. 13 राजगढ़ (चूरू)	211 नया 1283	371.58 वर्ग मीटर	आवासीय
04	3380/08.11.2021	मायाकौर पत्नी राजपाल निवासी वार्ड नं. 13 राजगढ़ (चूरू)	211, 1283	371.58 वर्ग मीटर	आवासीय
05	3381/08.11.2021	राजपाल पुत्र संतलाल जाति जाट निवासी वार्ड नं. 30 नया 38 राजगढ़ (चूरू)	244	266.66 वर्ग गज	आवासीय
06	3382/08.11.2021	मनीराम पुत्र गुलाबदास जाति स्वामी निवासी कांधराण तह. राजगढ़ (चूरू)	2488/160 2490/160	100.33 वर्ग मीटर	आवासीय
07	3383/08.11.2021	राजेन्द्र पुत्र मामचन्द जाति जाट निवासी वार्ड नं. 02 नया 14 राजगढ़ (चूरू)	1710/723	158.10 वर्ग मीटर	आवासीय
08	3384/10.11.2021	सत्यनारायण मीणा पुत्र ओमप्रकाश मीणा निवासी वार्ड नं. 01 राजगढ़ (चूरू)	561	187.74 वर्ग मीटर	आवासीय
09	3385/10.11.2021	कृष्णा पत्नी शेर सिंह निवासी एन.एच. 52 के पास राजगढ़ (चूरू)	754/710 753/704	222.94 वर्ग मीटर	आवासीय
10	3386/10.11.2021	त्रिपता पत्नी श्री श्रवण कुमार जाति जाट निवासी खबरपुरा राजगढ़ (चूरू)	778	297.26 वर्ग मीटर	आवासीय
11	3387/10.11.2021	ताज मोहम्मद पुत्र अली मोहम्मद निवासी वार्ड नं. 24 राजगढ़ (चूरू)	1165	185.80 वर्ग मीटर	आवासीय
12	3389/10.11.2021	आलम खां पुत्र गुलाम मोहम्मद निवासी वार्ड नं. 23 राजगढ़ (चूरू)	1148	371.60 वर्ग मीटर	आवासीय
13	3390/10.11.2021	सुनिता पत्नी श्री आनन्द प्रकाश निवासी वार्ड नं. 14 राजगढ़ (चूरू)	1650/749	185.78 वर्ग मीटर	आवासीय
14	3391/10.11.2021	सुनिता पत्नी श्री आनन्द प्रकाश निवासी वार्ड नं. 14 राजगढ़ (चूरू)	1650/749	185.78 वर्ग मीटर	आवासीय
15	3392/11.11.2021	विकास कुमार पुत्र रामचन्द्र प्रजापत निवासी वार्ड नं. 15 राजगढ़ (चूरू)	806	148.64 वर्ग मीटर	आवासीय
16	3393/11.11.2021	राकेश कुमार पुत्र रामचन्द्र प्रजापत निवासी वार्ड नं. 15 राजगढ़ (चूरू)	806	148.64 वर्ग मीटर	आवासीय
17	3394/11.11.2021	दिनेश पुत्र औंकारमल निवासी वार्ड नं. 33 राजगढ़ (चूरू)	67	371.56 वर्ग मीटर	आवासीय
18	3395/11.11.2021	आमिना बानो पत्नी रमजान खां दमामी निवासी वार्ड नं. 16 राजगढ़ (चूरू)	1877	340.12 वर्ग मीटर	आवासीय
19	3396/11.11.2021	आमिना बानो पत्नी रमजान खां निवासी वार्ड नं. 16 राजगढ़ (चूरू)	1877	167.20 वर्ग मीटर	आवासीय
20	3397/12.11.2021	मंगतू खां पुत्र छैलु खां लीलगर निवासी वार्ड नं. 23 राजगढ़ (चूरू)	1236	185.80 वर्ग मीटर	आवासीय
21	3398/12.11.2021	विद्या देवी पत्नी श्री बिशन कुमार निवासी बैरासर छोटा राजगढ़ (चूरू)	152/2494 /159	286.09 वर्ग मीटर	आवासीय
22	3399/12.11.2021	बिशन कुमार पुत्र निहाल सिंह निवासी बैरासर छोटा राजगढ़ (चूरू)	205,211 215,292	237.80 वर्ग मीटर	आवासीय
23	3400/12.11.2021	सुलोचना पत्नी श्री महावीर सिंह पूनियां निवासी वार्ड नं. 28 नया 36 राजगढ़ (चूरू)	67	185.79 वर्ग मीटर	आवासीय
24	3401/12.11.2021	अरूण कुमार पुत्र शिवभगवान निवासी वार्ड नं. 13 नया 23 राजगढ़ (चूरू)	1069	222.94 वर्ग मीटर	आवासीय
25	3402/12.11.2021	संजय कुमार पुत्र रामसिंह ग्राम हांसियावास तह. राजगढ़ (चूरू)	226/285 /288	234.09 वर्ग मीटर	आवासीय
26	3403/12.11.2021	माईराम पुत्र मोहरसिंह गोस्वामी ग्राम घणाऊ तह. राजगढ़ (चूरू)	1619/1538 /244/1	75.80 वर्ग मीटर	आवासीय
27	3404/12.11.2021	संजय कुमार पुत्र रामसिंह निवासी हांसियावास राजगढ़ (चूरू)	285/288	234.09 वर्ग मीटर	आवासीय
28	3405/12.11.2021	शहनाज पत्नी खुशी मोहम्मद निवासी वार्ड नं. 11 (15) राजगढ़ (चूरू)	772	127.59 वर्ग मीटर	आवासीय
29	3406/12.11.2021	सुरेशचन्द्र पुत्र आशराम निवासी चुबकियाताल तह. राजगढ़ (चूरू)	142	347.42 वर्ग मीटर	आवासीय
30	3407/12.11.2021	प्रेम पत्नी सुभाशचन्द्र निवासी वार्ड नं. 13 राजगढ़ (चूरू)	761	222.94 वर्ग मीटर	आवासीय
31	3408/12.11.2021	चन्द्रपाल पुत्र बृजपाल निवासी वार्ड नं. 13 राजगढ़ (चूरू)	761	222.94 वर्ग मीटर	आवासीय
32	3409/12.11.2021	सुमेर सिंह पुत्र बृजलाल निवासी वार्ड नं. 13 धनरूप नगर राजगढ़ (चूरू)	761	222.94 वर्ग मीटर	आवासीय
33	3410/12.11.2021	संजय कुमार पुत्र सुरत सिंह नाई निवासी गागड़वास हाल वार्ड नं. 12 नसीब कॉलोनी राजगढ़ (चूरू)	657	66.51 वर्ग मीटर	आवासीय
34	3411/15.11.2021	उशा पत्नी श्री सुरेश कुमार निवासी वार्ड नं. 36 सिद्धमुख मोड़ के पास राजगढ़ (चूरू)	66	185.80 वर्ग मीटर	आवासीय
35	3412/15.11.2021	आडूराम पुत्र हरलाल जाट निवासी वार्ड नं. 40 गुलाब की चक्की के पास राजगढ़ (चूरू)	552	222.68 वर्ग मीटर	आवासीय
36	3413/15.11.2021	शंकर सिंह पुत्र हनुमान सिंह निवासी वार्ड नं. 16 सुभाष नगर राजगढ़ (चूरू)	918,919	83.61 वर्ग मीटर	आवासीय
37	3414/15.11.2021	मुखी देवी पत्नी श्री भगताराम निवासी वार्ड नं. 15 सुभाष नगर राजगढ़ (चूरू)	770	185.80 वर्ग मीटर	आवासीय
38	3415/15.11.2021	सूर्यप्रकाश मीणा पुत्र राजकुमार मीणा निवासी वार्ड नं. 38 डेयरी के पास हिसार रोड़ राजगढ़ (चूरू)	2289/133	743.20 वर्ग मीटर	आवासीय
39	3416/15.11.2021	रविन्द्र कुमार पुत्र हरिसिंह जाट निवासी वार्ड नं. 12 राजगढ़ (चूरू)	561	116.21 वर्ग मीटर	आवासीय
40	3417/15.11.2021	श्रीमती गायत्री आलड़ियां पत्नी मनोज कुमार निवासी इन्द्रपुरा तह. राजगढ़ (चूरू)	245	211.80 वर्ग मीटर	आवासीय
41	3418/15.11.2021	राजेश कुमार पुत्र श्री पूर्णमल जाति कुम्हार निवासी ढिगारला तह. राजगढ़ (चूरू)	251	178.73 वर्ग मीटर	आवासीय

अधिशााषी अधिकारी
नगरपालिका राजगढ़ (चूरू)

अनियमितताओं को लेकर ग्रामीणों ने शिकायत की

खेतड़ी, (निसं)। 90 करोड़ की लागत से कस्बे में बनने वाली सीवरेज लाइन के काम में अनियमितताओं को लेकर कई दिनों से ग्रामीण नगर पलिका में अपनी शिकायत दर्ज करवा रहे थे। इस बात को लेकर पालिका पार्षद लीलाधर सैनी के नेतृत्व में कई पार्षदों ने वार्ड नंबर 21 व वार्ड नंबर 22 सहित कई वार्डों में चल रहे सीवरेज के काम का मौका मुआयना किया और ग्रामीणों की शिकायत पर कई जगहों पर सीवरेज लाइन को वापस निकलवा कर कर देखा व लाइनों को दोबारा से डालने की बात कही। इस दौरान वार्ड नंबर 22 निवासी जगदीश सैनी व वार्ड नंबर 21 निवासी सांवरमल सैनी, हरचंद ने बताया कि कंपनी के अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा जगह-जगह लाइन खोद रखी है। जिससे पानी की लाइन टूट गई है और काफी दिनों से पानी नहीं आ रहा है। जिसके चलते पार्षद लीलाधर सैनी ने मौके पर मौजूद राजस्थान नगरिया आधारभूत विकास परियोजना के एक्सईएन दिनेशकुमार को मामले की शिकायत की। जिस पर दिनेश कुमार ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल की। मौके पर मौजूद प्रोजेक्ट मैनेजर अनिल मीणा व अन्य कर्मचारियों को दिशा निर्देश दिए और लाइनों को दोबारा से डालने के बारे में कहा।

अवैध निर्माण को लेकर विधायक आवास के बाहर नारेबाजी की

सुजानगढ़, (निसं)। बेसहारा पशुओं की धरपकड व अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग को नगरपरिषद से बुधवार को विधायक आवास तक विरोध रैली निकाली गई।

नगरपरिषद से शुरू हुई विरोध रैली में सभापति, आयुक्त व कांग्रेस विधायक के खिलाफ नारेबाजी कर विधायक आवास के बाहर कांठोस की प्रतियां जलाई गई। भूख हड़ताल पर बैठे खलील दहिया ने बताया कि चार दिनों से वे आवारा पशुओं को सरंक्षण देने व सुजानगढ शहर में धड़ल्ले से हो रहे अवैध निर्माण रुकवाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे है लेकिन अधिकारी उनकी मांगों को अनसुना कर रहे है। साथ ही नगरपरिषद पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर मामले की जांच करवाने की मांग की गई है। प्रदर्शन के बाद विधायक आवास पर खिंवाराम मेहरड़ा को विधायक मनोज मेघवाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर अफजल गौरी, इकबाल, भाजपा नेता नरेंद्र गुर्जर, साजिद खान, सद्दाम, नासिर, बशीर खान, अली सुल्तान, साबिर सहित सैंकड़ो लोग मौजूद थे।

ट्रांसफॉर्मर पर जाकर गिरा ट्रक

■ हादसे से नहीं हुई जान-माल की हानि

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं शहर में एक बड़ा हादसा होते-होते बच गया। एक ट्रक का टायर नाले में धंस जाने के बाद पलट गया और पास में ही बिजली के ट्रांसफॉर्मर पर जाकर गिर गया। लेकिन गनिमत रही कि इससे पहले यह ट्रक एक पोल से टकराया। जिससे ट्रांसफॉमर्र से करंट की लाइन कट हो गई। नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था।

जानकारी के मुताबिक नेता की ढाणी निवासी सुभाष ने एक बजरी का ट्रक मंगवाया था। यह ट्रक ज्यों ही मुख्य सड़क से नेता की ढाणी की ओर मुड़ा तो बड़े नाले पर बना क्रॉस वजन से टूट गया। जिसमें ट्रक का टायर धंस गया और ट्रक असंतुलित हो गया। असंतुलित ट्रक की चपेट में आने से पहले पोल टूटा। इसके बाद वह ट्रांसफॉर्मर पर गिर गया। उस वक्त ट्रक में तीन जनें मौजूद थे। यदि ट्रांसफॉर्मर का करंट ट्रक में दौड़ जाता तो बड़ा हादसा हो सकता था।

कार्यालय ग्राम पंचायत मानपुरा पंचायत समिति राजगढ़ (चूरू)

क्रमांकः-ग्राप/मानपुरा/नरेगा व आरडी/ई-निविदा/2021-22/स्पे.23-24, दिनांक 22.11.2021

ई-निविदा सूचना 02/21-22

वर्ष 2021-22 के लिए महानरेगा एवं ग्रामीण विकास की विभिन्न योजनान्तर्गत निर्माण सामग्री क्रय हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया से वेवसाईड www.eproc.raj.gov.in पर दिनांक 24.11.2021 सांय 5 पी.एम. से ग्राम पंचायत मुख्यालय पर निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण तथा शर्ते www.sppp.raj.nic.in तथा www.eproc.raj.gov.in पर देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।

NIB No. ZCR2122A0380
यू.बी.एन.नं.- ZCR2122GLOB00868

ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत, मानपुरा, पंचायत समिति राजगढ़ (चूरू)
सरपंच, ग्राम पंचायत, मानपुरा, पंचायत समिति राजगढ़ (चूरू)

कार्यालय नगरपालिका मण्डल राजगढ़ (चूरू) राज.

Office Tel. No. 01559-222039 E-mail-eonp.sdlp@yahoo.in

क्रमांक न.पा.रा./2021-22/167 दिनांक 22.11.2021

निविदा सूचना वर्ष 2021-22

समस्त पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि नगरपालिका वर्ष 2021-22 के लिए निविदा आमन्त्रण सामने अंकित तिथि को की जायेगी। मुहरबन्द निविदाएं दिनांक 28.11.2021 को दोपहर 01.00 बजे तक विक्रय की जाकर दिनांक 29.11.2021 को दोहपर 01.00 बजे तक प्राप्त की जावेगी तथा प्राप्त निविदाएं दिनांक 29.11.2021 को सांय 4.00 बजे उपस्थित ठेकेदारों के समक्ष खोली जायेगी। निविदा से संबधित विस्तृत विवरण कार्यालय समय में किसी दिवस को सूचना बोर्ड पर देखा जा सकता है।

NIB Code DLB 2122A5542

Work No.	UBN No.	Work No.	UBN No.
1	DLB2122WSOB19327	7	DLB2122WSOB19339
2	DLB2122WSOB19328	8	DLB2122WSOB19342
3	DLB2122WSOB19330	9	DLB2122WSOB19344
4	DLB2122WSOB19331	10	DLB2122WSOB19348
5	DLB2122WSOB19333	11	DLB2122WSOB19349
6	DLB2122WSOB19337		

(रजिया गहलोत), अध्यक्ष, नगरपालिका राजगढ़ (चूरू)
(प्रियंका बुड़ानिया), अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका राजगढ़ (चूरू)

बंगाल के राज्यपाल कल झुंझुनूं में

■ राज्यपाल 26 नवंबर को सुबह साढ़े आठ बजे जयपुर से रवाना होंगे

झुंझुनूं, (निसं)। पश्चिम बंगाल के महामहिम राज्यपाल जगदीप धनखड एक दिन के दौरे पर झुंझुनूं आएंगे। उनके छोटे भाई आरटीडीसी के पूर्व चेयरमैन रणदीप धनखड भी उनके साथ रहेंगे।

महामहिम राज्यपाल 26 नवंबर शुक्रवार को सुबह साढ़े आठ बजे जयपुर से रवाना होंगे। साढ़े 11 बजे अपने पैतृक गांव किठाना पहुंचकर स्थानीय लोगों से मुलाकात करने के बाद निजी कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। इसके बाद वे साढ़े 12 बजे किठाना गांव से रवाना होकर दोपहर एक बजे सूरजगढ़ में एक शादी समारोह में शिरकत करेंगे। जहां पर करीब एक घंटे ठहरने के बाद वापिस जयपुर के लिए रवाना हो जाएंगे।

ओला ने संभाला परिवहन मंत्री का कार्यभार

कार्यभार ग्रहण करने पर मंत्री बृजेंद्र ओला को बधाई देने कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता जयपुर पहुंचे।

झुंझुनूं, (निसं)। परिवहन एवं सड़क सुरक्षा मंत्री बृजेंद्र ओला ने बुधवार को शासन सचिवालय के मंत्रालय भवन स्थित अपने कार्यालय में कार्यभार ग्रहण किया। इस मौके पर उनकी पत्नी व पूर्व जिला प्रमुख डॉ. राजबाला ओला व कांग्रेस नेता सुनिल जानूं समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता-नेता पहुंचे और उन्होंने ओला को बधाई दी।

इस मौके पर ओला ने कहा कि पूरे राज्य में सुरक्षित और सुगम परिवहन सेवा उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। सड़क सुरक्षा प्रमुख प्राथमिकता है। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान विभिन्न माध्यमों से चलाएंगे उन्होंने परिवहन विभागीय टीम द्वारा किए गए नवाचारों की सराहना करते हुए कहा कि शेष सेवाओं को भी ऑनलाइन करने का प्रयास रहेगा। विभागीय कार्यों में पारदर्शिता लाएंगे। ओला ने कहा कि राजस्थान रोडवेज का संचालन करना हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है। रोडवेज बस सेवा को सुरक्षित सफर कराने के लिए कई बार राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत किया जा चुका है। इसे घाटे से उभारने के लिए दूसरे राज्यों में संचालित परिवहन सेवाओं का अध्ययन कराने का भी प्रयास करेंगे।

इस अवसर पर परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग के प्रमुख शासन सचिव अभयकुमार, राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक संदीप वर्मा, परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग के आयुक्त महेंद्र सोनी, अतिरिक्त आयुक्त महेंद्र खींची, आकाश तोमर, उप परिवहन आयुक्त अमृता चौधरी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

MANAPPURAM FINANCE LTD.

CIN-L65910KL1992PLC006623, IV/470A (old) W638A(New), Manappuram House, Valapad, Thrissur, Kerala - 680 567.

निलामी सूचना

विशेषकर गिरवीकर्ताओं और सामान्य रूप में जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अकाउंट्स में रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी निम्नलिखित शाखाओं पर दिनांक 16.12.2021 को सुबह 10.00 बजे से किया जाएगा. हम ऐसे डिफॉल्टर ग्राहकों के सोने के आभूषणों की नीलामी करने जा रहे हैं जिन्होंने रजिस्टर्ड पत्र द्वारा सूचित किए जाने के बावजूद अपने लोन की रकम नहीं चुकाई है. जिन आयटम्स की नीलामी नहीं हो पाएगी, उनकी नीलामी किसी अन्य दिन बिना पुन: सूचना दिए की जाएगी. नीलामी के स्थान व तिथि (अगर कोई हो) में परिवर्तनों की कोई सूचना नीलामी केन्द्र या वेबसाइट पर लगाई जाएगी तथा इस बारे में कोई अन्य सूचना नहीं दी जाएगी.

गिरवियों की सूची :

चूरू, चूरू राजस्थान, 135110700010024, 0027, 0029, 0032, 0037, सरदार शहर, 135720700007370, 7957, 8048, 8049, 8172, 8231, 8281, 8333, 8335, 8477, 8478, 8479, 8480, 8481, 8501, 8507, 8508, 8510, 8515, 8525, 8532, 8534, 8537, 8542, 8552, 8553, 8556, 8558, 8559, 135720730019279, 9394, 9576, 9586, 135720730021318, 1710, 1794, 3372, 3500, 3516, 3517, 3521, 3573, 3641, सुजानगढ, 135090700010486, 0526, 0532, 0604, 0650, 0668, 0673, 0675, 0700, 0740, 0747, 0810, 0817, 0872, 0900, 0908, 0915, 1006, 1043, 1300, 1317, 1394, 1440, 1453, 1463, 1521, 1631, 1632, 1696, 1707, 1780, 1782, 1783, 1794, 1800, 1802, 1807, 1811, 1813, 1817, 1819, 1824, 1832, 1836, 1839, 1840, 1848, 1855, 1856, 1860, 1865, 1867, 1871, 135090730028653, 8718, 8807, 8808, 9457, 9480, 9553, 9960, 135090730030909, 1173, 2087, 2629, 2710, 2904, 3100, 4250, 4283, 4393, 4834, 5708, 6787, 7318, 7778, 7820, 9238, 9698, 9715, 135090730040286, 4727, 4728, 4846, 4952, 5101, 5113, 5704, हनुमानगढ, बाबा शाम सिंह कॉलोनी, 117270700046375, 6426, 6582, 7826, 8690, 8807, 8814, 8861, 9210, 9319, 9723, 117270700050136, 0206, 0253, 0739, 0749, 0759, 0760, 0819, 0867, 0886, 0919, 0944, 1066, 117270730019241, 9351, 9795, 9878, 117270730020104, 1311, 1474, 2239, 2260, 2287, 2568, 2966, 3680, 3681, 3890, 4096, 4449, 4450, 4964, 4965, 4990, 5066, 5067, 5159, 5900, 6515, 6518, 6523, 6579, 6593, 6594, 6622, 6643, 6684, 6704, 6721, 6791, 6863, बस स्टैंड गेट हनुमानगढ, 117320700025277, 5287, 5605, 5675, 5935, 6016, 6306, 6335, 6345, 6361, 6376, 6382, 6411, 6415, 6418, 6430, 6432, 6434, 6439, 6448, 6460, 6463, 6469, 6470, 6478, 6481, 6488, 6491, 6495, 6500, 6507, 6512, 117320730013419, 4152, 4617, 4725, 5369, 5431, 5436, 5438, 5477, 5693, 5872, 5949, 6074, 6112, 6697, 6717, 6751, 6752, 6765, 6774, नोहर राजस्थान, 135640700019448, 9791, 9861, 9989, 135640700020205, 0324, 0364, 0499, 0535, 0867, 0929, 1375, 1382, 1389, 1390, 1391, 1403, 1412, 1419, 1424, 1427, 1428, 1445, 1446, 1468, 1491, 1493, 1495, 1498, 1510, 1534, 1553, 1559, 1560, 1573, 1586, 1591, 1593, 1595, 1596, 1600, 1607, 1630, 1634, 1636, 1644, 1651, 135640730028652, 135640730030108, 0949, 1128, 1537, 2556, 2658, 3075, 3286, 5279, 5709, 6489, 6938, 7202, 7239, 7265, 8699, 8834, 8952, 9110, 9114, 135640730040546, 1014, 1033, 1079, 1146, 1147, 1174, 1224, 1337, 1340, 1346, 1371, 1374, 1469, 1536, 1574, 1575, 135640780000010, पिलीबंगन, 135180700023317, 3773, 4244, 4297, 4448, 4577, 4821, 4863, 5206, 5262, 5537, 5710, 5719, 5728, 5738, 5750, 5760, 5776, 5804, 5813, 5849, 5885, 5902, 5909, 5910, 135180730014550, 4668, 4671, 5873, 5885, 6218, 6227, 6240, 6277, 7386, 7440, 7603, 7848, 8269, 8305, 8352, 9346, 9352, 9408, 9462, 9470, 9471, 9481, 9555, 9576, 9594, 9605, 9683, नागपुर , लाडनूं, 137990700000632, 0665, 0723, 0906, 0944, 0946, 0948, 0956, 0961, 0967, 0976, 0977, 0980, 0984, 0999, 1004, 137990730006235, 137990730010391, 0396, 0397, 0398, 0416, 0417, 0418, 0449, 0599, 0701, 0711, 0761, 0809, 0836, 0973, मकराना, 138030700000697, 0967, 0968, 1096, 1133, 1192, 1208, 1257, 1347, 1543, 1544, 1568, 1599, 1601, 1610, 138030730010883, 0961, 1047, 2842, 3769, 4243, 4752, 6739, 7194, 7768, 8337, 8447, 9349, 138030730022478, 2494, 2601, 2603, 2656, 2913, 3434, तहसील चौक, 115510700016050, 6141, 6142, 6143, 6172, 6240, 6391, 6542, 6567, 6686, 6701, 6840, 6885, 6896, 6911, 6925, 7013, 7022, 7123, 7226, 7284, 7369, 7397, 7409, 7462, 7495, 7579, 7659, 7842, 7879, 8061, 8078, 8079, 8085, 8086, 8089, 8090, 8095, 8100, 8107, 8112, 8131, 8132, 8134, 8137, 8141, 8142, 8143, 8146, 8153, 8158, 8159, 8160, 8164, 8174, 8189, 8190, 8198, 8203, 8208, 8212, 8215, 8216, 8224, 8227, 8232, 8238, 8239, 8243, 8247, 8248, 8251, 8261, 8266, 8285, 8287, 115510730014772, 6010, 6163, 6180, 6571, 8328, 8603, 8604, 9660, 115510730020071, 0348, 0351, 0381, 0435, 0534, 0570, 0602, 0661, 0711, विजय वल्लभ चौक नागौर, 138430700000423, 0611, 0834, 0870, 0963, 0972, 0990, 1080, 1102, 1105, 1109, 1117, 1122, 1123, 1131, 1132, 1148, 1157, 1159, 1162, 138430730004645, 4887, 5057, 6421, 6516, 6544, 6550, 6595, 6596, 6626, 6629, 6630, सीकर, बजाज रोड सीकर, 111830700037524, 7638, 7647, 7716, 7744, 7795, 7856, 8131, 8159, 8186, 8240, 8416, 8426, 8547, 8719, 8723, 8796, 8869, 8870, 8896, 9049, 9165, 9170, 9218, 9282, 9515, 9550, 9552, 9553, 9557, 9558, 9559, 9562, 9573, 9578, 9581, 9583, 9584, 9588, 9589, 9596, 9598, 9599, 9602, 9607, 9614, 9618, 9624, 9628, 9635, 9636, 9640, 9685, 9756, 111830730053267, 4752, 4901, 5555, 6918, 6936, 6937, 6939, 6967, 6985, 6986, 7012, 7016, 7062, 7090, 7092, 7412, 7419, 7504, 7514, 7525, 7571, 7600, 7878, 8057, 8324, 9057, 9114, 9115, 9829, 111830730060382, 0523, 0710, 1291, 1395, 1753, 3077, 3570, 3701, 3756, 3902, 4558, 4563, 5370, 5374, 6538, 6749, 6818, 9268, 9426, 9480, 9712, 9717, 9757, 9825, 9830, 9835, 9856, 9872, 9875, 9876, 9877, 9880, 9889, 9907, 9908, 9930, 9950, 9951, 9986, 9987, 111830730070001, 0002, 0015, 0071, 0456, 0516, फतेहपुर राजस्थान, 135330700009304, 9317, 9377, 9389, 9510, 9555, 9639, 9656, 135330700010016, 0018, 0019, 0027, 0034, 0036, 0043, 135330730024879, 5449, 5751, 5752, 6269, 6765, 7217, 8246, 8258, 8537, श्रीमाधोपुर राजस्थान, 135520700006702, 6815, 6932, 7061, 7261, 7329, 7331, 7362, 7735, 7736, 7744, 7746, 7747, 7749, 7754, 7765, 7771, 7775, 7779, 7783, 7787, 7795, 7801, 7803, 7814, 7815, 7825, 7826, 7829, 7830, 7835, 7837, 7838, 7841, 135520730035551, 7200, 7201, 7736, 7909, 8124, 9113, 9982, 135520730040210, 0405, 1730, 1731, 2087, 4679, 4787, 4932, 4955, 5523, 6542, 6545, 6974, 8601, 9524, 9977, 9988, 135520730050003, 0009, 0010, 0022, 0083, 0101, 0102, 0112, 0143, 0144, 0157, 0158, 0159, 0160, 0242, 0252, 0291, 0406, 0567, 0610, 0699, 0719, 0807, 0821, 0822, 0823, 0859, 0868, 0880, 0888, 0913, 0930, 0955, 0963, 0968, 0973, 1045, 1049, 1050, 1112, 1115, 1128,

उपरोक्त नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यक्तियों को निम्नलिखित का पालन करना होगा:- इच्छुक बोलीकर्ताओं को ईएमडी के रूप में रू.10,000/- नीलामी के दिन नकद जमा कराना होगा (असफल बोलीकर्ताओं को बाद में लौटा दिया जाएगा). बोलीकर्ता को वैध पहचना प्रमाण/पैन कार्ड साथ लेकर आना होगा. अधिक जानकारी के लिए कृपया 9072604049 पर संपर्क करें.

अधिकृत अधिकारी
मणप्पुरम फायनेंस लि. हेतु.

प्रशासन शहरों के संग शिविर में कलेक्टर ने बांटे पट्टे, कैम्प के दिन ही बकाया घरेलू कनेक्शन देने को कहा

सादुलपुर, (निसं)। जिला कलेक्टर साँवर मल वर्मा ने बुधवार को राजगढ नगर पालिका के वार्ड 22 के लिए जयनारायण चंगोईवाला स्कूल में आयोजित प्रशासन शहरों के संग अभियान का निरीक्षण किया और राज्य सरकार के निर्देशानुसार आमजन को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। अभियान से जुड़े कई कार्यों में अपेक्षित उपलब्धि नहीं मिलने पर जिला कलक्टर ने नाराजगी जाहिर की और कहा कि अभियान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

प्रशासन शहरों के संग अभियान के दौरान नगपालिका क्षेत्र राजगढ़ के वार्ड 22 में लिए लगाये गये शिविर का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश देते जिला कलेक्टर सांवरमल वर्मा।

- **अभियान से जुड़े कई कार्यों में अपेक्षित उपलब्धि नहीं मिलने पर कलेक्टर ने नाराजगी जाहिर की और कहा कि अभियान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी**

जिला कलेक्टर ने इस दौरान शिविर में विभिन्न विभागों की ओर से लगाए गए काउंटरों का निरीक्षण किया और नगर पालिका की ओर से दिए जाने वाले लाभ की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुकूल आमजन को शिविरों में पूरा लाभ मिलना चाहिए। नगर पालिका और विभिन्न विभागों की न्यून प्रगति पर उन्होंने नाराजगी जाहिर की और कहा कि पार्षद आदि जनप्रतिनिधियों को शिविरों में सक्रिय रूप से सहभागी बनाएं और समुचित प्रचार-प्रसार करते हुए बेहतर प्री कैम्प एक्सरसाइज कर आमजन को अभियान का समुचित लाभ दिया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस अभियान को लेकर अत्यंत गंभीर है तथा मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव के स्तर से निरंतर अभियान की प्रगति की समीक्षा की जा रही है। शिविर में जोधपुर डिस्कॉम के सहायक अभियंता ने अवगत कराया कि शहर में घरेलू कनेक्शन के लिए सामग्री उपलब्ध नहीं है, इस पर जिला कलक्टर ने अधीक्षण अभियंता को दूरभाष कर सामग्री उपलब्ध करवाने और शिविर के दिन ही बकाया घरेलू कनेक्शन देने के निर्देश दिए।

जिला कलक्टर ने इस दौरान अमित कुमार, बबिता, परीक्षित सिंह, नरेश पूनिया, कृष्ण कुमार को आवासीय पट्टे प्रदान किये। पट्टा पाकर नरेश पूनिया ने कहा कि 2016 से वे पट्टा बनवाने के प्रयास में थे लेकिन शिविर में उनका काम हुआ है। जिला कलेक्टर ने शिविर में मौजूद जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों से कहा कि वे जागरूक होकर शिविरों का लाभ उठाएं तथा समाज के अंतिम छोर तक सरकार की योजनाओं को पहुंचाएं। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष रजिया गहलोत, रिटायर्ड एएसपी नियाज मोहम्मद, एडवोकेट पुष्पकान्त शर्मा, सहायक निदेशक (जनसम्पर्क) कुमार अजय, शिविर प्रभारी प्रकाश चन्द्र खीचड, पार्षद मुश्ताक खान, भानीराम पूनिया, प्रकाश खीचड, राकेश धायल, जलदाय विभाग के अधिशाषी अभियंता रामकुमार झाझडिया सहित अधिकारी, जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

कलेक्टर ने ढाणी मौजी में सुनीं समस्याएं

सादुलपुर, (निसं)। प्रशासन गांवों के संग अभियान में राजगढ़ ब्लॉक के ढाणी मौजी में बुधवार को लगे शिविर में पहुंचे जिला कलक्टर साँवर मल वर्मा ने तसल्लीपूर्वक लोगों की समस्याएं सुनीं और ग्रामीणों से संवाद कर अभियान के संबंध में फीडबैक लिया। जिला कलक्टर ने इस दौरान ग्रामीणों को पट्टे वितरित किये। इस मौके पर जिला कलक्टर ने विभिन्न विभागों की ओर से लगाई गई स्टाल का निरीक्षण किया और वहां नियुक्त अधिकारी-कर्मचारियों से बातचीत कर शिविर में दिए जा रहे लाभ की जानकारी ली। जिला कलक्टर ने इस दौरान विभागीय अधिकारियों कर्मचारियों से कहा कि वे राज्य सरकार की मंशा के अनुसार ग्रामीणों को शिविरों का लाभ दें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री इस अभियान को लेकर अत्यंत गंभीर हैं तथा अभियान की निरंतर राज्य स्तर से समीक्षा हो रही है। इसलिए कोई भी कार्मिक अभियान के दौरान किसी प्रकार की शिथिलता नहीं बरतें। उन्होंने ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी और कहा कि वे जागरूक होकर शिविरों का लाभ उठाएं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में पंजीकृत परिवार को पांच लाख रुपये तक की स्वास्थ्य सेवाएं निजी अस्पतालों में कैशलेश ढंग से दी जा रही है। ग्रामीणों को इसका लाभ उठाना चाहिए।

सार-समाचार

लोहिया कॉलेज में हुआ रक्तदान शिविर

चूरू, (कासं)। बुधवार को लोहिया महाविद्यालय में सेठ कन्हैयालाल लोहिया की स्मृति में वर्तमान में जारी डेंगू प्रकोप के मद्देनज़र कॉलेज की एन.सी.सी. व एन.एस.एस. इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारम्भ लोहिया परिवार के प्रतिनिधि हुकमीचंद लोहिया, एनसीसी अधिकारी कर्नल पंकज, कर्नल रमेश, प्राचार्य प्रो, महावीर सिंह, एनएसएस जिला समन्वयक डॉ जे.बी. खान, वरिष्ठ संकाय सदस्य प्रो. सुरेश कुमार, डॉ. मंजु शर्मा व एनएसएस व एनसीसी अधिकारियों ने किया। इस अवसर पर चूरू जिले में रक्त दान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए अमजद तुगलक और डॉ. वासुदेव चावला को भी सम्मानित किया गया। महाविद्यालय एनसीसी प्रभारी अधिकारी ले. हेमंत मंगल ने बताया कि बुधवार को शिविर में 35 यूनिट रक्तदान किया गया। एनएसएस समन्वयक शांतनु डाबी ने बताया कि कैंप में एनसीसी कैडेट्स व एनएसएस स्वयंसेवकों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। महाविद्यालय के डॉ. हेमंत मंगल, प्रो. जावेद खान, नरेश शेखावत, राजीव मीणा व नरपत सिंह ने भी रक्तदान किया। इस अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रो. जावेद खान, डॉ. रवि अग्रवाल, प्रो लालचंद चाहर व प्रो. विनीत ढाका व स्टोर प्रभारी नरेश शेखावत ने आयोजकीय भूमिका निभाई।

भाषण में सोमवीर प्रथम रहा

सादुलपुर, (निसं)। नेहरु युवा केंद्र जिला युवा अधिकारी एमआर जाखड के निर्देशन मे बुधवार को राजगढ ब्लॉक स्तरीय भाषण प्रतियोगिता रा.उ.माध्यमिक विद्यालय डोकवा मे हुई। कार्यक्रम संयोजक मंजित जागीड ने बताया कि ब्लॉक स्तर पर विजेता प्रतिभागी जिला स्तरीय प्रतियोगिता मे भाग ले सकेंगे। इसी दौरान निर्णायक डॉ. सोमवीर सरावग, व्याख्याता राजेश व बिमला चौधरी थी। संस्था प्रधान डॉ. सोमवीर सरावग ने विद्यार्थियों को सह शैक्षणिक गतिविधियो में हिस्सा लेने का आह्वान किया। एनवाईवी जितेन्द्र सिंह महला ने बताया की प्रतियोगिता में 46 विद्यार्थी शामिल हुए तथा साथ ही विजेताओं को मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर मोहता कोलेज के प्रधान रमेश धिंधवाल, पूर्व प्रधान मजित रणवा, छात्र नेता कृष्ण भाकर, जयवीर स्वामी, बीडीसी मेम्बर प्रमिला, शुभराम धिंधवाल, सुनिल शर्मा व अनिल मिणा सहीत विद्यालय स्टाफ और युवाओं ने सहयोग किया।

344 दिनों से किसानों का धरना जारी

सुजानगढ़, (निसं)। एमएसपी कानून बनाने व लोकसभा में कृषि कानून बिलों को खारिज करने की मांग को लेकर उपखण्ड कार्यालय के बाहर 344 दिनों से चल रहे धरने प्रदर्शन पर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई। इसके पश्चात राष्ट्रपति के नाम उपखण्ड कार्यालय में ज्ञापन देकर किसानों को उपज की खरीद के लियव न्यूनतम समर्थन मूल्य तथा बिक्री के लिए अधिकतम मूल्य निर्धारित करने की मांग की गयी । इस अवसर पर किसान केसरी छोटूराम की जयंती पर किसान मजदूर दिवस मनाया गया। इस अवसर पर एडवोकेट राजकुमार मेघवाल, मुमताज, जितेंद्र भार्गव, सोहिल गोपालपुरिया, केशरदेव गोदारा, पूनमचंद मेघवाल, मो.अजरुदीन गौरी, सोहिल गोपालपुरिया मौजूद रहे।

भूमिका ने प्रदर्शित किया मॉडल

झुंझुनूं, (निसं)। स्थानीय गणपति नगर स्थित राजस्थान पब्लिक उच्च माध्यमिक विद्यालय की मेधावी छात्रा भूमिका पुत्री सत्यवीर ने जिला स्तरीय वर्चुअल विज्ञान मेले में मॉडल प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रधानाचार्य शुभकरण खीचड ने बताया कि विद्यालय स्तर पर आयोजित विज्ञान मेले में भूमिका प्रथम स्थान पर रहीं। उन्होंने बातया कि बुद्धवार को वर्चुअल तकनीकी में हिस्सा लेकर अपने द्वारा बनाए मॉडल के साथ प्रस्तुतीकरण दिया। आयोजन प्रभारी के निर्देशन में गुगल मीट के माध्यम से छात्रा ने अपना मॉडल दिखाते हुए पर्यावरण अनुकूलन सामग्री विषय पर लाइव प्रस्तुतीकरण दिया। संस्था सचिव इंजी. पीयूष ढूकिया ने भूमिका को जिला स्तर पर प्रतिनिधित्व करने पर हार्दिक बधाई दी व उज्ज्वल भविष्य की कामनाएं की।

आज 8 ग्राम पंचायतों में लगेंगे शिविर

झुंझुनूं, (निसं)। प्रशासन गांवों के संग अभियान के तहत जिले में गुरूवार को 8 ग्राम पंचायतों में शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जिला कलेक्टर यूडी खान ने बताया कि 25 नवंबर को ग्राम पंचायत कासिमपुरा, मौजावास, कांट, महपालवास, गादली, बडाऊ, गुढा, नवलडी में शिविर आयोजित होंगे।

फ़िल्म निर्माता, निर्देशक व कहानीकार श्याम सोनी नहीं रहे

कोलसिया, (निसं)। खेतडी निवासी व मुंबई प्रवासी फ़िल्म निर्माता व निर्देशक श्याम सोनी का दिल्ली में देहावसान हो गया है।सोमवार को खेतडी में उनका दाह संस्कार किया गया। वे कई वर्षों तक मुंबई में रहे थे। पहली संस्कृत फिल्म मुद्राराक्षस इनके निर्देशन में वर्ष 2006 में बनी थी। इसके अलावा उन्होंने अनेक धारावाहिक एवं फिल्मों की स्क्रिप्ट भी लिखी। इनकी फ़िल्म पप्पू पास हो गया 2007 में रिलीज हुई थी। जिसमें जैकी श्राफ, कृष्णा अभिषेक, कश्मीरा शाह आदि ने अभिनय किया था। जिसका प्रीमियर शो मुंबई स्थित जुहू में हुआ था। वे बहुत ही मिलनसार व्यक्तित्व वाले थे। इनके निधन पर स्वर्णकार सेतू के प्रधान संपादक डॉ. प्रकाश सोनी, जुगल के नायक, शिरीषकुमार, क्षितिजकुमार, झुंझुनूं अध्यक्ष राकेश कड़ेल, सांवरमल डांवर, श्रीराम भामा, गुढागौड़जी अध्यक्ष ओमप्रकाश सोनी, महेश डांवर, प्रभुदयाल छापरवाल, दिनेश नारनौली, सुरेंद्र सोनी, श्यामसुंदर बबेरवाल, पत्रकार रामावतार सोनी, राकेश सोनी, केएल सोनी चौमूं, चिरंजीव कुमावत, अनुराग शर्मा आदि ने गहरा दुख प्रकट किया है।

विधायक डॉ. पूनिया ने किया मूर्ति स्थापना का अनावरण

माध्यमिक विद्यालय बींजावास राजगढ़ में मां सरस्वती मूर्ति स्थापना का अनावरण करती सादुलपुर विधायक डॉ कृष्णा पूनियां।

सादुलपुर, (निसं)। राजकीय माध्यमिक विद्यालय बींजावास राजगढ चूरू में माँ सरस्वती मूर्ति स्थापना का अनावरण पद्मश्री डॉ कृष्णा पूनिया विधायक सादलपुर एवं विशिष्ट अतिथि अतिथि दीवान सिंह सुरा एसीबीओ एवं मुकेश सरपंच ग्राम पंचायत बींजावास राजगढ के द्वारा किया गया।

इस कार्यक्रम में स्व. जय सिंह शर्मा धेरड की धर्मपत्नी विमला देवी एवं उनके पुत्रों तथा गांव के प्रमुख व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में विधायक ने विद्यालय को उच्च माध्यमिक विद्यालय में क्रमोन्नत करने को कहा तथा दो कक्षा-कक्ष निर्माण करने को कहा गया। वहीं बाहर से आए हुए मेहमान सुमन प्रधानाचार्य, राजेंद्र कालरी, प्रमिला सरपंच कालरी तथा शाला प्रधान दुलीचंद के द्वारा तथा सभी ग्रामीणों द्वारा मेहमानों का स्वागत किया गया। संचालन राजेश कुमार व.अ. द्वारा किया गया।

अनावरण डॉ. कृष्णा पूनिया विधायक अध्यक्षता, मुकेश पूनिया सरपंच बींजावास, विशिष्ट अतिथि दीवान सिंह सूरा एसीबीओ, अयाज मोहमद, संचालक राजेश पूनिया आदि ने किया। इस अवसर पर जय सिंह, सुमेर सिंह, जय भगवान शर्मा, प्रेम पूनिया, अभयसिंह, करणवीर, रमेश अ., मुंशी राम शर्मा, अमर सिंह, महावीर, ईश्वर, राधेश्याम, घनश्याम, महेंद्र, सोनू, रामनिवास पूर्व सरपंच, सुरेंद्र पूर्व सरपंच मंदरूप मेहताब, ताराचंद, जागेराम, गुनिराम व सिन्धोखी देवी आदि मौजूद रहे ।

'स्वच्छता सर्वेक्षण में खेतड़ी होगा देश में नंबर वन'

खेतड़ी, (निसं)। समाधान एंड्राइड मोबाइल एप के माध्यम से ठामीण स्वच्छता समस्याओं को अपलोड करके स्वच्छता सर्वेक्षण में खेतडी नगरपालिका व शहर को भारत में नंबर वन स्थान दिलाने में अपनी भागीदारी निभा सकते हैं। इस मोबाइल एप के जरिए खेतडी नगरपालिका स्वच्छता को लेकर देश में नंबर वन आ सकती है। यह बात बुधवार को नगर पालिका अध्यक्ष गीता सैनी ने खेतडी समाधान एप की लॉन्चिंग के दौरान कही। वह कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थी। विशिष्ट अतिथि पार्षद लीलाधर सैनी, पार्षद महावीरप्रसाद सैनी, पार्षद राहुल सैनी, पार्षद सुगनाराम गुर्जर, पार्षद विजेश सैनी, बेणीशंकर सैनी, पार्षद हर्मेंद्र चनानिया, पार्षद नगेंद्र सोढा, ईश्वर पांडे विशिष्ट अतिथि तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता पालिका ईओ प्रमोद जांगिड ने की। इस दौरान पालिका ईओ ने बताया कि खेतडी समाधान एप एक ऐसा एप है। जिसके माध्यम से पास पडौस पडे कचरे, बिजली व अन्य समस्याओं को लेकर पूरी जानकारी नगरपालिका को दे सकते हैं।

- **खेतड़ी समाधान एंड्रायड मोबाइल एप की लॉन्चिंग हुई**

अभिभाषक संघ की ओर से दिया जा रहा धरना 16वें दिन भी जारी

चिड़ावा में एडीजे के स्थानांतरण को लेकर अनिश्चितकालीन धरना व कोर्ट के कार्य का बहिष्कार कर आंदोलन किया जा रहा है।

चिड़ावा, (निसं)। अभिभाषक संघ चिड़ावा की ओर से एडीजे कोर्ट के कार्य बहिष्कार एवं अनिश्चितकालीन धरना 16 दिन हो गए। 16वें दिन भी धरना जारी रहा।

यहां एडीजे के स्थानांतरण को लेकर अनिश्चितकालीन धरना व कोर्ट के कार्य का बहिष्कार कर आंदोलन किया जा रहा है। जिलेभर के वकीलों ने कार्य बहिष्कार का समर्थन करते हुए बुधवार को कार्य बहिष्कार किया। धरने पर रामकुमार झाझड़िया, लक्ष्मी चाहर, विनोद डांगी, दीपक स्वामी, दीपक शर्मा, रोबिन शर्मा, लोकेश शर्मा, भीम सिंह सैनी, शीशराम झाझड़िया, नयन कमल भारतीय सहित कई अधिवक्ता मौजूद रहे। मांग नहीं माने जाने पर आंदोलन को जल्द ही तेज किया जाएगा।

- **एडीजे दीपक सोनी के व्यवहार से खफा हैं वकील**
- **वकील एडीजे दीपक सोनी को हटाने की कर रहे मांग**

तीन और ब्लॉक में गठित किये जायेंगे किसान उत्पादक संगठन

सीकर, (निसं)। 10000 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के गठन और संवर्धन हेतु केंद्रीय क्षेत्र योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय निगरानी समिति की तीसरी बैठक मुख्य कार्यकारी अधिकारी-जिला परिषद सीकर, सुरेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

सहायक महाप्रबंधक, नाबार्ड एवं सदस्य सचिव जिला स्तरीय निगरानी समिति (डी-एमसी), एम एल मीना ने सभी सदस्यों का बैठक में स्वागत करते हुये बताया कि सीकर जिले के धोद एवं पीपराली ब्लॉक मे प्याज व मटर हेतु किसान उत्पादक संगठनों के गठन और संवर्धन के लिये क्लस्टर आधारित व्यापार संगठन के रूप मे इंडियन ठाामीण सर्विसेज का चयन किया गया हैं एवं लक्ष्मणगढ ब्लॉक में चौला/लोबिया, श्रीमाधोपुर ब्लॉक में तरबूज हेतु सिनर्जी क्रॉपसाइंस प्राइवेट लिमिटेड का चयन किया गया है। इस अवसर पर समिति द्वारा वित्तीय वर्ष 2021-22 हेतु 3 नये ब्लॉक यथा पलसाना ब्लॉक में सरसों, खण्डेला ब्लॉक में चना एवं तारामीरा तथा पाटन ब्लॉक में कोल क्रॉप्स एवं सरसों का अनुमोदन किया गया। सहायक महाप्रबंधक, नाबार्ड ने किसान उत्पादक संगठन और 10,000 एफपीओ के गठन और संवर्धन के लिए केंद्रीय क्षेत्र की योजना के को बताते हुए कहा कि किसान उत्पादन संगठन के संवर्धन के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु नए एफपीओ को वित्तीय सहायता अधिकतम 18 लाख रुपये प्रति एफपीओ या वास्तविक, जो भी कम हो, गठन के वर्ष से तीन वर्षों के दौरान प्रदान किये जाने का प्रावधान हैं।

- **जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक का आयोजन**

कृषि भूमि को गैर मुमकिन आबादी घोषित करने की मांग

सूरजगढ़, (निसं)। प्रशासन शहरों के संग अभियान में आ रही अड़चनों को दूर करने के लिए चेयरमैन पुष्पा सेवाराम गुप्ता ने सकारात्मक कदम उठाते हुए सूरजगढ़ शहर मैं सैकड़ों वर्षों पुरानी बसी आबादी को गैर मुमकिन आबादी घोषित कराने के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल को ज्ञापन देकर मांग की है। चेयरमैन पुष्पा सेवाराम गुप्ता ने बताया कि सूरजगढ़ शहर में सैकड़ों वर्षों पुरानी आबादी बसी हुई है। जहां 113 खसरे आज भी रिकॉर्ड में कृषि भूमि दर्ज है। जिसके चलते आमजन को 69 क का पट्टा नहीं दे पा रहे। जिसको लेकर एंपावर्ड कमेटी बैठक की गई। इसके अलावा 113 खसरों को गैर मुमकिन आबादी घोषित करने के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल को ज्ञापन सौंपा गया है।

सचिन पायलट करोड़ों युवाओं के हृदय सम्राट हैं : महनसरिया

चूरू, (कासं)। प्रदेश कांग्रेस सदस्य एवं चूरू नगर परिषद के पूर्व सभापति गोविंद महनसरिया ने कहा है कि राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट करोड़ों युवाओं के हृदय सम्राट हैं।

महनसरिया ने आज नई सड़क पर कांग्रेस जनों की एक बैठक में निर्दलीय विधायक रामकेश मीणा द्वारा पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट के खिलाफ की गई टिप्पणी की पुरजोर शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि रामकेश मीणा की अशोभनीय टिप्पणी से करोड़ों युवाओं की भावनाओं को ठेस पहुंची है। महनसरिया ने कहा कि पायलट ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद पर रहते हुए कड़ी मेहनत की दिन-रात एक किया, धूप छांव नहीं देखा, भूख प्यास की परवाह नहीं करके भाजपा की गलत नीतियों के खिलाफ पूरे प्रदेश में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को साथ लेकर धरना, प्रदर्शन, रैलियां, आम सभाएं करना और 100-100 किलोमीटर की पदयात्रा करना व जनता के दुख तकलीफ में बराबर भागीदार रहकर कांग्रेस के पक्ष में माहौल बनाया था।

महनसरिया ने कहा कि आज उसी का परिणाम है कि कांग्रेस की 21 सीटों से 100 पार होकर हम कांग्रेसी सत्ता में हैं। यह सब पायलट साहब की देन है, इसलिए पायलट साहब की आलोचना नहीं प्रशंसा करें व कांग्रेस की रीति-नीति से हटकर बयान बाजी ना करें। इस अवसर पर अमर सिंह दनेवा, लक्ष्मण सिंह न्योल, रामकिशन स्वामी, सतवीर बेनीवाल, ताराचंद बांठिया, महावीर झाझडिया, कालू महर्षि, मोहन टेलर, नवाब खान दौलत खानी, इदु खां व आसाराम बसेर सहित अनेक कांग्रेसी मौजूद थे।

केंद्रीय विद्यालय के छात्र का आईआईटी में चयन हुआ

उदयपुरवाटी, (निसं)। केन्द्रीय विद्यालय इंद्रपुरा के छात्र प्रतीक कुमार का आई आईटी में चयन होने पर विद्यालय के प्राचार्य रवींद्र कुमार ने प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया।

विद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि 2020 की बोर्ड परीक्षा के विद्यालय टॉपर प्रतीक कुमार ने आईआईटियन बनकर विद्यालय और अपने परिवार का नाम रोशन किया है। उसकी यह सफलता विद्यालय के लिए दूसरे विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। पिलानी निवासी प्रतीक के पिता रवींद्र कुमार केन्द्रीय विद्यालय इंद्रपुरा में गणित व्याख्याता के पद पर कार्यरत है और मां ग्रहणी है। उनका कहना है कि प्रतीक ने आईआईटियन बनकर अपने दादा-दादी के सपने को साकार किया है। वह अपनी सफलता का श्रेय विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकों एवं माता पिता के मार्ग दर्शन को दिया है।

जाखल बाइपास सड़क का कार्य प्रारंभ होने पर खुशी से झूमे जाखलवासी, रास्ता किया दुरुस्त

गुढ़ागौड़जी, (निसं)। जाखल गांव में बाईपास सडक नहीं होने से आवागमन करने व रोगी वाहनों को गांव के मुख्य बाजार में जाम लगने से घंटों तक जाम मे फंसे रहना पड़ता था। युवा सरपंच मनोज मूंड ने बाईपास सड़क के लिए प्रयास करते हुए गत दिनों विधायक डॉ. राजकुमार शर्मा को अवगत कराया तो उन्होंने तत्काल गांव में बाईपास सडक निर्माण के लिए रास्ता निकालने के लिए गांववालों से अपील की। जिस पर ग्रामीणों ने आपसी सहमति से रास्ता निकाला। बुधवार सुबह सरपंच मनोज मूंड ने पंडित पुरुषोत्तम चोटिया से विधिवत पूजा अर्चना करवाकर जेसीबी मशीन से बाईपास सडक के लिए रास्ता दुरस्तीकरण किया गया। एक तरफ गांववाले बाइपास सडक निर्माण की खुशियां व्यक्त कर रहे थे। वहीं लोगों ने आपस में मिठाई खिलाकर ख़ुशी जाहिर की।

बाइपास सड़क निर्माण शुरू होने पर लोगों ने आपस में मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की।

गौरतलब है कि जाखल गांव काफी पुराना बसा हुआ है। यहां शिक्षा-चिकित्सा व आवागमन की समुचित सुविधाएं हैं। साथ ही व्यापारिक दृष्टि से जाखल गांव आस-पास के गावों-ढाणियों का प्रमुख केंद्र है। इसके बावजूद भी गांव में बाईपास सडक नहीं होने से गांव का सर्वांगीण विकास नहीं हो रहा था। लेकिन बुधवार को सरपंच मनोज मूंड द्वारा बाइपास सडक का विधिवत शुभारंभ कर जाखल व पास पड़ौस के ढाणियों व दूरदराज से आने वाले वाहन राहगीरों को जाम से निजात मिलने के कार्य को प्रारंभ किया। जिसे सभी ने सहराया है। दिनभर जेसीबी मशीन द्वारा रास्ता दुरुस्त किया गया। बाइपास सडक गांव की मुख्य समस्या थी।

बाइपास सडक के शुभारंभ के अवसर पर पंचायत समिति सदस्य समुंदरलाल, डॉ. श्रवणसिंह, महेंद्रसिंह, ओमप्रकाश सोनी, बजरंगलाल मूंड, राजेश मूंड, सूबेदार प्रहलाद जाखड, भोलाराम, रफीक, संतकुमार शर्मा, राजूसिंह शेखावत, रामधन कुमावत, रमेश जांगिड, अरविंदसिंह, मो. शरीफ, महबूब अली, इकबाल व्यापारी, डॉ. सुनिल मूंड, श्याम मंदिर पुजारी कपिल महाराज, नेतराम डांगी, अम्मीलाल मीणा, इकबाल मनियार, सुनिल खेदड, अनिलसिंह, रोहिताश्व कुमार खेदड, वार्ड पंच मनोज, बुधराम, असगर मणियार, मो. जावेद, मो. सबीर सहित अनेक बडे बुजूर्ग व युवा वर्ग मौजूद थे।

- **ग्रामीणों ने मिठाई बांटकर मनाई खुशियां, विधायक डॉ. शर्मा व सरपंच का जताया आभार**

चिरंजीवी स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

पाटन, (निसं)। ग्राम पंचायत नयाबास में मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थय शिविर बुधवार को नीमकाथाना विधायक सुरेश मोदी के कर कमलो द्वारा शुभारंभ किया गया। विधायक मोदी ने कहा की क्षेत्र मे स्वास्थय सेवाओं मे को कमी नही आने दी जाएगी, शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सक अपनी सेवाएं देगे। शिविर में फिजिशियन, शिशुरोग, स्त्रीरोग, नेत्र रोग, दन्त रोग सम्बन्धित चिकित्सक अपनी सेवाएं देगे। साथ ही जरूरी जांच सुविधा व निशुल्क दवा भी आमजन को उपलब्ध करवा जाएगी। शिविर के दौरान टीकाकरण, नियमित टीकाकरण, चिरंजीवी योजना में पंजीकरण एवं चिकित्सा विभाग से सम्बंधित अन्य सेवाएं भी दी जाएगी। इस मौके पर उपखण्ड अधिकारी ब्रिजेश गुप्ता, तहसीलदार सतवीर यादव, बीसीएमओ डॉ अशोक यादव, कोतवाली थाना अधिकारी राजेश डूडी, प्रधान प्रतिनिधि विरेन्द्र यादव, सरपंच कमलेश देवी, पूर्व पंसस प्रवीण जाखड, पंचायत समिति सदस्य हजारीराम वर्मा, ख्यालीराम मीणा, भीमसिंह मीणा एवं समस्त ग्रामवासी मौजूद रहे।

आजीविका महिला ग्राम संगठन का गठन किया

आजीविका महिला ग्राम संगठन के गठन में उपस्थित महिलाओं माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

सादुलपुर, (निसं)। उपखण्ड क्षेत्र राजगढ की ग्राम पंचायत लिलकी के ग्राम मिठड़ी पटटा में बुधवार को एससीआरपी टीम व चूरू के मिठड़ी आजीविका महिला ग्राम संगठन का गठन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत लिलकी के सरपंच प्रतिनिधि नरसी मिठड़ी उपस्थित रहे।

सरपंच प्रतिनिधि नरसी मिठड़ी ने उपस्थित महिलाओं को महिला सशक्तिकरण के बारे में विस्तार से बताया। राजस्थान आजीविका विकास परिषद से उपस्थित कलस्टर मैनेजर सुमर भाकर सिरसला ने ग्रामीण योजना के बारे में बताया। एससीआरपी टीम के विनो द पटीर लोहसना छोटा, सुनिता लोहसना छोटा, सुप्यार कंवर खण्डवा आदि ने सात दिवसीय कार्य योजना व सरकारी योजना व वीओ के बारे में जानकारी दी। जिसमें गांव की एडब्लू महिला निर्मला, वीओ के पदाधिकारी मन्जू, सुनिल, ज्योति व वीए सुमन आदि उपस्थित रही।

परसादी बोले शराब पीनी है तो सरकारी पिए, गुढ़ा ने कहा सड़कें तो कैटरीना के गालों जैसी बनें

राजस्थान में मंत्रिमंडल पुनर्गठन के बाद मंत्रियों के बयान चर्चाओं में छाये

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान में मंत्रिमंडल पुनर्गठन के बाद जहां मंत्रियों के कामकाज को लेकर चर्चा होनी चाहिए थी, वहीं यह चर्चा उनके बयानों को लेकर हो रही है। एक मंत्री जिनके पास आबकारी विभाग का जिम्मा है, वह जहां शराब को जरूरी बताते हैं, वे कहते हैं कि जहरीली शराब पीने से मरने की बजाय शराब ही पीनी है तो सरकारी पिए। वहीं एक मंत्री अब हेमा मालिनी को बूढ़ी बताते हुए अपने विधानसभा क्षेत्र की सड़कों को कैटरीना कैफ के गालों की जैसी बनाना चाहते हैं। ऐसे में इन दोनों मंत्रियों के बयानों को लेकर जबरदस्त चर्चा हो रही है।

सबसे पहले बात की जाए आबकारी मंत्री परसादी लाल मीणा की जो कि सरकारी शराब पीने की सलाह देते हुए शराब को जरूरी भी बता रहे हैं। मीडिया से बात करते हुए आबकारी मंत्री परसादी लाल मीणा ने कहा कि शराब बंदी बिहार और गुजरात में भी लागू है, लेकिन फिर भी बिक रही है। राजस्थान को लेकिन बिहार नहीं बनने दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में शराब पर पाबंदी नहीं लगाएंगे, बल्कि लोगों को जागरूक करेंगे। पटना में शराबबंदी है, फिर भी जहरीली शराब से कितने लोग मर गए। मरने से अच्छा है कि सरकारी शराब पीएं। आबकारी विभाग संभालने वाले मंत्री परसादी लाल मीणा ने यह बातें कहीं।

बुधवार को सचिवालय में पदभार ग्रहण करते समय प्रदेश में शराबबंदी को

- **शराब बंदी बिहार और गुजरात में भी लागू है, लेकिन फिर भी बिक रही है : आबकारी मंत्री**

लेकर मंत्री परसादी लाल मीणा ने कहा कि जन जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। बजट में भी मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि 300 से 400 करोड़ खर्च कर जन जागरूकता फैलाएंगे कि जहरीली और देसी शराब ना पीएं। यदि पीना है तो सरकारी शराब पीएं, कोई दिक्कत नहीं है। हरियाणा और पंजाब में पहले शराब बंद की गई थी, जिसे दोबारा शुरू करनी पड़ी है। उन्होंने शराब को लोगों के लिए आवश्यक चीज बताते हुए कहा कि निश्चित तौर पर शराब को उपलब्ध कराया जाएगा, लेकिन जहरीली शराब पर पूरी तरह रोक रखी जाएगी। जिसको शराब पीना है सरकारी दुकान से ले वहां उचित दर में मिलेगी। परसादी लाल मीणा नई आबकारी नीति का जिक्र करते हुए कहा कि नई नीति से शराब माफिया ने राजस्थान से विदा ले ली है। पहले जिसके ऑक्शन में लॉटरी निकलती थी, वो दुकान को 20-30 लाख रुपए में सबलेट कर देता था। नई आबकारी नीति से शराब माफिया को दिक्कत हो गई है। जनता को कोई तकलीफ नहीं है। नई नीति से रेवेन्यू भी पहले से ज्यादा मिला है। राज्य सरकार का काम नीति बनाना है। सरकार की हर पॉलिसी जनहित में होगी। ऐसी कोई पॉलिसी नहीं बनाई जाएगी जिससे जनता का अहित होता है।

दूसरी ओर ग्रामीण विकास राज्य मंत्री राजेंद्र गुढा ने विधानसभा क्षेत्र में सड़कों की खस्ता हालत के बारे में शर्मनाक और विवादित बात कहते हुए पीडब्लूडी के चीफ इंजीनियर से कह दिया कि मेरे गांव में कटरीना कैफ के गालों जैसी सड़कें बननी चाहिएं।

राज्यमंत्री गुढ़ा ने इससे पहले कहा था कि सड़कें हेमा मालिनी के गालों जैसी बननी चाहिएं, फिर खुद ही बोले के हेमा मालिनी अब बूढ़ी हो गई हैं, वहां मौजूद लोगों से गुढ़ा ने मौजूदा दौर की अभिनेत्री का नाम पूछा और कहा कि मेरे क्षेत्र में कटरीना कैफ के गालों जैसी सड़कें बननी चाहिएं।

स्काउट-गाइड गांधी दर्शन से नई पीढ़ी को जोड़ें : राज्यपाल

राज्यपाल कलराज मिश्र ने बुधवार को राजभवन में स्काउट गाइड संगठन के नए पदाधिकारियों से मुलाकात की।

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि स्काउट गाइड संगठन को राष्ट्रिपता महात्मा गांधी के दर्शन और विचारों का प्रसार करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि गांधी के विचारों से नई पीढ़ी को जोड़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि गांधी दर्शन के अंतर्गत आचार व्यवहार की शुद्धता, गरीब बस्तियों में कार्य, स्वच्छता आदि में इस संगठन की अग्रणी भूमिका हो।

राज्यपाल एवं राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संस्था के मुख्य संरक्षक मिश्र बुधवार को यहां राजभवन में संस्था के नए पदाधिकारियों से मुलाकात के बाद सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संस्था को राज्य के प्रत्येक विद्यालय में स्काउट-गाइड इकाई स्थापित करने का लक्ष्य लेकर कार्य करना चाहिए ताकि व्यावहारिक रूप में इसका लाभ सभी स्तरों पर मिल सके। साथ ही, जनजातीय क्षेत्र में भी स्काउट-गाइड इकाइयां बनाने के प्रयास किए जाने चाहिए।

मुलाकात के दौरान राज्यपाल कलराज मिश्र का मुख्य सचिव एवं स्काउट गाइड संस्था के राज्य मुख्य आयुक्त निरंजन आर्य ने स्कार्फ पहना कर स्वागत किया। स्काउट-गाइड के प्रति युवाओं का रुझान बढ़ाने के लिए प्रदेश में स्काउटिंग को नये स्वरूप में स्थापित करने के लिए विशेष रूप से प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पंजीकृत स्काउट गाइड की संख्या 20 लाख तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित कर गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

रोड की चौड़ाई कितनी भी हो, अदालत ने दिए थे अतिक्रमण हटाने के आदेश : हाईकोर्ट

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने मानसरोवर मेट्रो स्टेशन से सांगानेर फ्लाईओवर के बीच करीब सात किलोमीटर की रोड पर अतिक्रमण के मामले में पूर्व में दिए आदेश पर पुनर्विचार करने से इनकार कर दिया है। अदालत ने कहा कोर्ट ने रोड की चौड़ाई के मुद्दे पर गए बिना अतिक्रमण चिन्हित कर उसे हटाने के आदेश दिए थे। जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस विनोद कुमार भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश न्यू सांगानेर रोड व्यापार मंडल, मानसरोवर की रिव्यू याचिका को खारिज करते हुए दिए।

रिव्यू याचिका में अदालत के गत जुलाई माह में दिए उस आदेश को संशोधित करने की गुहार की गई थी, जिसमें अदालत ने जेडीए को यहां से एक माह में अतिक्रमण चिन्हित कर तीन माह में अभियान चलाकर उसे हटाने के निर्देश दिए थे। रिव्यू याचिका में कहा गया कि अदालत ने आदेश देने से पहले प्रभावित पक्षों को नहीं सुना। मास्टर प्लान, जोनल प्लान और वास्तविक स्थिति में रोड की चौड़ाई अलग-अलग है।

प्रभारी मंत्री अब हर महीने कम से कम दो दिन जिलों में जनसुनवाई करेंगे

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर हुई राज्य मंत्रिपरिषद् की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय किए गए। बैठक में निर्णय किया गया कि मंत्री सप्ताह के प्रथम तीन दिन सोमवार, मंगलवार एवं बुधवार को जयपुर मुख्यालय पर ही रहकर जनअभाव अभियोग के निराकरण के साथ ही विभागीय योजनाओं की नियमित समीक्षा करेंगे। सभी प्रभारी मंत्रियों को अपने प्रभार वाले जिलों में प्रत्येक माह कम से कम 2 दिन का दौरा करना होगा। इस दौरान वे जनसुनवाई करेंगे और जनप्रतिनिधियों के साथ जिले की समस्याओं, राज्य सरकार की योजनाओं एवं कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन का फीडबैक लेंगे और जिला प्रशासन के साथ इन पर समीक्षा करेंगे।

मंत्रिपरिषद ने आगामी 17 दिसम्बर को राज्य सरकार के कार्यकाल के तीन वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विभिन्न परियोजनाओं एवं विकास कार्यों के प्रस्तावित लोकार्पण एवं शिलान्यास पर भी विस्तृत चर्चा की। यह निर्णय किया गया कि सभी मंत्री इस दौरान जिलों में जाएंगे और सफलता के साथ इस कार्य को सम्पादित कराएंगे। इन तीन वर्षों में

- **राज्य मंत्रिपरिषद् की बैठक में लिये महत्वपूर्ण निर्णय**
- **सरकार की तीसरी वर्षगांठ पर आमजन को मिलेगी शिलान्यास एवं लोकार्पण की सौगात**
- **एक जनवरी से प्रारंभ होगा शुद्ध के लिए युद्ध अभियान**

राज्य सरकार ने महिलाओं, युवाओं, आदिवासियों, एससी, एसटी, पिछड़े, अल्पसंख्यक सहित तमाम जरूरतमंद वर्गों की विकास में भागीदारी बढ़ाने के लिए अनेक निर्णय किए हैं। आमजन को इन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी होना आवश्यक है।

मंत्रिपरिषद ने निर्णय किया कि प्रदेश में खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम के लिए आगामी वर्ष की पहली तारीख से शुद्ध के लिए युद्ध अभियान प्रारंभ किया जाएगा। जमीनी स्तर तक इस अभियान की सफलता सुनिश्चित की जाएगी, ताकि आमजन को मिलावटी खाद्य पदार्थों के सेवन से बचाया जा सके। इसके लिए सम्बन्धित विभागों द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जाए।

बैठक में बताया गया कि राज्य सरकार निवेश के प्रवाह को बढ़ाने एवं प्रदेश के औद्योगिक विकास को गति देने के लिए आगामी 24 एवं 25 जनवरी को इन्वेस्ट राजस्थान सम्मेलन के रूप में एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम का आयोजन करने जा रही है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था को कोविड के विपरीत प्रभाव से बाहर निकलने तथा आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने में इस आयोजन से बड़ी मदद मिलेगी।

मंत्रिपरिषद ने जोर दिया कि कोविड महामारी के प्रसार को रोकने के लिए सतर्कता तथा कोविड अनुशासन की निरन्तर पालना करना जरूरी है। विगत दिनों में कोरोना संक्रमण के मामलों में कुछ वृद्धि हुई है। विद्यालयों में भी कोविड संक्रमण के मामले आए हैं जिस पर राज्य सरकार चिंतित है और प्रदेश में मेडिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर को लगातार मजबूत किया जा रहा है।

बैठक में शिक्षा मंत्री डॉ. बीडी कल्ला ने शिक्षण संस्थानों को लेकर कोविड गाइडलाइन की जानकारी दी।

बामनिया ने किया ट्रेनिंग सेंटर निर्माण कार्य का निरीक्षण

जयपुर, (का.सं.)। जनजाति क्षेत्रीय विकास राज्यमंत्री अर्जुन सिंह बामनिया ने बुधवार को यहां शिक्षा, कौशल, कौशल प्रशिक्षण और ट्रेनिंग सेंटर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान मौके पर मौजूद अधिकारियों ने उन्हें सेंटर निर्माण कार्य की विस्तार से जानकारी दी।

बामनिया सुबह सांगानेर तहसील के गांव सवाईगेटोर में निर्माणाधीन ट्रेनिंग सेंटर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान बलराम मीणा ने राज्य मंत्री को बताया कि उक्त सेंटर के निर्माण के लिए 1799.60 रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। उन्होंने बताया 1606. 97 वर्ग मीटर आवंटित भूमि पर सेंटर का निर्माण कार्य राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड द्वारा करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसके तहत बेसमेंट सहित आठ मंजिला भवन बनाया जाना प्रस्तावित है। भवन के प्रथम तल पर जनजाति क्षेत्रीय विकास राज्यमंत्री, अतिरिक्त मुख्य सचिव, आयुक्त एवं अतिरिक्त आयुक्त (तृतीय) सहित अन्य कार्यालय बनाए जाएंगे।

चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना का बेहतर प्रबन्धन करें : आर्य

जयपुर, (का.सं.)। मुख्य सचिव निरंजन आर्य ने मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना का अधिकाधिक प्रचार और बेहतर प्रबन्धन करने के निर्देश दिए हैं, ताकि इसके अन्तर्गत पंजीकृत परिवारों को सुविधाजनक चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने योजना के लिए पंजीकृत अस्पतालों की संख्या बढ़ाने और उनके द्वारा पेश किए गए बीमा दावों के समयबद्ध निपटारे की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं। आर्य बुधवार को यहां शासन सचिवालय में राजस्थान राज्य स्वास्थ्य बीमा एजेन्सी के गवर्निंग बोर्ड की छठी बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के क्रियान्वयन की स्थिति की समीक्षा के दौरान कहा कि चिकित्सा संस्थानों के बीमा दावों को बीमा कम्पनी द्वारा निरस्त किए जाने पर बड़ी संख्या में अपील के आवेदन किए जाते हैं। राज्य एजेन्सी ऐसे आवेदनों की जांच समयबद्ध रूप से पूर्ण करे।

करतारपुरा नाले की कार्य योजना पेश करने का आदेश दिया कोर्ट ने

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और जेडीए से करतारपुरा नाले में अतिक्रमण हटाने और उसे पक्का करने की कार्य योजना पेश करने को कहा है। अदालत ने कहा है कि नाले के विकास के संबंध में चार सप्ताह में पुख्ता योजना बनाकर अदालत में पेश की जाए।

जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस विनोद कुमार भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश राजेन्द्र प्रसाद शर्मा की याचिका पर दिए। याचिका में कहा गया कि करीब साढ़े चार किलोमीटर लंबे इस नाले में उचित ड्रेनेज सिस्टम का अभाव है। भूमाफियाओं ने नाले में मलबा डालकर उसे कई जगह से पाट दिया है। जेडीए ने 2014 में यह मान लिया था कि उनके पास करतारपुरा नाले का रिकॉर्ड नहीं है। नाले के संरक्षण के लिए हाईकोर्ट ने 24 अप्रैल 2015 को जेडीए व राज्य सरकार को निर्देश दिया था लेकिन उन निर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा। वहीं राज्य सरकार ने कहा कि जमीन निजी खातेदारी की है जिसकी वजह से परेशानी हो रही है। इस पर कोर्ट ने कहा कि जनहित में राज्य सरकार और जेडीए को इस संबंध में कार्रवाई करनी चाहिए।

युवा जोश से लबरेज भारतीय जीत के इरादे से उतरेंगे ग्रीनपार्क पर

कोहली, रोहित व राहुल की गैर-मौजूदगी में आज से शुरू होगा पहला टेस्ट, 5 विकेट लेते ही अश्विन तोड़ेंगे भज्जी का रिकॉर्ड

कानपुर 24 नवंबर। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में मिली 3-0 की जीत की लय को बरकरार रखने के इरादे से युवा जोश से लबरेज भारतीय टीम गुरूवार को यहां ग्रीनपार्क स्टेडियम में दो टेस्टों मैचों की श्रृखंला का आगाज करेगी।

विराट कोहली,रोहित शर्मा की गैर मौजूदगी में अजिंक्या रहाणे की कप्तानी में कीवी टीम से लोहा लेने वाली भारतीय टेस्ट टीम में अनुभव के साथ साथ युवा जोश का संगम देखने को मिलेगा। श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव और प्रसिद्ध कृष्णा अंतिम 11 में मौका मिलने पर अपने पदार्पण टेस्ट में खुद के चयन को सही साबित करने के लिये पूरा दम खम दिखायेंगे वहीं ग्रीनपार्क की पिच गेंद और बल्ले से श्रेयस अय्यर और जयंत यादव की परीक्षा लेगी। पिछले कुछ समय से फार्म के लिये संघर्ष कर रहे कप्तान रहाणे और उप कप्तान चेतेश्वर पुजारा के पास कीवी टीम के खिलाफ स्कोरबोर्ड को चलाने का खास दायित्व होगा वहीं विकेट के पीछे का जिम्मा संभालने का जिम्मा कोच राहुल द्रविड़ अनुभवी ऋद्धिमान साहा को देते है या टेस्ट में पदार्पण करने वाले श्रीकर भरत को देते हैं, यह टीम के ऐलान पर पता चलेगा।

इशांत शर्मा के नेतृत्व में उमेश यादव, मोहम्मद सिराज अथवा प्रसिद्ध कृष्णा की धारदार गेंदबाजी दर्शकों के लिये कौतूहल का विषय होगी वहीं अनुभवी रविचंद्रन अश्विन के अलावा तेज तर्रार क्षेत्ररक्षक रवीन्द्र जडेजा, अक्षर पटेल, जयंत यादव अपनी फिरकी से कीवी टीम को परेशान कर सकते हैं।

मांसपेशियों में खिंचाव की समस्या से अंतिम समय में टीम से बाहर हुये लोकेश राहुल के स्थान पर मयंक अग्रवाल और शुभमन गिल की जोड़ी भारतीय टीम के लिये बल्लेबाजी की शुरूआत कर सकती है। मयंक अब तक 14 मैचों में 45.73 की औसत से 1052 रन बना चुके है जिसमें उनके तीन शतकों में दो दोहरे शतक शामिल है। 2019 में उन्होने बांग्लादेश के खिलाफ 243 रनो का पहाड़ खड़ा किया था जबकि इससे पहले उन्होने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 215 रन बनाये थे। हालांकि शुभमन गिल के बल्ले को पहले शतक का इंतजार है मगर अब तक के आठ मैचों के संक्षिप्त करियर में उन्होने चयनकर्ताओं को खासा प्रभावित किया है।

मात्र चार टेस्ट खेलने के बावजूद दुनिया भर में अपने प्रदर्शन की धाक जमाने वाले राइट आर्म आफ ब्रेक गेंदबाज जयंत यादव के नाम टेस्ट क्रिकेट में एक खास रिकॉर्ड दर्ज है जब उन्होने नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए शतक जड़ दिया था। 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए मैच में जयंत ने 104 रनों की अहम पारी खेली थी। जयंत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अब तक एक वनडे मैच खेला है जिसमें उन्होने चार ओवर में महज आठ रन देकर मार्टिन गुप्तिल को चलता किया था।

पिच क्यूरेटर शिव कुमार के अनुसार ग्रीनपार्क की पिच शुरूआत के दो दिन सुबह के सत्र में तेज गेंदबाजों को मदद कर सकती है हालांकि समय के साथ साथ पिच का व्यवहार फिरकी गेंदबाजों के पक्ष में ज्यादा दिख सकता है। पिच को टेस्ट मैच के अनुरूप ढाला गया है जिसमें बल्लेबाजों को भी अपना प्रदर्शन निखारने का भरपूर मौका मिलेगा। सोमवार को यहां पहुंचने के बाद कोच राहुल द्रविड़ और कप्तान रहाणे पिच का जायजा लेने मैदान पहुंच गये थे जबकि मंगलवार को इन दोनो के अलावा गेंदबाजों ने पिच का बारीकी से निरीक्षण किया।

भारत और न्यूजीलैंड की टीमों ने मंगलवार को नेट पर पसीना बहाया और आज सुबह के सत्र में भी भारतीय टीम नेट प्रैक्टिस कर रही है जबकि दोपहर में कीवी टीम मैदान पर अभ्यास करने आयेगी। दोनो टीमें गुरूवार को मैच से पहले अपने अंतिम एकादश की घोषणा करेंगी।

प्रदर्शन के लिहाज से ग्रीनपार्क पर भारतीय टीम का प्रदर्शन उम्दा रहा है। यहां खेले गये कुल 22 टेस्ट मैचों में भारत को सात में जीत मिली है जबकि तीन में उसे हार का स्वाद चखना पड़ा है। शेष 12 मैचों में हार जीत का फैसला नहीं हो सका। जीत की बात की जाये तो भारतीय टीम ने यहां दो-दो बार ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका को हराया है जबकि 2009 में टीम को श्रीलंका के खिलाफ पारी और 144 रन से जीत हासिल हुयी थी। ग्रीनपार्क मैदान पर एक पारी में सर्वश्रेष्ठ स्कोर का रिकार्ड भी भारत के पास है।

पाक के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले महमूदुल्लाह ने लिया संन्यास

नई दिल्ली, 24 नवम्बर। पाकिस्तान के खिलाफ शुरू हो रही टेस्ट सीरीज से पहले बांग्लादेश को बड़ा झटका लगा है। बांग्लादेश टीम के स्टार ऑलराउंडर महमूदुल्लाह ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है।हालांकि, महमुदुल्लाह वनडे और टी-20 के फॉर्मेट में बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व करते हुए नजर आएंगे। बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच पहला टेस्ट 26 नवंबर से खेला जाना है।महमूदुल्लाह ने टी-20 विश्व कप में बांग्लादेश टीम की कमान भी संभाली थी। इस टूर्नामेंट में बांग्लादेश सुपर-12 के अपने सभी मुकाबले हारा था। महमूदुल्लाह के टेस्ट करियर की शुरुआत वेस्टइंडीज के खिलाफ 2009 में हुई थी। इस सीरीज से ठीक पहले वेस्टइंडीज टीम के कई सीनियर खिलाड़ी बोर्ड के खिलाफ हड़ताल पर चले गए थे और वेस्टइंडीज को एक युवा टीम के साथ मैदान पर उतरना पड़ा था। बांग्लादेश टीम ने इस सीरीज में 2-0 से जीतकर इस फॉर्मेट में अपनी पहली विदेशी सीरीज जीती थी। महमूदुल्लाह ने अपने टेस्ट करियर में 50 मैच खेले हैं और 33.49 की औसत से 2914 रन बनाए हैं। महमूदुल्लाह ने अपने करियर में 5 सेंचुरी और 16 हाफ सेंचुरी भी जमाई हैं, साथ ही महमूदुल्लाह के नाम टेस्ट क्रिकेट में 43 विकेट भी हैं। बांग्लादेशी स्टार ने संन्यास का ऐलान करते हुए कहा है कि वो हमेशा से अपने करियर के अच्छे पलों में टेस्ट क्रिकेट को छोड़ना चाहते थे और शायद यह उनके लिए इस फॉर्मेट से संन्यास लेने का सही वक्त है। महमूदुल्लाह ने कहा, "मैं बांग्लादेश के लिए वनडे और टी-20 में अपना अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगा।"

अहिका और साथियान अगले दौर में, मनिका और शरत हारे

ह्यूस्टन, 24 नवंबर। अमेरिका के ह्यूस्टन में मंगलवार से शुरू हुई आईटीटीएफ विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2021 के फाइनल में भारत की मिलीजुली शुरुआत रही। पहले दिन जहां अहिका मुखर्जी और जी साथियान ने अपने-अपने प्रतिद्वंद्वियों को हरा कर 64वें दौर में प्रवेश किया, वहीं मनिका बत्रा और शरत कमल अपने-अपने मैच हार गए।

अहिका ने मिस्त्र की फराह अब्देल अजीज पर 4-2 (11-7, 14-16, 8-11, 11-6, 11-9, 11-6) से आसान जीत दर्ज की और महिला एकल के 64वें राउंड में अपना स्थान सुनिश्चित किया। उनका अगला मुकाबला जापान की हिना हयाता से होगा।

वहीं पुरुष एकल में जूनियर विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता साथियान ने 128वें राउंड में यूक्रेन के यारोस्लाव जमुदेंको को सीधे सेटों में 4-0 (11-2,11-9,11-4, 11-3) से हराया। प्रभावशाली जीत के बाद अब 64वें राउंड में उनका सामना रूस के व्लादिमीर सेदोरेंको से होगा।

इस बीच 30वें रैंक वाले अनुभवी भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल को बेल्जियम के निचले रैंक के खिलाड़ी सेड्रिक नुयटिंक से 1-4 (11-9, 5-11,6-11, 7-11, 9-11) से बड़ी हार का सामना करना पड़ा। इसी तरह राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता एवं स्टार भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा महिला एकल के शुरुआती दौर के मैच में कड़े संघर्ष के बावजूद ब्राजील की अपनी प्रतिद्वंद्वी ब्रूना ताकाहाशी को हराने में नाकाम रहीं। उन्हें 3-4, (11-5, 15-13, 8-11, 4-11,6-11, 11-4, 7-11) से हार का सामना करना पड़ा। मनिका हालांकि अपनी जोड़ीदार अर्चना कामथ के साथ महिला युगल स्पर्धा में भाग लेंगी, जहां उन्हें पहले दौर में बाई मिली थी।

गौतम गंभीर को 24 घंटे में दूसरी बार मिली धमकी

आईएसआईएस कश्मीर मॉड्यूल ने ई-मेल कर परिवार को जान से मारने की बात कही

नई दिल्ली, 24 नवम्बर। पूर्वी दिल्ली से भाजपा सांसद और पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर को 24 घंटे में लगातार दूसरी बार जान से मारने की धमकी मिली है। गंभीर ने दिल्ली पुलिस को इसकी जानकारी दी है। गंभीर ने आरोप लगाया है कि उन्हें कश्मीर से जान से मारने की धमकी मिली है। सेंट्रल श्वेता चौहान ने बताया कि इसकी जांच चल रही है। गंभीर के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। आईएसआईएस कश्मीर मॉड्यूल की ओर से यह धमकी ई-मेल के जरिए दी। गंभीर को यह ई-मेल मंगलवार रात करीब 9 बजे मिला। इसमें उनके परिवार वालों को भी जान के मारने की बात कही गई है। इसके साथ ही बुधवार शाम को भी उन्हें मेल के जरिए जान से मारने की धमकी दी गई है।

टेस्ट सीरीज में हमारे लिए स्पिन गेंदबाजी कड़ी चुनौती होगी : विलियम्सन

कानपुर, 24 नवंबर। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन का मानना है कि भारत के खिलाफ 25 नवंबर से शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट सीरीज में उनकी टीम के सामने स्पिन गेंदबाजी कड़ी चुनौती होगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनके खिलाड़ी इसके लिए जितनी अच्छी तैयारी कर सकते हैं, कर रहे हैं। विलियम्सन ने मैच की पूर्वसंध्या पर बुधवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, कैंप में पहले टेस्ट मैच को लेकर विचार-विमर्श चल रहा है। हमारी टीम को भारतीय स्पिनर्स को खेलने के लिए एक अलग तरीका अपनाने की जरूरत है। हम भारतीय स्पिन गेंदबाजों की ताकत को जानते हैं। उन्होंने यहां लंबे समय से शानदार गेंदबाजी की है। हमारे लिए एक अलग तरीके से खेलना सही होगा। साथ ही स्कोर करना और साझेदारी का निर्माण करना बेहद महत्वपूर्ण रहेगा।

इंडोनेशिया ओपन : पीवी सिंधु संघर्षपूर्ण जीत के साथ दूसरे दौर में

बाली, 24 नवंबर। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने बुधवार को यहां इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में जापान की अया ओहोरी के खिलाफ तीन गेम तक चले मैच में संघर्षपूर्ण जीत दर्ज की। मौजूदा विश्व चैंपियन सिंधु ने पहला गेम गंवाने के बाद अच्छी वापसी की और एक घंटे 10 मिनट चले मैच में ओहोरी को 17-21, 21-17, 21-17 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इस जीत से सिंधु ने जापानी खिलाड़ी के खिलाफ अपने प्रभावशाली रिकॉर्ड को 11-0 पर पहुंचा दिया। पिछले सप्ताह यहां जापान की अकाने यामागुची से सीधे गेम में हारने के बाद सेमीफाइनल से बाहर होने वाली दुनिया में सातवें नंबर की सिंधु अगले दौर में जर्मनी की 23 वर्षीय शटलर यवोन ली का सामना करेगी। तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय और दुनिया के 26वें नंबर के खिलाड़ी ली के बीच यह पहला मुकाबला होगा। इस बीच एन सिक्की रेड्डी और ध्रुव कपिला की मिश्रित युगल जोड़ी क्योहेई यामाशिता और नारू शिनोया की जापानी जोड़ी से 7-21, 12-21 से हारकर पहले दौर से बाहर हो गई।

फ्रांस के स्टार फुटबॉलर को एक साल की सजा, दी थी सेक्स टेप वायरल करने की धमकी

नई दिल्ली, 24 नवंबर। फ्रांस के स्टार फुटबॉलर करीम बेंजेमा मुश्किलों में घिरते नजर आ रहे हैं। उन्हेंसेक्स टेप वायरल करने की धमकी देने और ब्लैकमेल करने के एक मामले में एक साल जेल की सजा सुनाई है। जाहिर है कि इस दौरान वे टीम से सस्पेंड रहेंगे. साथ ही ने बेंजेमा पर 84,000 डॉलर (करीब 62 लाख रुपए) का जुर्माना भी लगाया है।

दरअसल, यह मामला 2015 का है। तब कुछ लोग फ्रांस फुटबॉल टीम के प्लेयर को सेक्स टेप वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर रहे थे। इन्हीं आरोपियों में करीम बेंजेमा का नाम भी सामने आया था. अब उन्हें अपनी ही साथी खिलाड़ी को ब्लैकमेल करने के मामले में दोषी भी करार दिया गया और सजा भी सुनाई गई। हालांकि, इस सजा से 33 साल के बेंजेमा का करियर खत्म होता नजर नहीं आ रहा है। उन पर ज्यादा कोई असर नहीं पड़ने वाला। करीम बेंजेमा स्पेनिश फुटबॉल क्लब रियाल मैड्रिड के लिए भी खेलते हैं। इसी साल उन्होंने शानदार हैट्रिक गोल दागते हुए अपनी टीम को चैंपियन बनाया था। उनका यह सीजन शानदार रहा है और वे इस साल 29 नवंबर को घोषित होने वाले बैलन डीऑर अवॉर्ड के लिए प्रमुख दावेदार हैं। इस अवॉर्ड की घोषणा पेरिस में होने वाली है।

उदयपुर की लाइफ लाइन फतहसागर झील के इतिहास में पहली बार नवम्बर के महीने में चादर चली है। मावठ की बारिश के कारण झील छलक उठी है। पानी की आवक को देखते हुए बुधवार को सुबह इसके गेट खोले गए। छलकती हुई झील को देखने बड़ी तादाद में लोग फतहसागर पहुंचे।

नवम्बर में पहली बार फतहसागर झील पर चादर चली, चारों गेट खोले

इस साल डेढ़ माह के अंतराल में दूसरी बार फतहसागर छलका

- सुबह 9.30 बजे जिला कलैक्टर की मौजूदगी में चारों गेट एक-एक इंच खोले गए।
- फतहसागर के छलकने से पर्यटन को मिली बूस्टर डोज़।

उदयपुर, 24 नवम्बर (कासं)। लेकसिटी की लाइफलाइन मानी जाने वाली फतहसागर झील में पहली बार नवम्बर माह में चादर चली है। पहले गत 7 अक्टूबर को करीब 48 दिन पहले इस पर चादर चली और मावठ की बारिश से बुधवार सुबह इसमें हुई पानी की आवक को देखते हुए इसके गेट पुन: खोले गए। जिला कलैक्टर व सिंचाई विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में इसके चारों गेट एक-एक इंच खोले गए है। प्रतिदिन रात 9 बजे इसके गेट पुन: बंद कर दिए जाएंगे और रातभर में 13 फीट 4 इंच से ऊपर जलराशि की मात्रा को देखते हुए इसके गेट खोले जाएंगे।

जिला कलैक्टर चेतन देवडा ने बुधवार को फतहसागर झील के गेट खुलवाए। बुधवार सुबह 9:15 बजे एक-एक कर जैसे ही फतहसागर के चारों गेट खुले तो हर कोई इस नजारे को अपनी यादों में हमेशा के लिए कैद करता नजर आया। कलैक्टर देवडा ने इस अवसर पर कहा कि "मैं बहुत किस्मतवाला हूँ कि मुझे अपने कार्यकाल के डेढ़ साल में तीसरी बार फतहसागर के गेट खोलने का शुभ अवसर प्राप्त हुआ है। यह निश्चित रूप से हम सब के लिए, उदयपुरवासियों के लिए बहुत खुशी का पल है।

उन्होंने कहा कि उदयपुर अपनी झीलों के लिए दुनियाभर में मशहूर है। यह पर्यटन नगरी है। जब फतहसागर भरता है तो उदयपुरवासियों में एक नई ऊर्जा, खुशी का संचार होता है। यह झील जब भरती है, तो उदयपुरवासियों की खुशियां परवान पर होती है। जिला कलैक्टर ने इससे पूर्व विधि विधान के साथ इससे पहले फतहसागर की पूजा-अर्चना की। इस दौरान राजसमंद जिला कलैक्टर अरविन्द पोसवाल, यूआईटी सचिव अरूण हसीजा, जल संसाधन विभाग से भुवन भास्कर- अतिरिक्त मुख्य अभियंता, ऋषभ कुमार जैन- अधीक्षण अभयंता, कैलाश जैन- अधिशासी अभियंता, जीवनराम मीणा- सहायक अभियंता एवं जगदीश डांगी-कनिष्ठ अभियंता मौजूद रहे।

करोनाकाल के बाद दीवाली के दौरान भी रिकॉर्ड संख्या में पर्यटक उदयपुर आए थे। अब लेकसिटी सर्दियों की छुट्टियों और नए साल के जश्न के लिए पर्यटकों की मेजबानी के लिए तैयार है। ऐसे में फतहसागर के गेट खुलना पर्यटकों और शहरवासियों के लिए सौगात है। इधर, सीसारमा नदी 2 फीट 10 इंच की वेग से बह रही है ऐसे में पीछोला 2 इंच ओवरफ्लो है और स्वरूपसागर पर चादर चल रही है। चिकलवास हेड 1 फीट 10 इंच बह रही है इसका जल फतहसागर में आ रहा है और जब तक पानी की आवक रहेगी, फतहसागर पर चादर चलेगी।

जयश्री पेड़ीवाल इंटरनैशनल स्कूल की एक और छात्रा करोना संक्रमित मिली

स्कूलों में करोना संक्रमण के बढ़ते मामलों और मौजूदा हालात को लेकर शिक्षा विभाग ने रिपोर्ट तैयार की

- इस रिपोर्ट पर सरकार के स्तर पर फैसला किया जाएगा।
- शिक्षा मंत्री डॉ. बीडी कल्ला ने शिक्षा संकुल में शिक्षा व चिकित्सा विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर हालात की चर्चा की।
- प्रदेश में बुधवार को थोड़ी गिरावट के बाद 14 नए संक्रमित मिले हैं।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 24 नवम्बर। राजधानी के शिक्षा संकुल में शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला की अध्यक्षता में स्कूलों में बढ़ते करोना संक्रमण के मामलों और मौजूदा हालात को लेकर एक रिपोर्ट तैयार की गई। इस पर सरकार के स्तर पर फैसला लिया जाएगा। साथ ही ऑनलाइन क्लास को लेकर भी अधिकारियों से चर्चा की गई। वहीं इस बीच भांकरोटा इलाके में महापुरा स्थित जयश्री पेड़ीवाल इंटरनेशनल स्कूल की एक और छात्रा करोना संक्रमित मिली है। फिलहाल उसका इलाज बोर्डिंग सेंटर में ही चल रहा है। इस बीच राज्य में थोड़ी गिरावट के बाद 14 नए रोगी मिले हैं, जबकि एक्टिव केस बढ़कर 141 हो गए हैं।

प्रदेश में बुधवार को थोड़ी गिरावट के बाद करोना संक्रमण के 14 नए मामले सामने आए हैं। इससे पहले मंगलवार को 23 रोगी पाए गए थे। आज जयपुर, अजमेर व उदयपुर में 3-3, अलवर में 2 तथा बीकानेर, जोधपुर और नागौर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। उधर राज्य के 26 जिलों में संक्रमण कोई भी नया मामला सामने नहीं आया है। इनमें से 21 जिलों में अब न कोई नया संक्रमित है और न ही कोई एक्टिव केस बचा है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार राज्य में बुधवार को 9 रोगी ठीक हुए हैं। हालाकि नए संक्रमितों के मुकाबले में रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 141 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 87 मामले जयपुर और अजमेर में 17 तथा अलवर में 12 केस मौजूद हैं। वहीं 9 जिले बारां, बाड़मेर, बीकानेर, जैसलमेर, जोधपुर कोटा, नागौर, पाली और उदयपुर में 10 से भी कम केस बचे हैं। प्रदेश में बुधवार को भी करोना से कोई मौत नहीं हुई है। हालाकि अब तक इस बीमारी से 8955 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

जयपुर में आज फुलेरा, राजापार्क व टोंक फाटक इलाके में 1-1 नया संक्रमित पाया गया है। वहीं इस बीच जयश्री स्कूल की एक और छात्रा करोना संक्रमित मिली है। जयपुर सीएमएचओ डॉ. नरोत्तम शर्मा ने बताया कि इस स्कूल में मंगलवार को डे बोर्डिंग सेंटर में रहने वाले 13 बच्चे संक्रमित मिले थे। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने स्कूल पहुंचकर वहां रह रहे बच्चों और स्टॉफ सहित 43 लोगों के सैम्पल लिए थे। इनमें से बुधवार को एक छात्रा की रिपोर्ट पॉज़िटिव आई है। पॉज़िटिव छात्रा का इलाज बोर्डिंग सेंटर में ही चल रहा है, और वह एसिम्प्टोमैटिक है। स्कूल में अब तक 14 बच्चे करोना संक्रमित मिल चुके हैं। फिलहाल स्कूल को एक सप्ताह के लिए बंद कर दिया गया है।

इधर दूसरी ओर स्कूलों मे करोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को लेकर शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला ने बुधवार को शिक्षा संकुल में विभाग के अधिकारियों के साथ मीटिंग की। डॉ. कल्ला ने कहा कि प्रदेश में फिर से संक्रमण बढ़ने लगा है। और इसकी चपेट में स्कूली छात्र भी आ रहे हैं। स्कूलों के मौजूदा हालातों को देखते हुए रिपोर्ट तैयार की गई। इस रिपोर्ट में स्कूलों में छात्रों की संख्या कम करने और अल्टरनेट डे बुलाने और ऑनलाइन क्लास का प्रस्ताव रखा गया। यह रिपोर्ट सरकार को सौंपी जाएगी। इसके बाद ही सरकार के स्तर पर ही इस पर फैसला लिया जाएगा। अभी तक निजी स्कूलों में ही करोना के मामले सामने आए हैं, लेकिन सरकारी स्कूलों में बच्चों के संक्रमित न होना अच्छी बात है। उन्होंने अभिभावकों और स्कूल संचालकों से अपील करते हुए कहा कि करोना अभी पूरी तरह से गया नहीं है, ऐसे में सभी को भी सतर्क रहना है। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा की निजी स्कूलों में कोविड वैक्सीन से लेकर अन्य सुरक्षा के बंदोबस्त किस तरह से किए जा रहे हैं और विभाग की ओर से इनकी क्या मॉनिटरिंग की जा रही है।

डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी ममता...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सहायक ने एक ट्वीट में जोर देकर कहा है कि पश्चिम बंगाल में हिन्दुओं के कथित उत्पीड़न को लेकर तथ्यों की जानकारी एवं आंकलन के लिये, उन्होंने ममता के साथ मीटिंग की थी। तृणमूल के ट्विटर हैंडल ने भी ममता के साथ उनकी मीटिंग की पुष्टि कर दी है।

उनके उक्त सहायक ने कहा कि यद्यपि डॉ. स्वामी औपचारिक रुप से तृणमूल में शामिल नहीं हुये हैं, लेकिन वे ममता के पक्ष में तो जा ही चुके हैं। दरअसल, वे अपने राज्यसभा के कार्यकाल के बीच में अपनी पार्टी को छोड़कर अपनी राज्यसभा सीट के बीच में अपनी पार्टी को छोड़कर अपनी राज्यसभा सीट को खोना नहीं चाहते। वे अप्रैल 2016 में, राज्यसभा में नामित किये गये थे तथा तब वे भाजपा में शामिल हुये थे। उनका 6-वर्षीय कार्यकाल अप्रैल, 2022 में समाप्त होगा।

ममता के साथ हुई मीटिंग के बाद, एक ट्वीट में उनके द्वारा की गई ममता की प्रशंसा यह दर्शाती है कि वे कुल मिलाकर भाजपा छोड़ना चाहते हैं, जो उनकी कद्र नहीं कर रही है। अपनी ट्वीट में वे कहते हैं: मैं जिन अनेक राजनेताओं से मिला हूँ या जिनके साथ मैंने काम किया है, उनमें से ममता, जे.पी., मोरारजी देसाई, राजीव गांधी, चन्द्रशेखर तथा पी.वी. नरसिम्हा राव जिनका मन्तव्य वही होता था, जो वे कहते थे और वे वही कहते थे, जो उनका मन्तव्य होता था, की श्रेणी की राजनेता हैं। भारतीय राजनीति में यह गुण दुर्लभ है।"

एक अन्य ट्वीट में, डॉ. स्वामी ने गृह मंत्री अमित शाह पर प्रहार करते हुये कहा है कि उन्हें पश्चिम बंगाल में हिन्दुओं के कत्लेआम की कोई चिन्ता ही नहीं है। "आश्चर्यजनक बात है कि ए.बी. तथा जी.बी. मुझे ट्वीट कर रहे हैं- बंगाल में हिन्दुओं की हत्या क्यों?" ए.बी. तथा जी.बी. को उनसे पूछना चाहिये क्योंकि वे ही उनके संरक्षक हैं?"

"ए.बी." उन "अंध भक्तों" के लिये प्रयुक्त हुआ है, जो बिना सोचे-समझे भाजपा या दक्षिण पंथ का समर्थन करते है तथा "जी.बी." "अंध-भक्तों" के लिये प्रयुक्त हुआ है।

संसद के लिये ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तरह से कार्रवाई की जाए। कांग्रेस के एक नेता ने कहा कि कृषि सुधारों पर काम होना अभी शेष है और इसलिए बेहतर होगी, यदि प्रधानमंत्री संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से एक दिन पूर्व रविवार को एक सर्वदलीय मीटिंग बुलाकर सर्वानुमति प्राप्त कर लें।

गुरुवार की मीटिंग में लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला और राज्यसभा के सभापति एम. वेंकैया नायडू द्वारा शनिवार को बुलाई गई सर्वदलीय मीटिंग्स में अपनाई जाने वाली रणनीति को अंतिम रुप दिया जाएगा।

कश्मीर में बुधवार को मुठभेड़ में तीन आतंकी मारे गये

श्रीनगर, 24 नवंबर (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में बुधवार को सुरक्षा बलों के साथ संक्षिप्त मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गये।

मारे गये आतंकियों में टी.आर.एफ. का एक कमाण्डर भी शामिल है। पुलिस ने बताया कि रामबाग इलाके में आज शाम एक संक्षिप्त मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गये। पुलिस के एक ट्वीट में कहा, पुलिस ने श्रीनगर में तीन आतंकवादियों को मार गिराया। मारे गये आतंकवादियों की पहचान और वे किस संगठन से ताल्लुक रखते थे, इसका पता लगाया जा रहा है।

- मारे गये आतंकियों में टी. आर.एफ. का एक कमाण्डर भी शामिल है।

रायबरेली से कांग्रेस विधायक अदिति सिंह भाजपा में शामिल

अदिति सिंह पहले गांधी परिवार के काफी करीब मानी जातीं थीं, वे दिवंगत वरिष्ठ कांग्रेस नेता अखिलेश सिंह की बेटी हैं

- अदिति सिंह के भाजपा में शामिल होने से कांग्रेस के गढ़ रायबरेली में सेंध लग सकती है, जहां अभी तक भाजपा नहीं घुस पाई थी।

लखनऊ, 24 नवम्बर। यूपी विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की बागी विधायक अदिति सिंह ने भाजपा का दामन थाम लिया है। अदिति सिंह रायबरेली से विधायक हैं, और पहले गांधी परिवार के काफी करीब मानी जातीं थीं।

अदिति सिंह पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ी थीं, और जीत हासिल करके पहली बार विधानसभा पहुंचीं थीं। सिंह पांच बार विधायक रहे दिवंगत कांग्रेस नेता अखिलेश सिंह की बेटी हैं। इनके भाजपा में शामिल होने से कांग्रेस के उस गढ़ में सेंध लग सकती है, जहां अभी तक भाजपा नहीं घुस पाई थी।

अदिति सिंह भले ही 2017 में कांग्रेस विधायक के रूप में विधानसभा पहुंचीं थीं। लेकिन कई मौकों पर वो अपनी ही पार्टी की जमकर आलोचना करती दिखीं थीं। कई बार उन्हें भाजपा और योगी सरकार की तारीफ और समर्थन करते हुए देखा जा चुका है। इसके साथ ही अदिति एक से अधिक मौकों पर यूपी विधानसभा में भाजपा के पक्ष में मतदान भी कर चुकी हैं।

कोरोना के समय लॉकडाउन में जब कांग्रेस ने प्रवासी मजदूरों के लिए 1000 बसों की व्यवस्था करने की बात कही थी और बसें यूपी बॉर्डर पर पहुंच गई थी, तब अदिति सिंह ने इसकी तीखी आलोचना की थी।

इसके बाद ही अदिति सिंह को कांग्रेस ने पार्टी की महिला विंग से निलंबित कर दिया था। हालांकि अभी तक वो पार्टी में बनीं हुईं थीं, लेकिन पार्टी ने एक तरह से उनसे किनारा ही कर रखा था।

अदिति सिंह से अनुप्रिया पटेल तक, यूपी में पिता की राजनीतिक विरासत आगे बढ़ा रहीं ये 6 नेता पिछले साल जुलाई में, यूपी विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित ने अदिति सिंह को अयोग्य घोषित करने की कांग्रेस पार्टी की मांग को खारिज कर दिया था।

रायबरेली के विधायक द्वारा महात्मा गांधी के 150वें जन्मदिन के अवसर पर यूपी सरकार द्वारा आयोजित एक विशेष विधानसभा सत्र में भाग लेने के बाद इन्हें अयोग्य घोषित करने के लिए कांग्रेस की ओर से एक पत्र अध्यक्ष को लिखा गया था। इस सत्र का कांग्रेस ने विरोध किया था।

पूरे देश में तृणमूल कांग्रेस का प्रसार करेंगी ममता बनर्जी

नई दिल्ली, 24 नवंबर (वार्ता)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि किसी भी राजनीतिक दल की तरह देश के हर राज्य में हमारी पार्टी का विस्तार करने का हमें अधिकार है और कोई भी दल हमसे संपर्क करता है तो हम वहां जाने को तैयार हैं। ममता बनर्जी ने बुधवार को यहाँ संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि वह 30 नवम्बर को वह मुंबई में रहेंगी जहां उन्हें एक बिजनेस इवेंट में शामिल होना है। अपने मुंबई दौरे के दौरान वह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता शरद पवार से भी मुलाकात करेंगी। उत्तर प्रदेश विधानसभा में तृणमूल कांग्रेस के उतरने से जुड़े एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी की इकाई वहाँ शुरू हो चुकी है। मैं भी चाहती हूँ बनारस में जाऊं और गंगा में दिया जलाऊँ और शिव मंदिर का दर्शन करूँ। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव हमसे मदद चाहते हैं तो हम ज़रूर करेंगे। ममता बनर्जी से जब कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात के बारे में पूछा गया तो वह बोलीं, मैंने किसी से मिलने के लिए समय नहीं मांगा था।

भारत में महिलाओं की प्रजनन क्षमता कम हुई

पांचवे राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार देश में राष्ट्रीय औसत के अनुसार पहले हर महिला औसतन 2.2 बच्चों को जन्म दे रही थी जो अब घटकर 2.0 हो गई है

- चंडीगढ़ में महिला प्रजनन दर 1.4 और उत्तर प्रदेश में 2.4 है।
- मध्य प्रदेश, राजस्थान, झारखण्ड और उत्तर प्रदेश को छोड़कर सभी राज्यों में महिला प्रजनन दर राष्ट्रीय औसत (2.0) से कम है।

नई दिल्ली, 24 नवंबर (वार्ता)। देश में गर्भनिरोधकों का प्रयोग बढ़ रहा है और महिला प्रजनन दर में गिरावट दर्ज की जा रही है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-पंचम में यह दावा करते हुए कहा गया है कि देश में कुल प्रजनन दर (टीएफआर) राष्ट्रीय स्तर पर प्रति महिला बच्चों की औसत संख्या 2.2 से घटकर 2.0 हो गई है। सर्वेक्षण में शामिल सभी 14 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में महिला प्रजनन दर 1.4 से लेकर 2.4 दर्ज की गयी है। चंडीगढ़ में महिला प्रजनन दर 1.4 और उत्तर प्रदेश में 2.4 है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, झारखंड और उत्तर प्रदेश को छोड़कर सभी राज्यों में महिला प्रजनन दर राष्ट्रीय औसत से कम है।

सर्वेक्षण के अनुसार समग्र गर्भनिरोधक प्रयोग दर (सीपीआर) अखिल भारतीय स्तर पर 54 प्रतिशत से 67 प्रतिशत तक बढ़ गई है। लगभग सभी राज्यों और केंद्र प्रशासित प्रदेशों में गर्भ निरोधकों के आधुनिक तरीकों का उपयोग भी बढ़ा है।

नीति आयोग के सदस्य-स्वास्थ्य डॉ वी के पाल और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में सचिव राजेश भूषण ने बुधवार को यहां राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-पंचम के दूसरे चरण के अंतर्गत जनसंख्या, प्रजनन और बाल स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, पोषण और अन्य पर प्रमुख संकेतकों की 'फैक्टशीट' जारी की। इस सर्वेक्षण में 14 राज्यों अरुणाचल प्रदेश, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, हरियाणा, झारखंड, मध्य प्रदेश, दिल्ली, ओडिशा, पुडुचेरी, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड शामिल किये गये हैं। पहले चरण में शामिल 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के संबंध में सर्वेक्षण के निष्कर्ष दिसंबर, 2020 में जारी किए गए थे।

कृषि कानून ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गए साधन अधिक मायने रखते हैं। मित्रा एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं और कृषि पर सरकार के अत्यधिक नियंत्रण का विरोध कर रहे हैं।

वे कहते हैं कि कृषि कानून सिर्फ इसलिए विफल नहीं हुए कि इनके उद्देश्यों को लेकर काफी वैचारिक ध्रुवीकरण था बल्कि ये इसलिए विफल हुए, क्योंकि जून 2020 में अध्यादेशों के जरिए नाटकीय साधन अपनाए गए और फिर सितम्बर 2020 में इन्हें संसद से पारित करवाया गया। मित्रा कहते हैं कि "कृषि सुधार" पहल की बानगी ये थी कि इसमें संसदीय प्रक्रिया की पूर्णतया उपेक्षा की गई और यह भी कि इसके प्रमुख हित धारकों से भी किसी अर्थपूर्ण संवाद या विचार-विमर्श से ठोस इंकार किया गया। मनमाने साधनों के कारण अन्तत: नीति ही धराशाई हो गई। वे कहते हैं कि सुधारों का दावा करते वक्त क्या यह अपनाए गए साधनों का गुणगान करने में हुई विफलता है और वहीं सुधारों के पूरे विचार को बदनाम कर रही है।

'एस.सी. एवं एस.टी. वालों के साथ आई.आई.टी. संस्थानों में भेदभाव?'

सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में कहा गया है कि, एस.सी. व एस.टी. के छात्रों के दाखिले एवं शिक्षकों की भर्ती में आरक्षण नियमों की अनदेखी की जाती है

- याचिकाकर्ता ने विभिन्न माध्यमों की खबरों का हवाला देते हुए आरोप लगाया है कि करीब 2400 विद्यार्थी जातीय आधार पर प्रताड़ित करने एवं अन्य अज्ञात कारणों से बिना डिग्री लिये आईआईटी छोड़कर भागने को मजबूर हुए हैं, जबकि 50 की मौत हुई है।
- संसद में 2018 पेश किये गये आंकड़ों का हवाला देते हुए याचिका में कहा गया है कि विभिन्न आईआईटी में 6043 संकाय सदस्य हैं, जिनमें मात्र 21 एसटी और 149 एससी से हैं।

नई दिल्ली, 24 नवंबर (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने देशभर के सभी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में आरक्षण नियमों की कथित अनदेखी एवं विद्यार्थियों को प्रताड़ित करने के आरोपों पर केंद्र सरकार को बुधवार को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया।

न्यायमूर्ति एल. एन. राव, न्यायमूर्ति बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना की पीठ ने एक रिट याचिका पर सुनवायी के बाद केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया। याचिकाकर्ता डॉ. सच्चिदानंद पांडेय की सभी 23 आईआईटी में भर्ती एवं दाखिले में समुचित तरीके से आरक्षण की नीति लागू करने के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग पर केंद्र सरकार को अपना जवाब देने को कहा है।

वकील अश्वनी कुमार दुबे ने डॉ पांडेय की ओर से दायर याचिका में आरक्षण लागू करने में भेदभाव के अलावा प्रताड़ना और इसकी वजह से बड़ी संख्या में होनहार विद्यार्थियों के खुदकुशी करने जैसे कई गंभीर आरोप लगाये गये हैं। याचिकाकर्ता ने अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ी जातियों के संकाय सदस्यों की भर्ती और शोध विद्यार्थियों के दाखिले में कथित तौर पर कानून की अनदेखी तथा प्रताड़ना के आरोप लगाये गए हैं। याचिकाकर्ता ने विभिन्न माध्यमों की खबरों का हवाला देते हुए आरोप लगाया है कि करीब 2400 विद्यार्थी जातीय आधार पर प्रताड़ित करने एवं अन्य अज्ञात कारणों से बिना डिग्री लिये आईआईटी छोड़कर भागने को मजबूर हुए हैं, जबकि 50 की मौत हुई है। आश्चर्य यह कि इस मामले में देश के इन प्रतिष्ठित संस्थाओं की ओर से कभी भी वास्तविक कारण नहीं बताये गये। संसद में 2018 पेश किये गये आंकड़ों का हवाला देते हुए याचिका में कहा गया है कि में विभिन्न आईआईटी में 6043 संकाय सदस्य हैं, जिनमें मात्र 21 एसटी और 149 एससी से हैं।

याचिकाकर्ता ने संकाय सदस्यों के कामकाज के मूल्यांकन तथा तय मानकों के मुताबिक काम नहीं करने वालों को उनके पद से हटाने के लिए तकनीकी विशेषज्ञों की एक कमेटी गठित करने का आदेश केंद्र को देने की मांग की गई है।

फिज़िकल सुनवाई के लिए 114 वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की

नई दिल्ली, 24 नवंबर (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय में फिजिकल सुनवायी की व्यवस्था सप्ताह में पांच दिन (सोमवार से शुक्रवार तक) पुन: लागू करने की मांग करते हुए यहां के 114 वकीलों ने हस्तक्षेप याचिका दायर की है।

न्यायमूर्ति एल. एन. राव, न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना की पीठ ने बुधवार को उच्चतम न्यायालय बार एसोसिएशन के सदस्य डी. के. ठाकुर एवं अन्य की याचिका पर शीघ्र सुनवायी की गुहार स्वीकार कर ली। शीर्ष अदालत में इस याचिका पर छह दिसंबर को सुनवायी होगी।

याचिकर्ताओं की ओर से 'एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड' एस. सिंह ने आज पीठ के समक्ष 'विशेष उल्लेख' के तहत वर्चुअल सुनवायी के दौरान होने वाली परेशानियों एवं कानूनी पहलुओं का जिक्र करते हुए इस मामले में शीघ्र विचार करने का निवेदन किया।

वकीलों ने 'ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ जुरिस्ट एवं अन्य बनाम उत्तराखंड उच्च न्यायालय' मामले (रिट याचिक) में हस्तक्षेप याचिका दायर की है।

वकीलों का कहना है कि वर्चुअल सुनवायी के दौरान कई तरह की तकनीकी परेशानियों का सामना करने के साथ ही जूनियर वकीलों को नुकसान हो रहा है। इसके अलावा कई अन्य तर्क दिये गए हैं।

उन्होंने फिजिकल सुनवायी की मांग के समर्थन में सीपीसी-1908 की धारा 153बी और सीआरपीसी-1973 की धारा 327 का हवाला देते हुए आपराधिक एवं सिविल मामले की सुनवायी को आवश्यक बताया है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: घूघरा घाटी, जयपुर रोड, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स: 0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600